खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 08 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-96

हज पर भिखमंगे भेजने वाले पाकिस्तान की हरकतों का खामियाजा

14 देशों के हज यात्रियों को वीज़ा नहीं देगा सऊदी अरब

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। हज और उमरा के लिए सऊदी अरब जाने वाले पाकिस्तानियों की ओछी हरकतों का खामियाजा भारत समेत 13 अन्य देशों को भी उठाना पड़ा है। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को समेटते हुए 14 देशों के लोगों को हज यात्रा के लिए वीज़ा देने से इन्कार कर दिया है। हर साल लाखों मुस्लिम हज और उमरा के लिए सऊदी अरब जाते हैं। लेकिन, इस बार सऊदी सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए 14 देशों के लोगों के लिए वीज़ा जारी करने पर अस्थायी रोक लगा दी है। सरकार का कहना है कि इन देशों के लोग वीज़ा नियमों का पालन नहीं करते और हज में बिना पंजीकरण किए शामिल हो जाते हैं। इस बार सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अगर अब बिना रजिस्ट्रेशन हज में शामिल पाए गए तो पांच साल तक सऊदी अरब में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अधिकारियों को हज यात्रा के सुचारू और सुरक्षित संचालन की गारंटी के लिए सख्त वीज़ा नियम लागू करने का निर्देश दिए है। यह प्रतिबंध जून के मध्य तक रहेगा। लगभग उसी समय, जब इस साल की हज यात्रा समाप्त होगी। जिन वीजा पर रोक लगाई गई है, उनमें उमरा वीजा के साथ-साथ बिजनेस और फैमिली विजिट वीजा भी शामिल हैं। सऊदी सरकार ने अधिकारिक तौर पर बताया कि भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, मिस्र, मोरक्को, इथियोपिया, अल्जीरिया, इराक, जॉर्डन सूडान ट्यूनिशिया और यमन के नागरिकों के लिए वीज़ा पर रोक लगाई गई है। अब इन देशों के मुस्लिम नागरिकों को 13 अप्रैल 2025 तक ही उमरा वीज़ा मिलेगा। इसके बाद हज खत्म होने तक वीज़ा नहीं दिया जाएगा। सऊदी अधिकारियों ने यह कदम

लोगों को आधिकारिक अनुमति के बिना हज करने की कोशिश करने से रोकने के लिए उठाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इससे भीड़ और अव्यवस्था बढ़ती है, जिससे गंभीर हादसे होते हैं। इसके अलावा, कुछ लोग हज या उमराह के नाम पर भीख मांगने जैसी ओछी हरकतों में भी शामिल पाए जाते हैं।

कई लोग उमरा या टूरिस्ट वीज़ा लेकर सऊदी अरब पहुंचते थे और वहां रुक कर हज में भी हिस्सा लेते थे जबकि हर देश के लिए हज का एक तय कोटा होता है। इससे न केवल नियमों का उल्लंघन होता है बल्कि सुविधाओं पर बोझ भी बढ़ता है। उल्लेखनीय है दें कि वर्ष 2024 के हज के दौरान भारी भीड़ और गर्मी के चलते लगभग 1301 लोगों की मौत हुई थी। सऊदी सरकार का मानना है कि नियम तोड़ने वाले यात्रियों के कारण ये हादसा हुआ था। बिना रजिस्ट्रेशन के भाग लेने वालों की वजह से भीड़ बढ़ी, जिससे स्वास्थ्य और ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था बिगड़ गई। इसी को देखते हुए 2025 की आगामी हज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए वीज़ा पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, हर साल बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक हज यात्रा के लिए सऊदी अरब जाते हैं। साल 2024 में एक लाख 75 हजार लोग हज के लिए गए थे, जिसमें 98 भारतीयों ने जान गंवाई थी। साल 2023 में 187 नागरिकों की हज यात्रा के दौरान मौत हुई थी।

सऊदी अरब ने सितंबर 2024 में पाकिस्तान को उमरा के बहाने देश में प्रवेश करने वाले पाकिस्तानी नागरिकों की ओछी हरकतों को लेकर चेतावनी दी थी। पाकिस्तान के एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब के हज मंत्रालय ने पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय को चेतावनी जारी की थी, जिसमें पाकिस्तानी भिखारियों को उमरा वीजा के तहत राज्य में प्रवेश करने से रोकने के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया गया था। लेकिन पाकिस्तान सरकार पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। हालांकि पाकिस्तान की गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने सऊदी अरब के राजदूत नवाफ बिन सईद अहमद अल-मल्की को आश्वासन दिया था कि सऊदी अरब में भिखारियों को भेजने वाले आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। कहा गया था कि संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन पाकिस्तान सरकार का यह दावा खोखला बयान ही साबित हुआ और कार्रवाई के नाम पर शून्य रहा। इसे देखते हुए आखिरकार सऊदी अरब ने पाकिस्तान समेत कई देशों के वीज़ा पर रोक लगा दी। पाकिस्तान की हरकतों का खामियाजा भारत के हज यात्रियों को भी उठाना पड़ा।

विधानसभा में सत्ताधारी दल का गैर संवैधानिक आचरण

अमित शाह ने श्रीनगर पहुंचकर लिया जायजा

श्रीनगर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ कानून के खिलाफ जम्मू कश्मीर विधानसभा में सरकार प्रायोजित हंगामे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कश्मीर पहुंचकर स्थितियों का जायजा लिया। हालांकि आधिकारिक तौर पर बताया गया कि गृह मंत्री का कश्मीर दौरा सीमा की सुरक्षा तैयारियों का जायजा लेने को लेकर था।

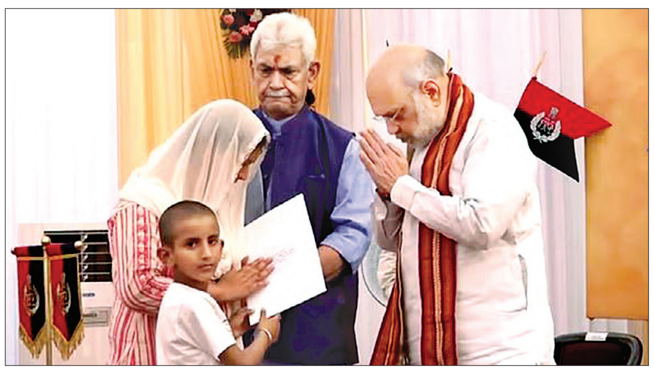

गृह मंत्री ने जम्मू कश्मीर के शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से राजभवन में मुलाकात की और कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास स्थित बीएसएफ पोस्ट का दौरा भी किया। अमित शाह ने बीएसएफ के जवानों की सराहना की और कठिन हालात में देश की सीमाओं को बचाने के उनके प्रयासों को सराहा। गृहमंत्री ने कहा कि बीएसएफ के जवानों द्वारा सीमाओं की रक्षा में किए जा रहे योगदान की कोई तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने जवानों के साहस और समर्पण की प्रशंसा की और उनके योगदान का उच्चतम सम्मान दिया।

अमित शाह ने भारत-पाक सीमा पर अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और कहा कि सरकार सीमा सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए नई तकनीकों का उपयोग करेगी। विशेष रूप से भूमिगत सीमा पार सुरंगों को खोजने के लिए तकनीकी उपायों को लागू किया जाएगा। शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बलों को इन नई तकनीकों से अधिक कुशलता से काम करने का मौका मिलेगा।

वक्फ कानून के खिलाफ सत्ता प्रायोजित हंगामा

गृह मंत्री ने सीमा सुरक्षा का भी निरीक्षण किया

राजभवन में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन ग्यारह शहीदों के परिवारों से मुलाकात की, जो आतंकवादी हमलों में मारे गए थे। गृहमंत्री और उपराज्यपाल ने शहीदों के परिवारों से संवेदना व्यक्त की और सरकार की ओर से पूरी तरह से मदद करने का वादा किया। शहीदों के परिवारों ने इस दौरान अपनी मुश्किलों और संघर्षों को साझा किया, जो वे शहीदों की मौत के बाद झेल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि देश कभी नहीं भूल सकता कि शहीदों का बलिदान हुआ है और उनके परिवारों को हर संभव सहायता दी जाएगी।

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ संशोधन अधिनियम पर हुए सरकार प्रायोजित हंगामे के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। विधानसभा में किया गया हंगामा गैर संवैधानिक कृत्य माना गया है, क्योंकि यह कानून देश की संसद से पारित हुआ है। लिहाजा, राज्य की विधानसभा द्वारा इस पर विरोध जताना स्पष्ट तौर पर संविधान का उल्लंघन है। ऐसा ही उल्लंघन तमिलनाडु विधानसभा ने भी किया है। जम्मू कश्मीर की सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष ▶10 पर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा

राष्ट्रभक्त मुसलमानों का संघ में स्वागत है

वाराणसी, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक (प्रमुख) मोहन भागवत ने राष्ट्रभक्त मुसलमानों को संघ में शामिल होने का न्यौता दिया है। मोहन भागवत ने कहा, संघ में देशभक्त मुस्लिमों का स्वागत है, लेकिन खुद को औरंगजेब का वंशज मानने वालों के लिए नहीं। भगवा और भारत माता की जय को अंगीकार करने वाले मुसलमानों का संघ में स्वागत है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्पष्ट किया कि पूजा-पद्धति या धार्मिक रीति-रिवाजों को लेकर संघ कोई भेदभाव नहीं करता है। हर जाति-संप्रदाय के लोगों के लिए संघ के दरवाजे खुले हुए हैं। उन्होंने इस दौरान हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई सबका नाम लिया। मोहन भागवत ने मुगल आक्रांताओं के महिमा-गान पर करारा प्रहार करते हुए कहा, जो लोग खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं, उनके लिए संघ में कोई जगह नहीं है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में पहले से ही राष्ट्रीय मुस्लिम मंच सक्रिय है। मुहम्मद अफजल इसके राष्ट्रीय संयोजक हैं, वहीं इंद्रेश कुमार मार्गदर्शक की भूमिका में हैं। मोहन भागवत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत की संस्कृति एक है और भारत माता की जय और भगवा ध्वज उस संस्कृति के प्रतीक हैं। इसका सम्मान करना प्रत्येक देशवासी का धर्म और कर्तव्य है।

भारत माता की जय कहने वाले मुसलमान आएं

औरंगजेब का वंशज कहने वालों के लिए गेट बंद

संघ प्रमुख ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ संवाद भी किया और संघ में मुस्लिमों एवं जातियों को लेकर जवाब दिया। मोहन भागवत ने कहा कि हम संघ में किसी की जाति नहीं पूछते। संघ में अनुसूचित जाति-जनजातियों के प्रतिनिधित्व के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम किसी से पूछते नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने तब का एक किस्सा भी सुनाया, जब वो नए-नए सरकार्यवाह चुने गए थे। उन्होंने बताया, सुरेश सोनी उस दौरान सह-सरकार्यवाह चुने गए। इस दौरान मीडिया ने चलाया कि भागवत गुट की विजय हुई है, ओबीसी को प्रतिनिधित्व देने के लिए सुरेश सोनी को रखा गया है। मैंने मीडिया में खबरें देखकर सुरेश सोनी से पूछा कि क्या वो ओबीसी समाज से आते हैं? इसपर वो मुस्कुराकर रह गए। मोहन भागवत ने कहा कि संघ में ऐसा वातावरण है कि आजतक उन्हें नहीं पता है कि सुरेश सोनी किस जाति से आते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत मलदहिया के लाजपत नगर पार्क की शाखा पर पहुंचे। यहां उन्होंने शाखा के कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और वहीं पर स्वयंसेवकों के सवालों के जवाब भी दिए। ▶10 पर

सिक्किम के सीमावर्ती गांव में पहली बार पहुंची बिजली

भारतीय सेना की त्रिशक्ति-कोर ने खोजा समाधान

गंगटोक, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत-चीन और भूटान की सीमा पर डोक-ला पोस्ट के पास स्थित देश का पहला सीमावर्ती गांव डिचू एक ऐतिहासिक पहल का गवाह बना है। सिक्किम के इस गांव के लोगों को पहली बार बिजली की सुविधा मिली है। भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर की इस पहल से स्थानीय लोगों के जीवन को नई दिशा और ऊर्जा मिली है। इसके अलावा सेना ने स्थानीय लोगों की टिन की छतों को भी रंगने का कार्य किया है।

सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने इसी साल 4 जनवरी को डोक-ला चौकी का दौरा किया था। लौटते समय राज्यपाल ने सीमावर्ती गांव डिचू के स्थानीय लोगों से बातचीत की। इस दौरान उन्हें पता चला कि गांव में अभी तक बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं है। राज्यपाल ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर तत्काल ध्यान देते हुए भारतीय सेना की 17वीं माउंटेन डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल एमएस राठौर से इस चुनौती का समाधान ढूंढने का आग्रह किया। भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर ने राज्यपाल के अनुरोध को गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई की। सेना ने सीमावर्ती गांव डिचू में बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए स्थानीय लोगों की बुनियादी जरूरतों पूरा किया। सेना की इस पहल से डिचू के निवासी काफी उत्साहित हैं। ग्रामीणों ने राज्यपाल माथुर और भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त किया है। अब यह गांव बिजली की रोशनी से जगमगा रहा है। यह पहल दूरस्थ एवं पिछड़े क्षेत्रों के सशक्तिकरण का भी एक उदाहरण है। ▶10 पर

केंद्र सरकार ने फिर बढ़ाई रसोई गैस की कीमत

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफे का ऐलान किया है। इस वृद्धि के साथ सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 803 रुपए से बढ़कर 853 रुपए हो जाएगी। 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर का नया भाव हैदराबाद में 905 रुपए, नई दिल्ली में 853 रुपए, कोलकाता में 879 रुपए, मुंबई में 852 रुपए, गुड़गांव में 861 रुपए, नोएडा में 851 रुपए, भुवनेश्वर में 879 रुपए और चंडीगढ़ में 862 रुपए होगा।

महंगाई में आम नागरिक पर और बोझ बढ़ा

केंद्र के इस फैसले से आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक और झटका लगा है। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ने से मध्यम वर्ग पर फिर बोझ बढ़ गया है। घरेलू गैस सिलेंडर और उज्जवला योजना के तहत मिलने वाले सिलेंडर पर 50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस या एलपीजी की कीमत में 50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का ऐलान किया। मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए गैस की कीमत में इजाफा किया गया है। नई कीमतें आज आधी रात से लागू हो जाएंगी।

सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 803 रुपए से बढ़कर 853 रुपए हो जाएगी और उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 503 रुपए से बढ़कर 553 रुपए हो जाएगी। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं रसायन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, एलपीजी के प्रति सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए की वृद्धि होगी। 500 से यह 550 (पीएमयूवाई लाभार्थियों के लिए) हो जाएगी और अन्य के लिए यह 803 रुपए से ▶10 पर

वक्फ कानून के विरोधियों ने भाजपा नेता का घर फूंका

भाजपा के मुस्लिम नेता कट्टरपंथियों के शिकार बने

इंफाल, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष अली असगर को वक्फ संशोधन कानून के पक्ष में बोलने की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। वक्फ कानून से गुस्साए कट्टरपंथियों की हिंसक भीड़ ने जमकर बवाल किया। भीड़ ने अली असगर के घर को आग के हवाले कर दिया। यह घटना थौबल जिले की है जहां 6 अप्रैल की रात करीब 9 बजे हिंसक भीड़ सड़कों पर निकली और जमकर बवाल मचाया। अली असगर ने वक्फ संशोधन बिल के पास हो जाने पर खुशी जाहिर करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा था।

इससे पहले दिन में इंफाल घाटी के कई क्षेत्रों में इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें करीब 5000 लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने वक्फ कानून को वापस लेने की मांग की और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने एनएच 102 पर सड़क जाम भी किया। इस दौरान कई जगहों पर सुरक्षा बलों के साथ हिंसा पर उतारू भीड़ की झड़प हुई। हिंसक भीड़ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष असकर अली असगर के घर पहुंची और गालियां बकते हुए घर को फूंक डाला। घर के धू-धू जलने की तस्वीरें भी सामने आई हैं। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के उन्नाव में सेना के रिटायर्ड कर्नल सूर्य प्रताप सिंह को कट्टरपंथियों ने बुरी तरह पीटा। कर्नल वक्फ कानून के समर्थन में बात करना कट्टरपंथी मुसलमानों को रास नहीं आया। कर्नल के ड्राइवर वसीम ने ही पिटाई की शुरुआत की और उसके बाद दूसरे कट्टरपंथी मुसलमानों ने भी बुजुर्ग को जमकर पीटा। ▶10 पर

डोनाल्ड ट्रंप की टीम ने टैरिफ का बचाव किया

वॉशिंगटन,07 अप्रैल (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सहयोगी शनिवार को विभिन्न मीडिया आउटलेट्स पर पहुंचे और टैरिफ का बचाव किया। कुछ ने कहा कि उन्होंने पहले ही विदेशी देशों की प्रतिक्रिया सुनी।

यह देश अब सौदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप के शीर्ष आर्थिक सलाहकारों ने दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह व्यापार युद्ध अंततः अमेरिका के आर्थिक भाग्य को बेहतर बनाएगा।

विश्लेषण में कहा गया कि ब्रेक्सिट की तरह ट्रंप के टैरिफ ने स्थापित व्यवस्था पर बड़ा प्रहार किया है। वैश्विक वाणिज्य के आधार के रूप में यूएस की स्थिति का मतलब है कि ट्रंप के कदम का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। हालांकि ब्रेक्सिट की तरह अंतिम परिणाम भी अनिश्चित हैं। ट्रंप अभी भी अपने फैसले को उलट सकते हैं। आशावादी बताते हैं कि यूरोपीय संघ ब्रिटेन के जाने के बाद भी नहीं टूटा।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अर्थशास्त्रियों ने कहा कि मुक्त व्यापार का उदय अपरिवर्तनीय हो सकता है। इसके लाभ इतने शक्तिशाली हैं कि बाकी दुनिया इस प्रणाली को जारी रखने का कोई रास्ता खोज सकती है। कई लोगों का मानना है कि टैरिफ दर अपेक्षा से कहीं अधिक है और इसने अमेरिका के कारपोरेट जगत को अराजकता में डाल दिया। वॉल स्ट्रीट अभी भी पिछले सप्ताह के नतीजों से उबर नहीं पाया है।

खबर के अनुसार, इस टैरिफ से शेयर बाजार में बिकवाली और मंदी की आशंका पैदा हो गई है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने रविवार को टेलीविजन नेटवर्क पर राष्ट्रपति के व्यापक टैरिफ का बचाव किया। अधिकारियों ने तर्क दिया कि आयात कर पहले से ही दर्जनों देशों को सौदेबाजी की मेज पर आने के लिए मजबूर कर रहे हैं। कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस ने कहा कि 50 देशों ने इस मसले पर राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत करने के लिए इच्छुक हैं। उनके फोन व्हाइट हाउस में घनघना रहे हैं। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि घबराएं नहीं। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने ने मीट द प्रेस के दौरान मंदी की भविष्यवाणी करने वाले अर्थशास्त्रियों और बैंकों की चेतावनियों को खारिज कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

सिर्फ पानी और कोल्ड ड्रिंक के सहारे जिंदा है

क्वांग बिन्ह। 52 साल से एक महिला सिर्फ पानी और कोल्ड ड्रिंक के सहारे जिंदा है। वियतनाम के क्वांग बिन्ह प्रांत के लोक निन्ह गांव की 77 वर्षीय महिला बुई थी लोई ने दावा किया कि उन्होंने पिछले 52 वर्षों से कोई ठोस आहार ग्रहण नहीं किया है। उनका कहना है कि वह सिर्फ पानी और कोल्ड ड्रिंक के सहारे जीवित हैं। लोग इसे किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहे। बुई थी लोई की यह अनोखी कहानी 1963 में शुरू हुई थी, जब वह अन्य महिलाओं के साथ घायल सैनिकों की मदद के लिए पहाड़ों की ओर जा रही थीं। तभी अचानक उन पर बिजली गिर गई, जिससे वह बेहोश हो गईं। उनकी जान तो बच गई, लेकिन इस हादसे के बाद से उनकी भूख पूरी तरह खत्म हो गई। कई दिनों तक उन्होंने कुछ भी नहीं खाया, जिसके बाद उनके साथियों ने उन्हें मीठा पानी पिलाना शुरू किया। शुरुआत में उन्होंने कुछ फल खाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भूख महसूस नहीं हुई। 1970 के बाद उन्होंने ठोस आहार पूरी तरह छोड़ दिया और सिर्फ पानी और कोल्ड ड्रिंक ही उनकी ऊर्जा का मुख्य स्रोत बन गए। उनके घर में कोई रसोई नहीं चलती, न ही उनके फ्रिज में खाने की कोई वस्तु होती है। वहां सिर्फ पानी और कोल्ड ड्रिंक की बोतलें भरी रहती हैं। उनके अनुसार, खाने की महक से ही उन्हें मतली आने लगती है। उन्होंने अपने बच्चों को भी खुद दूध नहीं पिलाया और दूसरों से मदद लेनी पड़ी। उनके इस अनोखे आहार के बावजूद वे अब भी पूरी तरह स्वस्थ नजर आती हैं। डॉक्टरों का मानना है कि बिना संतुलित आहार के इतने लंबे समय तक जीवित रहना वैज्ञानिक दृष्टि से संभव नहीं है।

सात साल में 20 बार की शादी, फिर भी है कुंआरी

बीजिंग। चाइना के चेंगदू शहर की रहने वाली एक युवती ने सात साल में बीस बार शादी की लेकिन फिर वह कुंआरी ही है। दरअसल, 20 साल की काओ मेई की ये सभी शादियां नकली थीं। उन्होंने इस अनोखे बिजनेस की शुरुआत 2018 में की थी, जब उनके एक दोस्त ने उनसे नकली गर्लफ्रेंड बनने की गुजारिश की ताकि वह अपने माता-पिता को प्रभावित कर सके। इसी अनुभव से काओ को एहसास हुआ कि चीन में शादी और डेटिंग को लेकर परिवारों का जबरदस्त दबाव है, और उन्होंने इसे अपनी कमाई का जरिया बना लिया। त्योहारों के सीजन में काओ की मांग बढ़ जाती है। उनकी सेवाओं का लाभ वे लोग उठाते हैं, जो परिवार के दबाव से बचना चाहते हैं या समाज में अपनी छवि बनाए रखना चाहते हैं। कई बार माता-पिता भी अपने बेटों की इज्जत बचाने के लिए इस तरह की नकली शादियों का सहारा लेते हैं। काओ खुद को लाइफ एक्ट्रेस कहती हैं और हर शादी से पहले दूल्हे की उम्र, शिक्षा और नौकरी से जुड़ी जानकारी याद कर लेती हैं, ताकि किसी को शक न हो। उनका यह कारोबार ऑनलाइन ग्रुप्स के जरिए चलता है, और उनकी एक दिन की फीस करीब 1,500 युआन (लगभग 17,000 रुपये) है। हालांकि, वे सिर्फ नकली शादी तक का ही कॉन्ट्रैक्ट करती हैं और शारीरिक संबंधों से पूरी तरह दूर रहती हैं।

राफेल लड़ाकू विमानों में हुआ भारतीय टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल, अब दुनिया देखेगी मेक इन इंडिया की ताकत

एथेंस। अब ग्रीस के राफेल लड़ाकू विमानों में भारतीय टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा, वह भी चुपचाप, बिना किसी बड़े ऐलान के। यह मेक इन इंडिया की ताकत है, जिसपर हर भारतीय को गर्व होगा। मेक इन इंडिया अब भारत को रक्षा बाजार से रक्षा साझेदार की भूमिका में ला रही है। भारत जो अभी तक फ्रांस से राफेल फाइटर जेट खरीद रहा था, अब वही भारत फ्रांसीसी एयरक्राफ्ट को अपग्रेड कर रहा है। भारत और फ्रांस के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग के बीच रिपोर्ट है कि ग्रीस को हाल ही में आपूर्ति किए गए डसॉल्ट एविएशन राफेल लड़ाकू विमानों में भारतीय टेक्नोलॉजिकल कंपोनेंट्स का इस्तेमाल किया गया है।

पाकिस्तान मे अवैध रूप से रह रहे 1,636 अफगान नागरिकों को स्वदेश वापस भेजा

इस्लामाबाद,07 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे अफगानिस्तान के नागरिकों को स्वदेश भेजने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। लाहौर, कराची और रावलपिंडी में रह रहे ऐसे लोगों की पहचान की गई है। रविवार को पंजाब और सिंध से 1,636 अफगान नागरिकों को वापस भेज दिया गया। पंजाब में 5,111 अन्य अफगान नागरिकों को वापस भेजने के लिए ट्रांजिट कैंपों या होल्डिंग सेंटरों में ले जाया गया है। इनमें 2,301 बच्चे और 1,120 महिलाएं शामिल हैं।

पाकिस्तान के अखबार डॉन को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस अधिकारी का कहना है कि सुरक्षा एजेंसियों ने प्रांतभर में 150 से ज्यादा अफगान कॉलोनियों की पहचान की। इनमें 1,00000 से अधिक अफगान नागरिक रह रहे हैं। अधिकारी का कहना है कि इनमें से जिनेके पास वैध दस्तावेज होंगे, उन्हें निर्वासित नहीं किया जाएगा।

पंजाब पुलिस के अतिरिक्त आईजी वकास नजीर ने बताया, यह प्रक्रिया संघीय सरकार के निर्देश पर शुरू की गई है। रविवार को 1,336 अफगान नागरिकों को 46 होल्डिंग सेंटरों में स्थानांतरित कर दिया। उन्हें निर्दिष्ट बसों में लांडी कोटल ले जाया गया। वहां स्थानीय प्रशासन को सौंप दिया गया और फिर उसी दिन अफगानिस्तान भेज दिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने 5,111 अन्य अफगानों को ट्रांजिट कैंप या होल्डिंग सेंटरों में स्थानांतरित कर दिया। इनको भी निर्वासित किया जाएगा।

हसनअब्दल होल्डिंग सेंटर में कई अफगान नागरिकों ने निर्वासन आदेशों के अचानक क्रियान्वयन पर असंतोष व्यक्त किया। इन लोगों ने कहा कि उन्होंने अपना सारा सामान औने-पौने दामों पर बेच दिया और जल्दबाजी में अपना कारोबार समेट लिया। इसे उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ। झेलम के डीपीओ तारिक अजीज ने कहा कि 157 अफगानों को झेलम और पिंड दादन खान के ट्रांजिट कैंपों से दो बसों में चढ़ाया गया।

तोरखम सीमा पर भेजे जाने से पहले उन्हें खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। रावलपिंडी में एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि रविवार को कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 140 महिलाओं और 164 बच्चों सहित 736 अफगान नागरिकों को हिरासत में लेकर उन्हें गोलरा मोर के पास अफगान शरणार्थी शिविर में स्थानांतरित कर दिया। इनमें से 179 को अफगानिस्तान वापस भेज दिया गया।

दिल में दर्द की शिकायत करने वाली महिलाओं में से एक को रावलपिंडी इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी में रेफर किया गया। मरी में भी 13 अफगानों को हिरासत में लेकरउन्हें गोलरा मोर के पास शरणार्थी शिविर में स्थानांतरित कर दिया। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि 300 से अधिक अफगानों को कराची से उनके देश वापस भेज दिया गया। सिंध के वरिष्ठ मंत्री शारजील इनाम मेमन ने कहा कि निर्वासित लोगों में 79 बच्चे, 37 महिलाएं और 191 पुरुष शामिल हैं। इन लोगों को देश में अवैध निवास के कारण निर्वासित किया गया। डीआईजी (दक्षिण) सैयद असद रजा ने कहा कि पहली अप्रैल से छह अप्रैल के बीच कराची के विभिन्न हिस्सों से 409 अफगान नागरिक कार्ड धारकों को सुल्तानाबाद के अमीन हाउस नामक होल्डिंग पॉइंट पर लाया गया था। उनमें से 102 को संबंधित पुलिस स्टेशनों को वापस कर दिया गया क्योंकि उनके पास पीओआर (पंजीकरण का प्रमाण) जैसे वैध कागजात थे। कुल 307 अफगान नागरिक कार्डधारक शनिवार रात को कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ अफगानिस्तान के लिए रवाना हुए।

बांग्लादेश में बर्खास्त बीडीआर जवानों का प्रदर्शन, नौकरी बहाली और मुआवजे की मांग

ढाका,07 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) के सैकड़ों बर्खास्त जवानों ने रविवार को ढाका में प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने नौकरी की बहाली और मुआवजे की मांग उठाई। यह प्रदर्शन बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) मुख्यालय के पिलखाना गेट के सामने किया गया।प्रदर्शनकारियों में अधिकतर वे जवान शामिल थे, जिन्हें 2009 की पिलखाना हत्याकांड के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उस हत्याकांड में कुल 74 लोग मारे गए थे, जिनमें 57 सैन्य अधिकारी शामिल थे।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस, सेना और बीजीबी बल तैनात किए। एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारी बीजीबी मुख्यालय के सामने फुटपाथ पर बैठे हैं और हम उनसे बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश की स्थानीय अखबार प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, 25 फरवरी 2009 को बीडीआर वीक के दौरान पिलखाना मुख्यालय के दरबार हॉल में सैकड़ों जवानों ने हथियारबंद विद्रोह किया था। बाद में बातचीत के माध्यम से यह विद्रोह शांत कराया गया और हथियार, गोला-बारूद तथा ग्रेनेड सरकार को सौंप दिए गए।

इस मामले में अब तक 152 लोगों को मौत की सजा, जबकि 423 को कैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही, 5,926 जवानों को 57 अलग-अलग मामलों में चार महीने से सात साल तक की कैद की सजा दी गई है।हाल ही में ढाका में हुए एक स्मृति समारोह में बांग्लादेश सेना प्रमुख जनरल वाकर-उज-जमान ने इस मामले की निष्पक्ष सुनवाई में बाधा न डालने की अपील की थी। उन्होंने दोहराया कि यह जघन्य कांड तत्कालीन बीडीआर के जवानों द्वारा ही अंजाम दिया गया था।हाल के महीनों में बर्खास्त जवानों और उनके परिवारों द्वारा फैसले को रद्द करने, जेल में बंद साथियों की रिहाई और न्याय की मांग को लेकर कई बार प्रदर्शन किया गया है। यह मुद्दा बांग्लादेश की राजनीति और सैन्य प्रशासन के बीच एक संवेदनशील विषय बना हुआ है।

श्रीलंका ने 11 मछुआरों को किया रिहा

भारत ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई है। पीएम मोदी के मछुआरों के मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से हल करने की वकालत करने के बाद श्रीलंका ने विवादित मसले का समाधान किया है। प्रधानमंत्री मोदी के भारत लौटने से पहले ही श्रीलंका ने जेल में बंद 11 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया। शनिवार को पीएम मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच बातचीत के दौरान मछुआरों का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। इस मामले को लेकर पीएम मोदी ने कहा था कि हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। हमने मछुआरों और उनकी नावों की तत्काल रिहाई पर भी जोर दिया।

ब्रुनेई के सुल्तान के शौक के आगे दुनिया के अमीर पड जाते हैं फींके

ब्रुनेई,07 अप्रैल (एजेंसियां)।

लग्ज़री कारों के शौक और संग्रह के मामले में ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोल्कियाह के सामने दुनिया भर के अमीरों के नाम फीके पड़ जाते हैं। सुल्तान के पास करीब 7,000 कारों का संग्रह है, जो दुनिया में किसी एक व्यक्ति के पास मौजूद सबसे बड़ा कलेक्शन माना जाता है।

इस विशाल कार बेड़े की कुल कीमत 5 अरब डॉलर से अधिक है। इनमें से अकेले 600 कारें रोल्स रायस ब्रांड की हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। सुल्तान की कुल नेटवर्थ फिलहाल करीब 30 अरब डॉलर बताई जाती है। हसनल बोल्कियाह का कारों के प्रति प्रेम कोई आम शौक नहीं बल्कि जुनून है। 1990 के दशक में रोल्स रायस और बेंटले जैसी कंपनियाँ जब वित्तीय संकट से गुजर रही थीं, तब सुल्तान और उनके परिवार द्वारा खरीदी गई कारों ने इन ब्रांड्स को बड़ा सहारा दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार उस दौर में जितनी रोल्स रायस और बेंटले कारें बनीं, उनमें से लगभग आधी सुल्तान और उनके परिवार के पास चली गईं।

इन कारों में कई तो ऐसे मॉडल हैं जिन्हें खास ऑर्डर पर तैयार किया गया था और आम बाजार में कभी नहीं बेचा गया। उनकी खास कार रोल्स रायस सिल्वर स्पूर-2 है, जिसका इस्तेमाल उन्होंने अपनी शादी के दिन किया था। यह कार 24 कैरेट सोने की परत से ढकी हुई है और आज भी उनके कलेक्शन की शोभा बढ़ाती है। उनके पास बेंटले के विशेष मॉडल जैसे बुकानीर, केमलॉट, पेगासस, फोनिक्स और रैपीयर भी हैं, जिन्हें कंपनी ने कभी आधिकारिक तौर पर लॉन्च नहीं किया। फेरारी की दुर्लभ 456 जीटी वेनिस जैसी कारें भी उनके कलेक्शन का हिस्सा हैं। लेकिन सुल्तान का शाही वैभव सिर्फ कारों तक सीमित नहीं है। उनका निवास इस्ताना नूरुल इमान दुनिया का सबसे बड़ा रिहायशी महल है, जो 2.1 मिलियन वर्ग फीट में फैला हुआ है। इस महल में 1,788 कमरे, 257 बाथरूम, 564 झूमर, 44 संगमरमर की सीढ़ियाँ और 5 स्विमिंग पूल हैं, जिन्हें 22 कैरेट सोने से सजाया गया है।

जो अमेरिका का नागरिक नहीं, वह देश छोड़ने के बारे में गंभीरता से सोचें

ग्रीन कार्ड और वीजाधारकों को आने वाले समय में हो सकती है मुश्किल

वॉशिंगटन,07 अप्रैल (एजेंसियां)।

डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद इमिग्रेशन नीति में कई बदलाव किए हैं जिससे प्रवासियों को अमेरिका से निकालना आसान हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने बड़े पैमाने पर प्रवासियों के निर्वासन के लिए कदम उठाए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भविष्य में निर्वासन में और तेजी आ सकती है। यहां तक कि अमेरिका में बिना दस्तावेजों के रहने वाले लोगों के साथ ग्रीन कार्ड और वीजा धारकों के लिए भी आने वाले समय में मुश्किल पैदा हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट से पता चला है कि अमेरिका के वकीलों ने कहा है कि जो लोग अमेरिकी नागरिक नहीं हैं, उनको देश से बाहर यात्रा करने से पहले सोचना चाहिए। ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ में प्रोफेसर ने कहा कि

जो अमेरिका के नागरिक नहीं हैं, उन्हें अमेरिका छोड़ने के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। खासतौर से जब उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रंप की आलोचना की हो। अमेरिकन इमिग्रेशन लॉयर्स एसोसिएशन की मीडिया कमेटी की हेड का कहना है कि गैर अमेरिकी नागरिक को देश छोड़ने के बाद वापस एंट्री दिए जाने की कोई गारंटी नहीं है। हालिया वक्त में ये देखा जा रहा है कि लोगों को वापस अमेरिका में एंट्री से वंचित किया जा रहा है। यहां तक कि लोगों को हिरासत में भी लिया जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक सही दस्तावेज होना सबसे अहम है। ग्रीन कार्ड धारकों के लिए एक वैध पासपोर्ट और ग्रीन कार्ड जरूरी है। अगर ग्रीन कार्ड नवीनीकरण के लिए गया है तो यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विस की रसीद होना जरूरी है। पूर्व में किसी मुकदमे का सामना करने की स्थिति में, यहां तक कि मामूली उल्लंघनों पर भी अब कार्रवाई हो सकती है।

हाई कोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

काठमांडू। सहकारी घोटाले में नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की निचली अदालत से मिली जमानत हाई कोर्ट ने रद्द कर दी है।इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भैरहवा जेल भेज दिया गया है। बुटवल हाई कोर्ट ने रवि लामिछाने को जिला अदालत से मिली जमानत को रद्द करते हुए तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजने का आदेश दिया था। अदालत के आदेश पर शुक्रवार की मध्य रात को रवि लामिछाने की गिरफ्तारी हुई थी। काठमांडू स्थित अपने निवास से आधी रात को गिरफ्तार किए गए पूर्व प्रधानमंत्री रवि लामिछाने को सोमवार को बुटवल हाई कोर्ट में पेश किया गया। शनिवार को सार्वजनिक अवकाश और रविवार को रामनवमी का राष्ट्रीय अवकाश होने के कारण रवि लामिछाने पिछले दो दिनों से पुलिस हिरासत में थे। भैरहवा के डीएसपी सूरज कार्की ने बताया कि मंगलवार को रवि लामिछाने को हाई कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायाधीश ने उन्हें तत्काल ही भैरहवा जेल में भेजने का आदेश दिया। अदालत के आदेश के बाद रवि लामिछाने को भैरहवा जेल के ब्लॉक 4 में रखा गया है। भैरहवा के जेलर सुरेश भंडारी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से रवि लामिछाने को फिलहाल अपने ब्लॉक में अकेले ही रखा गया है। भंडारी ने बताया कि वीवीआईपी कैदी की सुरक्षा कारणों से उन्हें अकेले रखे जाने का फैसला जेल प्रशासन का है।

खरसिया–परमालकसा प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ की रेल संपर्क को बदलने वाला: वैष्णव

बिलासपुर/नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय कैबिनेट की ओर से मंजूर खरसिया–नया रायपुर–परमालकसा रेल प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ की रेल कनेक्टिविटी को बदलने वाला है। इस प्रोजेक्ट पर 8741 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इससे पूरे छत्तीसगढ़ को एक छोर से दूसरे छोर तक कवरेज मिलेगा।

श्री वैष्णव ने आज नयी दिल्ली रेल भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस, जिसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से छत्तीसगढ़ की मीडिया भी जुड़ी हुई थी, में कहा कि खरसिया–परमालकसा 5वीं–6वीं रेल लाइन छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क की नई धमनी की तरह है । यह ओडिशा की सीमा से महाराष्ट्र की सीमा तक रेल नेटवर्क की सुविधा प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि यह भारत के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इससे छत्तीसगढ़ के रायगढ़, जांजगीर चाँपा, बिलासपुर, बलौदा

बाजार, दुर्ग और राजनांदगांव जैसे जिले जुड़ेंगे । इसके तहत 21 स्टेशन बनेंगे और 48 बड़े ब्रिज बनाए जाएंगे। साथ ही 349 माइनर ब्रिज बनेंगे। 14 फ्लाईओवर और 184 अंडर पास का निर्माण होगा। स्थानीय स्तर पर निवासियों को दिक्कत ना हो इसके लिए पांच रेल फ्लाईओवर भी निर्मित किए जाएंगे।

श्री वैष्णव ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में 615 किलोमीटर लंबी पटरियां बिछेंगी, जिसमें 278 किलोमीटर का रूट है। इस रूट के निर्माण के बाद 8 से ज्यादा मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जाएगा । इस रेल नेटवर्क के निर्माण से करीब 22 करोड़ लीटर डीजल बचेगा और रेलवे को लगभग 2500 करोड़ रुपये के डीजल की बचत होगी । रेल मंत्री ने कहा कि भगवान राम के वनवास के दौरान माता शबरी के प्रसंग से जुड़े लक्ष्मी नारायण मंदिर का भी इस रेल नेटवर्क से संपर्क स्थापित होगा । बलौदा बाजार और खरसिया जैसे सीमेंट उत्पादन के बड़े इंडस्ट्रियल हब भी इस नेटवर्क से जुड़ेंगे।

श्री वैष्णव ने कहा कि स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए रेलवे अब बायपास पद्धति को अपना रही है। इसके तहत मालगाड़ी को शहर के बाहर से निकालने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं यात्री गाड़ियों को शहर के अंदर एंट्री दी जाएगी। इस रेल लाइन के निर्माण के दौरान भी इस पर फोकस रहेगा। साथ ही छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत डोकरा और कोसा सिल्क के उत्पादन वाले इलाके भी रेल लाइन के जरिए जुड़ेंगे। इसके चलते दो करोड़ मैन डे जॉब क्रिएट होगा।

रेल मंत्री ने कहा कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ को लगभग तीन सौ करोड़ का रेलवे फंड मिलता था। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का रेलवे बजट अब 22 गुना बढ़कर लगभग 6900 करोड़ से ज्यादा हो गया है। साथ ही 2014 के बाद छत्तीसगढ़ में रेलवे के काम में अभूतपूर्व तेजी आई है। इसके तहत 1,125 किमी नए ट्रैक बने हैं, जोकि दुबई के पूरे रेलवे नेटवर्क से ज्यादा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में रेलवे का कुल निवेश 47 हजार करोड़ से अधिक है। इसके तहत 32 स्टेशनों का पुनर्निर्माण हो रहा है, और इन्हें पूरी तरह नया बनाया जा रहा है। इनमें से कई स्टेशनों के विकास का कार्य इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।

राज्य के महत्वपूर्ण रेल प्रोजेक्ट्स की जानकारी देते हुए रेल मंत्री ने कहा कि दल्लीराझरा से रावघाट नई लाइन पूरी होने वाली है। अब इसके आगे रावघाट से जगदलपुर रेल लाइन के डीपीआर बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है। वैसे ही गेवरा–पेन्ड्रा रोड नई लाइन पर भी तेजी से काम चल रहा है। साथ ही राजनांदगांव से नागपुर तीसरी लाइन, झारसुगुड़ा से बिलासपुर चौथी लाइन, रायपुर–केन्द्री–धमतरी से अभनपुर–राजिम लाइन का गेज कन्वर्जन करके ब्रॉड गेज बनाया जा रहा है। राजनांदगांव से डोंगरगढ़ चौथी लाइन, जगदलपुर से कोरापुट की डबलिंग, धरमजयगढ़ से कोरबा नई लाइन, अनूपपुर से अंबिकापुर के दो–हरीकरण के लिए पर्याप्त फंड दिए गए हैं।

संघ स्वयंसेवक श्रीनिवासन का हत्यारा पीएफआई के गढ़ से गिरफ्तार

एरनाकुलम, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2022 में केरल के पलक्कड़ में हुए आरएसएस स्वयंसेवक श्रीनिवासन की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी शमनाद उर्फ शमनाद इल्लीकल को गिरफ्तार कर लिया है। मलाप्पुरम के मंजेरी का रहने वाला शमनाद पिछले तीन साल से फरार था और प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के नेताओं के संरक्षण में छिपा हुआ था। उस पर एनआईए ने सात लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

एनआईए ने बताया कि शमनाद को एरनाकुलम से गिरफ्तार किया गया। वह कई अन्य आपराधिक मामलों में भी वांछित था। जांच एजेंसी की फरार ट्रैकिंग टीम ने लंबे समय तक उसकी तलाश की और खुफिया जानकारी के आधार पर जाल बिछाकर उसे धर दबोचा। शमनाद फर्जी पहचान के साथ रह रहा था और पीएफआई के सहयोग से देश में सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की साजिश रच रहा था। एनआईए ने बताया कि सितंबर 2022 में दर्ज इस मामले की जांच में पता चला कि संघ स्वयंसेवक श्रीनिवासन की हत्या पीएफआई नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी।

एनआईए ने कई बार एरनाकुलम में शमनाद को पकड़ने के लिए छापेमारी की, लेकिन वह हर बार बच निकलता था। लेकिन इस बार एनआईए ने खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर अचानक कार्रवाई की और उसे गिरफ्तार कर लिया। एनआईए अब शमनाद से पूछताछ कर इस मामले से जुड़े अन्य संदिग्धों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

न्यायिक क्षेत्र में सहयोग : भारत, नेपाल के सुप्रीम कोर्टों के बीच समझौता

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत और नेपाल के न्यायपालिकाओं के बीच आपसी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर सोमवार को हस्ताक्षर किए गए।

शीर्ष अदालत की ओर से एक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया है,भारत के उच्चतम न्यायालय ने आज दोनों देशों के बीच न्यायिक सहयोग को विकसित करने, बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

बयान के मुताबिक, नेपाल के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश मान सिंह राउत और भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यह भी कहा गया है कि समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों देशों तथा उनके लोगों के बीच मौजूद सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंधों से प्रेरित होकर उन देशों की न्यायपालिकाओं के बीच सहयोग को विकसित करना, बढ़ावा देना और मजबूत करना है।

बयान के मुताबिक, यह समझौता ज्ञापन न केवल कानून और न्याय के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर सूचनाओं के आपसी आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि यात्राओं के आदान–प्रदान। अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक कार्यक्रमों जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर न्यायाधीशों और अधिकारियों के बीच बातचीत को भी बढ़ावा देगा।

यह पहल लंबित मामलों को निपटाने, अदालती प्रक्रियाओं में तेजी लाने और हितधारकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में प्रौद्योगिकी के उपयोग के महत्व को पहचानते हुए, समझौता ज्ञापन में संबंधित न्यायालयों और अन्य संस्थानों में उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी से संबंधित जानकारी साझा करने का प्रावधान है।

समझौता ज्ञापन के अनुसार, न्यायिक सहयोग को बढ़ावा देने और उसे और मजबूत बनाने के लिए योजनाओं और तौर–तरीकों पर काम करने के लिए दोनों न्यायपालिकाओं के अधिकारियों से मिलकर एक संयुक्त कार्य समूह बनाया जाएगा।

इससे पहले, भारत सरकार और भारत के उच्चतम न्यायालय ने इजरायल के सर्वोच्च न्यायालय, सिंगापुर गणराज्य के सर्वोच्च न्यायालय, बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय, भूटान के सर्वोच्च न्यायालय, ट्यूनीशिया सरकार, जाम्बिया सरकार, मोरक्को सरकार, मालदीव सरकार सहित अन्य देशों/संगठनों के साथ न्यायिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

11 दिनों में आग लगने की 94 घटनाओं से दहका जम्मू कश्मीर

जम्मू, 07 अप्रैल (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में पिछले 11 दिनों में जंगल में आग लगने की 94 से ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई हैं। नतीजतन कश्मीरियों की परेशान बढ़ती जा रही है। प्राप्त जानकारी में बताया गया है कि 24 मार्च से 3 अप्रैल, 2025 के बीच जंगल में आग लगने की 94 से ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई हैं।

अधिकारियों का कहना है कि आग ने कश्मीर और जम्मू दोनों संभागों में कम से कम 15 जिलों को प्रभावित किया है, जिससे चिंता बढ़ गई है।

एक दिन में सबसे ज्यादा आग लगने की घटनाएं 2 अप्रैल को हुईं, जब वन क्षेत्रों में आग लगने की 35 घटनाएं दर्ज की गईं, इसके बाद 3 अप्रैल को 18 आग लगने की घटनाएं दर्ज की गईं। अनंतनाग सबसे ज्यादा प्रभावित जिला रहा है, जहां लगभग हर दिन आग लगने की घटना दर्ज की गई।

पुलवामा, बडगाम, गंदेरबल और बांदीपोरा में भी लगातार घटनाएं देखी गई हैं। इसी प्रकार जम्मू संभाग में राजौरी, रामबन, रियासी, डोडा और पुंछ में कई बार आग लगने की घटनाएं हुई हैं, खास तौर पर 1 अप्रैल के बाद से। जबकि जम्मू और कश्मीर

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, वर्तमान में जम्मू और कश्मीर में दो सक्रिय वन अग्नि अलर्ट हैं, जिनमें से एक अत्यधिक प्रकृति का है और 10 अप्रैल 2025 तक वैध है। इस अलर्ट में कहा गया कि अगले 7 दिनों में पुरमंडल और कठुआ के पास के वन क्षेत्र में अत्यधिक वन अग्नि जोखिम होने की संभावना है।

अधिकारियों के अनुसार, एक अन्य अलर्ट में कहा गया है कि अगले 7 दिनों में राजवाल्टा, कालाकोट, सांबा, कठुआ, लखनपुर के पास के वन क्षेत्र में बहुत अधिक वन अग्नि जोखिम होने की संभावना है। आपातकालीन सहायता के लिए 112 डायल करें। आग के बढ़ते जोखिम को देखते हुए, अधिकारियों ने वन की आग को रोकने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई क्या करें और क्या न करें की रूपरेखा भी बनाई है।

एक और हुर्रियत नेता ने अलगाववाद से किनारा किया

जम्मू, 07 अप्रैल (ब्यूरो)।

एक और प्रमुख अलगाववादी आवाज ने औपचारिक रूप से हुर्रियत से नाता तोड़ लिया और भारत के संविधान के प्रति बिना शर्त निष्ठा की शपथ ली है। अल–गाववादी विचारधारा से खुद को अलग करने वाले नवीनतम व्यक्ति बशीर अहमद अंद्राबी हैं, जो कश्मीर फ्रीडम फ्रंट (केएफएफ) के अध्यक्ष मोहम्मद अमीन अंद्राबी के बेटे हैं, जो कभी अलगाववादी खेमे में एक प्रमुख नाम थे।

एक हस्ताक्षरित सार्वजनिक घोषणा में, अंद्राबी ने स्पष्ट रूप से कहा कि न तो उनका और न ही उनके संगठन कश्मीर फ्रीडम फ्रंट' का ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस चाहे वह गिलानी (जी) या मीरवाइज (एम) गुट हो या किसी अन्य अलगाववादी समूह के साथ किसी भी तरह का संबंध है। अंद्राबी ने घोषणापत्र में कहा कि हम ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस की विचारधारा का कड़ा विरोध करते हैं, क्योंकि यह जम्मू कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं और शिकायतों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में विफल रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि हुर्रियत या

संबंधित गुटों के साथ उनके या उनके संगठन के नाम का कोई भी अनधिकृत उपयोग सख्त कानूनी कार्रवाई को आमंत्रित करेगा।

उन्होंने पुष्टि की कि उनका संगठन और मैं भारत के संविधान को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। हम ऐसे किसी भी समूह से संबद्ध नहीं हैं जो भारत के हितों के खिलाफ काम करता है। त्याग की लहर जारी है यह घटनाक्रम अलगाववादी पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य प्रमुख व्यक्तियों द्वारा पिछले सप्ताह की गई इसी तरह की घोषणाओं के बाद हुआ है। उनमें से, जम्मू और कश्मीर तहरीक–ए–इस्तिकामत के अध्यक्ष गुलाम नबी वार ने सार्वजनिक रूप से एपीएचसी गुटों के साथ सभी संबंधों को तोड़ दिया, यह कहते हुए कि हुर्रियत ने जमीन खो दी है और लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने में हर कदम पर विफल रही है। मीडिया से बात करते हुए वार ने कहा कि मैंने बहुत पहले ही अलगाववादी विचारधारा से अपने संबंध तोड़ लिए हैं और आज मैं आधिकारिक तौर पर और स्पष्ट रूप से दोनों गुटों से अपने संबंध तोड़ता हूं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि न तो उनका नाम और न ही उनके संगठन का नाम भारत के विचार के विपरीत किसी भी विचारधारा के संबंध में इस्तेमाल किया जाएगा, उन्होंने इस तरह के किसी भी दुरुपयोग के लिए कानूनी परिणामों की चेतावनी दी। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी भी दुस्साहस को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा और देश के कानून का खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

71 करोड़ की वक्फ सम्पत्ति पर अतीक परिवार का कब्जा

यूपी सरकार ले सकती है बड़ा एक्शन

लखनऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

माफिया अतीक अहमद के परिवार और करीबियों ने वक्फ बोर्ड की करोड़ों की सम्पत्ति पर कब्जा कर रखा है। जानकारी के मुताबिक करीब 71 करोड़ की सम्पत्तियों पर अतीक अहमद के परिवार और करीबियों कब्जा है। इन सम्पत्तियों में कई दुकानें, मकान और बहुमंजिला इमारतें शामिल हैं।

इन सभी सम्पत्तियों की जांच उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और मंडलायुक्त प्रयागराज ने की थी। जांच में पाया गया कि प्रयागराज वक्फ बोर्ड के तत्कालीन मुतवल्ली सैयद मोहम्मद अशीयम ने अतीक के परिवार को वक्फ की जमीनों पर कब्जा कराया और पैसे वसूले थे। इसके बाद मुतवल्ली को हटा दिया गया

था और वक्फ का नया मुतवल्ली नियुक्त कर दिया गया था। इस मामले में प्रयागराज पुलिस ने 18 नवंबर 2023 को अतीक के परिवार के 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इनमें से कुछ सम्पत्तियों पर बुलडोजर चला दिया गया है जबकि बाकी सम्पत्तियों को लेकर कार्रवाई जारी है।

सुप्रीम कोर्ट वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर समय रहते विचार करने को सहमत

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह 'वक्फ (संशोधन) अधिनियम–2025' की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर समय रहते विचार करेगा।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना तथा न्यायाधीश संजय कुमार और के वी विश्वनाथन की पीठ ने कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और ए एम सिंघवी के शीघ्र सुनवाई के लिए 'तत्काल उल्लेख' किए जाने के बाद समय रहते याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। संसद के दोनों सदनों में संबंधित विधेयक पास होने के बाद पांच अप्रैल को नये

कानून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी मिल गई।

वक्फ (संशोधन) विधेयक (संसद के दोनों सदनों में पारित हो गयी था, लेकिन तब राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली थी) की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं पहले ही दायर की जा चुकी हैं। याचिकाएं दायर करने वालों में कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी और दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान शामिल हैं।

एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, जमीयत उलमा–ए–हिंद, समस्त केरल जमीयतुल उलमा जैसे संगठनों ने भी शीर्ष अदालत में रिट याचिकाएं दायर की हैं।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यह अधिनियम मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता को छीनने की एक खतरनाक साजिश है। उन्होंने तर्क दिया कि यह संशोधन वक्फ के धार्मिक स्वरूप को भी विकृत करेगा और वक्फ तथा वक्फ बोर्डों के प्रशासन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को भी अपरिवर्तनीय रूप से नुकसान पहुंचाएगा।

उनकी याचिकाओं में शीर्ष अदालत से अधिनियम को असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26 और 300–ए का उल्लंघन करने वाला घोषित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई। याचिकाओं में प्रतिवादी केंद्र सरकार और कानून एवं न्याय मंत्रालय को इसके प्रावधानों को लागू करने या लागू करने से रोकने का आदेश देने की गुहार लगाई गई है।

नये वक्फ कानून 'एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995' ने 'वक्फ अधिनियम, 1995' की जगह ली है।

मुर्मू दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर लिस्बन पहुंची

लिस्बन, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर रविवार रात पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचीं, जहां वह पुर्तगाली नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगी।

किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की पुर्तगाल यात्रा 27 वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है, तथा ऐसे समय हो रही है जब भारत और पुर्तगाल अपने राजनयिक संबंधों की पुनः स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

भारत की ओर से पुर्तगाल की अंतिम राजकीय यात्रा 1998 में राष्ट्रपति के.आर. नारायणन ने की थी। श्रीमती मुर्मु की पुर्तगाल यात्रा राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर हो रही है। श्रीमती मुर्मु अपने समकक्ष राष्ट्रपति डी सूसा से मुलाकात करेंगी और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वह प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर–ब्रैंको से भी मुलाकात करेंगी।

भारत और पुर्तगाल के बीच ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं, जो वर्षों से विकसित होकर एक आधुनिक, बहुआयामी और गतिशील साझेदारी में बदल चुके हैं, जिसकी विशेषता सहयोग के कई क्षेत्रों में मजबूत विकास एवं विस्तार है। एक बयान में कहा गया कि यह यात्रा पुर्तगाल के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को और ज्याद प्रोत्साहन तथा नई गति प्रदान करेगी।

श्रीमती मुर्मु इसके बाद नौ से 20 अप्रैल तक स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी।

ममूटी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म बाज़ूका का ट्रेलर रिलीज़

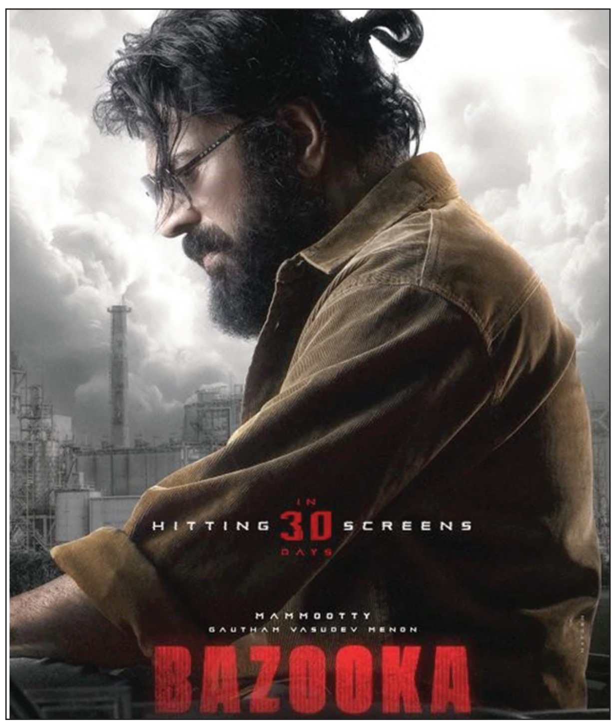

ममूटी की आने वाली फिल्म बाज़ूका का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है, और यह अच्छाई बनाम बुराई का रोमांचक खेल पेश करता है। दीनो डेनिस द्वारा निर्देशित यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। ट्रेलर में हमें एक्शन से भरपूर थ्रिलर की झलक मिलती है, जिसमें ममूटी विनोद मेनन की भूमिका निभा रहे हैं। गौतम वासुदेव ... आईपीएस अधिकारी बेंजामिन जोशुआ... भूमिका निभा रहे हैं, ममूटी के किरदार ... मिस्टर नोबडी लेकिन निश्चित रूप से को... व्यक्ति के रूप में पेश करते हैं। ट्रेलर में ... सौम्य और स्टाइलिश ममूटी को दिखाया... गया है, जो अपनी मांसपेशियों को... मज़बूत करते हुए दिखाई देते हैं, साथ ... गौतम वासुदेव मेनन का किरदार भी ... जो बुरे लोगों को खत्म करने के लिए... संकल्पित है। एक्शन से भरपूर ट्रेलर में ... लोग निशाना साधते हुए नजर आते हैं, और ममूटी का किरदार इन सबके बीच में नजर आता है। अपनी रोमांचक कहानी और स्टाइलिश एक्शन सीक्वेंस के साथ, बाज़ूका एक रोमांचक फिल्म होने का वादा करती है।बाज़ूका के ट्रेलर ने प्रशंसकों के बीच काफ़ी दिलचस्पी पैदा की है, जो फ़िल्म की रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। अपनी अनूठी कथा और स्टाइलिश एक्शन दृश्यों के साथ, बाज़ूका मलयालम सिनेमा की दुनिया में एक गेम-चेंजर प्रतीत होती है।

ममूटी का किरदार, विनोद मेनन, एक ...दार लगता है, गौतम ...व मेनन के किरदार ने ... क्लासी और स्लीक ...या है। ट्रेलर कई ...वाल उठाता है, और ...शंसक बेसब्री से इंतज़ार ...र रहे हैं कि कहानी ... आगे बढ़ती है।बाज़ूका ...साथ, ममूटी अपने तत्व ...स आ गए हैं, एक ऐसा ... रहे हैं जो स्टाइलिश और एक्शन से भरपूर है। 10 अप्रैल, 2025 को फ़िल्म की रिलीज़ का काफ़ी बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है, और प्रशंसक बड़े पर्दे पर ममूटी के अभिनय को देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अजय देवगन की रेड 2 का टीजर जारी

आयकर विभाग की छापेमारी पर आधारित है फिल्म

काफी समय से दर्शक अजय देवगन की फिल्म रेड 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। उनकी यह फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।इस फिल्म में अजय की जोड़ी पहली बार वाणी कपूर के साथ बनी है, वहीं रितेश देशमुख भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं।अब निर्माताओं ने रेड 2 का टीजर जारी कर दिया है, जिसकी कहानी आयकर विभाग की छापेमारी पर आधारित है।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसमें पहली बार वाणी, रितेश और अजय की तिकड़ी नजर आएगी। फिल्म के निर्देशक राज कुमार गुप्ता हैं।अजय ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 74वीं छापेमारी, 4200 करोड़। इस बार बाजी होगी सबसे बड़ी।रेड 2 2018 में आई फिल्म रेड का सीक्वल है। इसमें 1980 के दशक में सरदार इंदर सिंह के घर पर पड़े आईटी विभाग की छापेमारी की सच्ची कहानी दिखाई गई थी।पहली किस्त की तरह ही, यह सीक्वल बड़े पैमाने पर आयकर संचालन से जुड़ी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है, जहाँ अधिकारी हाई-प्रोफाइल वित्तीय धोखाधड़ी पर नकेल कसने के लिए खुफिया इकाइयों के साथ मिलकर काम करते हैं। सीक्वल का खुलासा अप्रैल 2020 में हुआ था, और अजय देवगन ने अपने किरदार की कहानी को जारी रखते हुए अमय पटनायक के रूप में अपनी भूमिका को फिर से निभाया। वाणी कपूर ने पहली फिल्म से इलियाना डिक्रूज की जगह मुख्य भूमिका निभाई।रेड 2 का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने किया है। फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज ने प्रस्तुत किया है और यह पैनोरमा स्टूडियोज का प्रोडक्शन है। नवीनतम अपडेट के अनुसार, रेड 2 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। अपनी मनोरंजक कहानी, जबरदस्त एक्शन दृश्यों और प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ, रेड 2 के ब्लॉकबस्टर हिट होने की उम्मीद है।

श्रीकांत ओडेला ने फिल्म निर्माण में रखा कदम

नई फिल्म गुलाबी का ऐलान

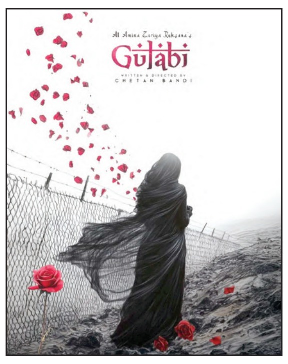

लॉकबस्टर फिल्म दशहरा के पीछे प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला, अपना खुद का बैनर, सम्मक्का सरक्का क्रिएशंस लॉन्च करके फिल्म निर्माण में अपने क्षितिज का विस्तार कर रहे हैं। चाई बिस्केट फिल्म्स के अनुराग रेड्डी और शरत चंद्र इस उद्यम पर ओडेला के साथ साझेदारी कर रहे हैं। प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म, अल अमीना ज़रिया रुक्साना की गुलाबी, 2009 में कोयला शहर गोदा-वरीखानी में हुई सच्ची घटनाओं पर आधारित एक कठोर प्रेम कहानी है। ओडेला न केवल फिल्म का निर्माण करते हैं, बल्कि कहानी भी प्रदान करते हैं, जिसे नवोदित चेतन बंदी द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है।फिल्म के शीर्षक और पोस्टर ने काफी रुचि पैदा की है, पोस्टर में एक लड़की को काले रंग की साड़ी में किनारे पर चलते हुए दिखाया गया है, जिसके चारों ओर लाल गुलाब बिखरे हुए हैं। शीर्षक और आकर्षक पोस्टर के संयोजन ने दर्शकों को फिल्म के बारे में और अधिक जानने के लिए उत्सुक कर दिया है। अल अमीना ज़रिया रुक्साना की गुलाबी एक प्रेम गाथा है जो एक लड़की की गहरी भावनाओं को दर्शाती है जो एक लड़के से बहुत प्यार करती है। प्री-प्रोडक्शन का काम पहले ही शुरू हो चुका है और टीम जल्द ही नियमित शूटिंग शुरू करने की तैयारी कर रही है।श्रीकांत ओडेला का फिल्म निर्माण में प्रवेश तेलुगु फिल्म उद्योग में एक महत्वपूर्ण विकास है। एक फिल्म निर्माता के रूप में अपने अनुभव और कहानी कहने के अपने जुनून के साथ, ओडेला ऐसी फिल्में बनाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं जो दर्शकों को पसंद आएंगी। सिनेमा में अपने बेजोड़ स्वाद के लिए जानी जाने वाली चाई बिस्केट फिल्म्स के साथ साझेदारी इस नए प्रोडक्शन वेंचर के प्रति उत्साह को बढ़ाती है।जैसे-जैसे टीम शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हो रही है, प्रशंसक फिल्म के बारे में और अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

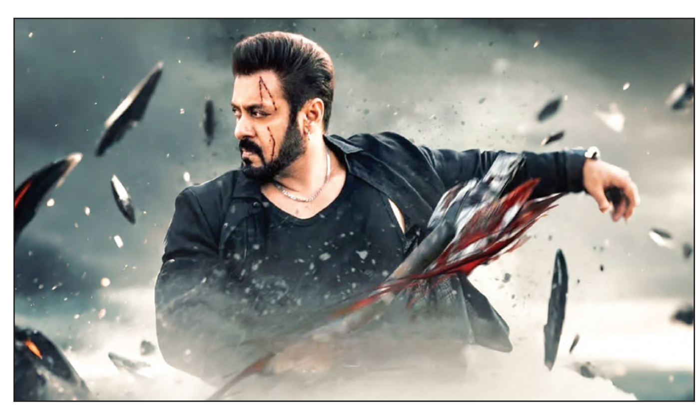

बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम सिकंदर सिंगल डिजिट में हुई कमाई

सलमान खान की फिल्म सिकंदर ईद के मौके पर 30 मार्च को रिलीज हुई चार दिनों में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर मास एक्शन फिल्म सिकंदर कुछ दर्शकों को पसंद आ रही है, कुछेक को यह सलमान खान के स्टाडम के आगे फीकी लगी है। फिल्म सिकंदर ने 5 दिनों में कितना कलेक्शन कर लिया और 5वें दिन कितनी कमाई हुई है। आइए जानते हैं। सिकंदर ने पहले दिन 35।47 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी। दूसरे दिन 39।37 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 27।16 करोड़ रुपये और चौथे दिन 13।85 करोड़ रुपये कमाए हैं। सैकनिल्क की मानें तो फिल्म की कमाई में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। सिकंदर ने पांचवें दिन 5।75 करोड़ रुपये कमाए हैं। फिल्म सिकंदर की कमाई में 41।03 फीसदी की गिरावट आई है। इसस पहले चौथे दिन फिल्म की कमाई में 50 फीसदी की गिरावट महसूस हुई थी। सिकंदर का भारत में चार दिनों का कुल कलेक्शन 115।85 करोड़ रुपये का हो गया है। सिकंदर ओ-वरसीज में अबतक इन चार दिनों में 42।65 करोड़ रुपये कमा चुकी है।वहीं, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 158।5 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। पांचवें दिन फिल्म की कमाई सिंगल डिजिट में आ चुकी है और इससे साबित होता है सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर जल्द ही दम तोड़ देगी। सिकंदर को एआर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है। साजिद नाडियाडवाला फिल्म सिकंदर के निर्माता हैं।

अंजलि आनंद ने रणवीर सिंह के साथ अपने अनोखे संबंध के बारे में बात की

अभिनेत्री अंजलि आनंद ने रणवीर सिंह के साथ अपने गहरे संबंध के बारे में बात की है और बताया है कि कैसे वे व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों स्तरों पर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।वह उनकी समानताओं पर चर्चा करती हैं, उनके ऊर्जावान व्यक्तित्व से लेकर उनके काम के प्रति उनके साझा जुनून तक, और कैसे उनकी बातचीत ने एक सार्थक संबंध बनाया है। ... कार्टेल की अभिनेत्री ने ... केवल एक अभिनेता के ... रूप में उनके शानदार ... काम के लिए बल्कि ... उनके उदार स्वभाव ... के लिए भी सिंह की ... प्रशंसा की।अंजलि ... ने बताया, रणवीर ... के साथ काम ... करना बेहद ... मजेदार है। ... वह ऊर्जा से ... भरपूर है ... और हम ... कई स्तरों ... पर एक-... दूसरे ... जुड़ते ... हम द... फिल्मों के बहुत बड़... प्रशंसक हैं, इसलिए हमारा साझा जुनून साथ काम करने को बहुत मजेदार बनाता है। वह न केवल एक अभिनेता के रूप में बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी अविश्वसनीय रूप से उदार है। चाहे हम काम कर रहे हों, पार्टी कर रहे हों या बस साथ में मौज-मस्ती कर रहे हों, यह हमेशा खुशी की बात होती है।आनंद को करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर सिंह की बहन गायत्री रंधावा के किरदार में देखा गया था। 2023 की रोमांटिक कॉमेडी में आलिया भट्ट, धर्मेंद्र, जया बच्चन, शबाना आज़मी, तोता रॉय चौधरी, चूर्णी गांगुली, आमिर बशीर और क्षिती जोग ने भी अभिनय किया।अंजलि आनंद ने डब्बा कार्टेल के सेट पर एक अविस्मरणीय क्षण को भी याद किया, जहां वह अनुभवी अभिनेत्री शबाना आज़मी के साथ एक दृश्य को फिल्माते समय पूरी तरह से आश्चर्यचकित रह गई थीं।अंजलि ने ... एक खास पल था जब मैं ...ा जी के साथ डब्बा ...ताल में एक सीन फिल्मा ...ी थी। उन्होंने यूं ही एक नाम ...लया- कोई ऐसा व्यक्ति जो ...कभी उनका बॉस था, कोई ...हत्वपूर्ण व्यक्ति- और मैं पूरी ...रह से चौंक गई। उस पल में मेरे ...विचार बिखर गए। मैं सोच रही ...ी, मैं यहां हूं, शबाना आज़मी के ...सामने खड़ी हूं! यह निश्चित रूप से ...मुझे थोड़ा परेशान कर रहा था। ...लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि ...मुझे अपना संयम बनाए रखना है और ...रे सामने मौजूद व्यक्ति की परवाह किए ...बिना प्रदर्शन देने पर ध्यान केंद्रित करना ...। उस पल ने निश्चित रूप से मुझे कुछ ...कंड के लिए अपना ध्यान खो दिया, जो ...लिए असामान्य था। ऐसा पहले कभी नहीं ...लेकिन यह एक शक्तिशाली क्षण था।अंजलि हाल ही में नेटफ्लिक्स के शो डब्बा कार्टेल में नजर आईं, जहाँ उन्होंने बिंदास लेकिन भोली-भाली शाहिदा का किरदार निभाया। हितेश भाटिया द्वारा निर्देशित इस सीरीज़ में शबाना आज़मी, गजराज राव, ज्योतिका, निमिषा सजयन और शालिनी पांडे भी थे।

रामचरण के प्रशंसकों को मिला तोहफा

फिल्म पेड्डी 27 मार्च, 2026 को होगी रिलीज!

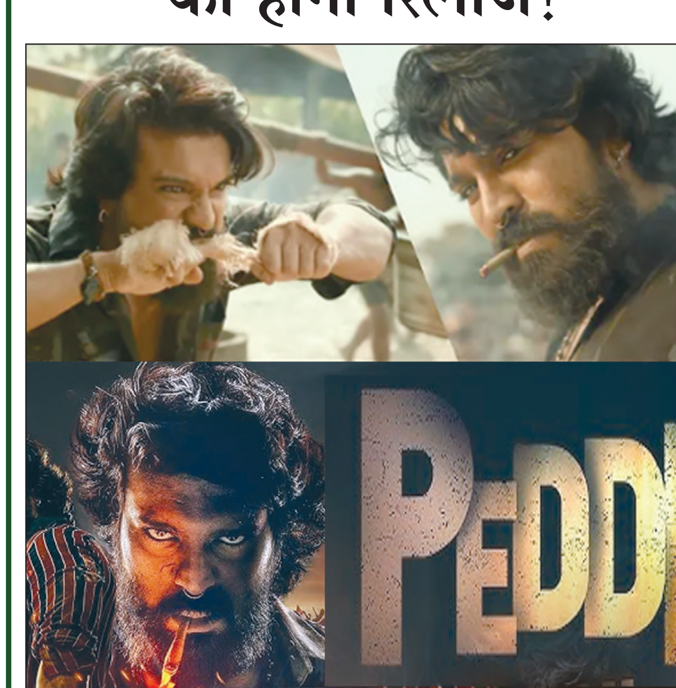

आरआरआर की जबरदस्त सफलता के बाद पैन इंडिया स्टार रामचरण निर्देशक शंकर की गेमचेंजर में नजर आए थे। गेमचेंजर बॉक्स ऑफिस पर बड़ी असफलता थी। असफलता के बावजूद रामचरण की स्टार वैल्यू में कोई कमी नहीं आई है। उनके पास कई फिल्में पाइपलाइन में हैं, जिनमें से एक पेड्डी है। इस फिल्म का निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। रामनवमी के अवसर पर मेकर्स ने इसकी झलक शेयर की है जो बेहतरीन लग रही है। राम चरण एक अलग और खूंखार अवतार में वापस आ गए हैं और एक ग्रामीण लड़के की भूमिका निभा रहे हैं जो हर एक मौके का अच्छे से फायदा उठाना जानता है।

जिस तरह से निर्देशक बुची बाबू सना ने राम चरण को दिखाया है वह वाकई सरप्राइजिंग है क्योंकि इस फिल्म में आरआरआर स्टार का मेकओवर एकदम अलग लग रहा है। लंबे बाल और नाक में अंगूठी पहने हुए, राम चरण का किरदार थोड़ा इंटेंस और खतरनाक लग रहा है। इस टीजर का खास पहलू एआर रहमान का शानदार बैकग्राउंड स्कोर है। जिस तरह से उन्होंने एक दमदार कोरस और धमाकेदार BGM के साथ राम चरण के स्क्रीन प्रेजेंस को बढ़ाया है, वह फिल्म का सबसे अच्छा हिस्सा है।

फर्स्ट शॉट झलक के साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट की घोषणा भी कर दी है। पेड्डी 27 मार्च, 2026 को पूरे भारत में स्क्रीन पर आएगी। यह पहली बार है जब राम चरण ने इतनी बड़ी भूमिका निभाई है और उन्होंने इसे दर्शकों के सामने शानदार तरीके से निभाया है। आखिरी शॉट जिसमें वह क्रिकेट स्ट्रोक खेलते हैं, वह बेहद स्टाइलिश लग रहा है और सिनेमाघरों में सीटी बजाने लायक सीन होगा।इस टीजर में अन्य कलाकारों को नहीं दिखाया गया है और इसमें स्पेशली राम चरण के किरदार को ही हाइलाइट किया गया है। राम चरण एक खास विजाग स्लैंग बोलते हैं और क्रिकेट खेलते हुए उनका स्टाइल वाकई कमाल का है। सुकुमार इस फिल्म को माइथ्री मूवी मेकर्स के साथ मिलकर को-प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। जान्हवी कपूर इस फिल्म में फीमेल लीड रोल में हैं और जूनियर एनटीआर की देवरा के बाद वह एक बार फिर साउथ फिल्म में नजर आएंगी।

मंगल ग्रह को करना है मजबूत तो मंगलवार को जरूर करें उपाय

मंगल को साहस पराक्रम का ग्रह माना गया है। मंगल व्यक्ति को साहस, आत्मविश्वास, और ऊर्जा देता है। मंगल इस समय अपनी नीच राशि कर्क में गोचर कर रहे हैं। ऐसे में मंग का गोचर कई राशियों के लिए अशुभ फल देने वाला है। इस समय मंगल के नीच अवस्था में होने से मेष, मिथुन, धनु और मकर सहित इन राशियों के लिए समय कुछ खास नहीं है। अनुकूल नहीं है। ऐसे में यदि मंगल आपको अशुभ परिणाम दे रहे हैं तो आपको मंगलवार के दिन कुछ उपाय जरुर करने चाहिए। इन उपायों को करने से आपको मंगल दोष से राहत मिल सकती है।

हनुमान जी की पूजा करें

मंगलवार को प्रातः स्नान करके लाल वस्त्र पहनें और हनुमान जी के मंदिर जाएं। वहां सिंदूर, चमेली का तेल, और गुड़-चना अर्पित करें। इसके बाद ॐ हं हनुमते नमः मंत्र का 108 बार जाप करें। इससे भय, बाधाएं और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

मंगलवार को करें इन चीजों का दान

मंगल ग्रह को मजबूत करने के लिए मंगलवार को विशेष रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करें और लाल मसूर की दाल का दान करें। इससे मंगल ग्रह मजबूत होगा। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में विवाह में बाधा आ रही है या वैवाहिक जीवन की समस्याएं दूर होती हैं।

गरीबों को भोजन कराएं

मंगलवार के दिन लाल रंग के खाद्य पदार्थ जैसे मसूर की दाल, गुड़, या लाल चावल गरीबों को दान करें या उन्हें भोजन कराएं। यह उपाय आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करता है और मंगल पुण्य फल भी प्रदान करता है।

बड़ के पेड़ पर दीपक जलाएं

शाम के समय बड़ के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जलाएं और हनुमान जी का ध्यान करें। इस उपाय को करने से मंगल ग्रह का शुभ फल आपको मिलेगा। साथ ही जिन लोगों पर शनि की दशा चल रही है उनकी बाधाएं भी शांत होती हैं।

मंगलवार का दिन इन कामों को करने से बचें

* मंगलवार के दिन बाल कटवाना या दाढ़ी न बनवाएं ऐसा करने से मंगल शुभ फल प्रदान नहीं करेंगे।

* मंगलवार के दिन दूध या सफेद वस्तुओं का दान न करें। हो सके को मसूर की दाल का दान करें।

* झूठ बोलने और क्रोध करने से बचें। यदि आप किसी से झूठ बोलते हैं तो मंगल का अशुभ परिणाम आपको मिलेगा।

तीन राशियों पर पूरे साल रहेगी साढ़ेसाती !

ऐसे करें शनिदेव को प्रसन्न

शनि देव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में 29 मार्च 2025 को गोचर कर चुके हैं। इसी के साथ जहां कुछ राशियों को शनि की साढ़े साती से मुक्ति मिल गई है, वहीं कुछ राशियों पर इसका प्रभाव शुरू हो गया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि किन राशियों को इस दौरान सबसे ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

इन्हें रहना होगा सावधान

शनि गोचर के साथ मेष राशि पर साढ़ेसाती शुरू हो चुकी है। इसी के साथ कुंभ राशि की साढ़ेसाती उतर रही है और मीन राशि वालों पर साढ़ेसाती का मध्य चरण शुरू हो चुका है। ऐसे में मेष, कुंभ और मीन राशि वालों पर इसका अधिक प्रभाव देखने को मिलेगा। इसी के साथ शनि गोचर के साथ सिंह एवं धनु राशि के जातकों पर भी शनि की ढैय्या शुरू हो चुकी है, जिसके चलते सिंह एवं धनु राशि के जातकों को भी सावधान रहने की जरूरत है।

साढ़े साती के उपाय

शनि की साढ़े साती के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए शनिवार के दिन पीपल के पेड़ में जल चढ़ाएं और सरसों के तेल का दीपक जलाएं। इसी के साथ शनिवार के दिन छायादान करने के लिए लोहे के पात्र में 250 ग्राम तिल का तेल लेकर उसमें अपनी परछाई देखें और इस तेल के पात्र का दान करें। वहीं आपको शनिदेव के साथ-साथ भगवान शिव और हनुमान जी की आराधना करने से भी आपको शनि की साढ़ेसाती से राहत मिल सकती है। इसी के साथ गरीबों, जरूरतमंदों को दान दें।

शनि ढैय्या से बचाव के उपाय

जिन लोगों पर शनि ढैय्या चल रही है, उन्हें शराब पीना, झूठ बोलना, वाद-विवाद, क्रोध करने या फिर किसी जीव-जंतु को परेशान करने जैसे कार्यों से दूर रहना चाहिए। इसी के साथ शनि ढैय्या के प्रभाव को कम करने के लिए हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें व शनिवार के दिन हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करें। शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करें और सरसों के तेल का दीपक जलाएं। इस सभी कार्यों से आपको शनि ढैय्या के प्रभाव से कुछ राहत मिल सकती है।

किस बात की ओर इशारा करता हैं तुलसी का सूखना

बिल्कुल भी न करें नजरअंजाद

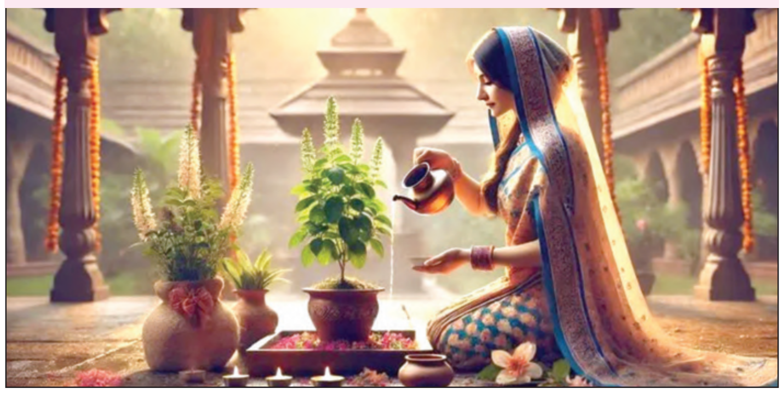

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, रोजाना विधिवत रूप से तुलसी जी की पूजा-अर्चना करने से साधक व उसके परिवार पर तुसली जी के साथ-साथ मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। ऐसे में अगर आपके घर का तुलसी का पौधा अचानक से सूख गया है, तो इसके बुरे परिणामों से बचने के लिए आप ये उपाय कर सकते हैं।

मिलते हैं ये संकेत

सर्दियों में तुलसी का सूख जाना एक आम बात है, लेकिन वहीं अगर तुलसी का पौधा अचानक से सूख जाता है, तो यह इस बात की ओर इशारा करता है, कि आपको कोई हानि झेलनी पड़ सकती है। इसका एक कारण घर में नकारात्मकता का प्रवाह बढ़ना हो सकता है। साथ ही इससे घर में लड़ाई-झगड़े की स्थिति बनने लगती है।

तुलसी से मिलने वाले शुभ संकेत

घर में हरा-भरा तुलसी का पौधा होता तो एक शुभ संकेत है ही, इसी के साथ घर में अपने आप तुलसी का पौधा उग जाना भी एक शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ यह माना जाता है कि जल्द ही व्यक्ति के अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं। साथ ही साधक को मां लक्ष्मी के साथ-साथ विष्णु जी की भी कृपा मिलने वाली है।

तुलसी के सूखने पर क्या करें

तुलसी के पौधे के सूख जाने के बाद उसे तुरंत गमले से हटा देना चाहिए, वरना इससे नकारात्मकता का वास बढ़ने लगता है। इसके बाद आप गमले में नया तुलसी का पौधा लगा दें। पौधे को उखाड़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि तुलसी को जड़ सहित निकालें और क्षमायाचना करते हुए किसी पवित्र नदी, तालाब में विसर्जित करें।

कर सकते हैं ये उपाय

अगर आपके घर में सूखा हुआ तुलसी का पौधा है, तो इसकी जड़ को निकाल लें और इसे धोकर साफ कर लें। इसके बाद इस जड़ को किसी लाल या फिर पीले रंग के कपड़े में बांध दें और घर के प्रवेश द्वार पर टांग दें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है और मां लक्ष्मी की कृपा भी आपके ऊपर बनी रहती है।

प्रसिद्ध है राजस्थान का जीण माता मंदिर जहां दर्शन करने से रोग होते हैं दूर!

देश में ऐसे कई मंदिर हैं, जो किसी खास मान्यता की वजह से प्रसिद्ध हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं राजस्थान के जीण माता मंदिर के बारे में, जहां मंदिर में लंबे समय से दीपक जल रहा है और इतिहास मुगल काल से जुड़ा हुआ है।

कहां है जीण माता मंदिर

जीण माता मंदिर राजस्थान के सीकर जिले में है। यह मंदिर जीण माता को समर्पित है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जीण माता मंदिर पहाड़ियों के बीच स्थित है। हर साल मंदिर में नवरात्र के दौरान अधिक संख्या में भक्त आते हैं और जीण माता की पूजा-अर्चना करते हैं और दर्शन का लाभ उठाते हैं।

कब और किसने बनवाया मंदिर?

जीण माता मंदिर को चौहान शासक ने 1200 साल पहले (आठवीं सदी) में बनवाया था। इस मंदिर का इतिहास बेहद पुराना है। इस मंदिर के पास में भैरवनाथ मंदिर भी है। ऐसा बताया जाता है कि जीण माताजी मंदिर के पट कभी बंद नहीं होते हैं और ग्रहण के दौरान जीण माताजी मंदिर में आरती समय पर होती है।

क्या है मंदिर की विशेषता

इस मंदिर में जीण माता की अष्टभुजी प्रतिमा स्थापित है। यहां पर चैत्र और शारदीय नवरात्र के दौरान मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमे अधिक संख्या में लोग शामिल होते हैं। इस मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों की मूर्तियां लगी हुई हैं और मंदिर के अंदर शिलालेख स्थापित हैं।

मंदिर की वास्तुकला

इस मंदिर में राजपूतों चौहान वंशों की वास्तुकला देखने को मिलती है। यह मंदिर जंगलों से घिरा हुआ है। मंदिर के मंदिर के नीचे मंडप भी है, जिसे गुफा के नाम से जाना जाता है।

महत्व और मान्यता

धार्मिक मान्यता के अनुसार, जीण माता मंदिर में दर्शन करने से कुष्ठ रोग से छुटकारा मिलता है। मंदिर में भक्त देवी को स्वर्ण छत्र भी अर्पित करते हैं। मंदिर में चैत्र और शारदीय नवरात्र के दौरान बेहद खास रौनक देखने को मिलती है।

मंदिर से जुड़ी कथा

प्राचीन समय में औरंगजेब की सेना के द्वारा शेखावाटी मंदिरों को तोडना शुरू किया। ऐसे में लोगों ने जीण माता से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद माता ने सेना पर मधुमक्खियों को छोड़ दिया, जिसकी वजह से सेना को वहां से भागना पड़ा। लोगों ने जीण माता के चमत्कार को देखकर मंदिर में अखंड ज्योति जलाई। यह अखंड ज्योति मंदिर में आज भी जल रही है।

प्राचीन है मां मुंडेश्वरी का यह मंदिर हैरान कर देती हैं इसकी मान्यताएं

आज हम बात कर रहे हैं मां मुंडेश्वरी मंदिर की, जो देश के सबसे प्राचीन मंदिरों में भी शामिल है। हर साल खासकर नवरात्र की अवधि में यहां लाखों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर में स्थित माता की मूर्ति मुख्य आकर्षण का केंद्र है। वैसे तो इस मंदिर में हमेशा भक्तों का तांता लगा रहता है, लेकिन नवरात्र की अवधि में यहां भक्तों की लंबी कतार देखने को मिलती है।

मंदिर की खासियत

मां मुंडेश्वरी मंदिर बिहार के कैमूर जिले के भगवानपुर प्रखंड में स्थित है, जो पहाड़ पर लगभग 608 फीट की ऊंचाई पर बना हुआ है। मंदिर में स्थापित माता मुंडेश्वरी की प्रतिमा की बात करें, तो यह मूर्ति बहुत ही जीवंत लगती है। माता मुंडेश्वरी भैंसे पर सवार हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, सृष्टि की रक्षा करने के लिए मां मुंडेश्वरी ने मुंड नामक एक राक्षस का वध किया था, जिस कारण उन्हें मां मुंडेश्वरी के नाम से जाना जाने लगा। यह मंदिर अपनी महिमा के लिए प्रसिद्ध है, जहां नवरात्र के साथ-साथ रामनवमी और शिवरात्रि के मौके पर भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

मंदिर काल और वास्तुकला

पुरातत्वविदों के अनुसार, मंदिर का शिलालेख 349 ई. का है, जो इस मंदिर की प्राचीनता को दर्शाता है। वहीं मुण्डेश्वरी मंदिर की नक्काशी और मूर्तियों उत्तर गुप्तकालीन की बताई जाती हैं। वहीं वास्तुकला की बात करें, तो माता मुंडेश्वरी का मंदिर श्री यंत्र के आधार पर निर्मित है।

मंदिर अष्टकोणीय है, जिसके चारों दिशाओं में एक-एक द्वार है। वहीं मंदिर के पूर्वी भाग में देवी मुण्डेश्वरी की भव्य व प्राचीन मूर्ति बनी हुई है, जो पत्थर की बनी हुई है। इसी के साथ मां मुंडेश्वरी मंदिर के गर्भगृह में पंचमुखी शिवलिंग भगवान गणेश की प्रतिमा भी स्थापित है।

क्या हैं मान्यताएं

इस मंदिर में एक प्राचीन मान्यता चली आ रही है, जिसके अनुसार, मां मुंडेश्वरी रक्त विहीन बलि स्वीकार करती हैं। जिसके अनुसार, मंदिर का पुजारी मां मुंडेश्वरी के चरणों से चावल को स्पर्श कराकर बकरे पर छिड़क देता है, जिससे वह बेहोश हो जाता है। इसके बाद जब दोबारा मां मुंडेश्वरी से चरणों से स्पर्श कराकर बकरे पर चावल छिड़के जाते हैं, तो बकरा फिर से होश में आ जाता है। इसी बीच मां बलि स्वीकार कर लेती हैं।

मनोरम तथा उपयुक्त फलदायक है धर्मस्थली कामाख्याधाम

प्रसिद्ध धर्मस्थली कामाख्या धाम, गुवाहाटी से तकरीबन दो किलोमीटर पूर्व में नीलांचल पर्वत पर स्थित है, जिसकी ऊंचाई 525 फीट है। कामाख्या मंदिर देश विदेश के पर्यटकों के लिए प्रसिद्ध धाम के रूप में प्रसिद्ध और सिद्ध है।

भगवान त्रिलोचन शिव के कन्धे से छिन्न-भिन्न होकर सती के अंग भिन्न-भिन्न स्थानों पर गिरे। ये स्थान तीर्थरूप में प्रसिद्ध हुए। ये सभी सिद्धपीठ कहे जाते है। देवी इन स्थानों में विद्यमान रहती है, इस कारण ये सब सिद्ध पीठ माने जाते है। नीलाचंल पर्वत पर सती माता का योनिमण्डल कटकर, गिरकर पत्थर बन गया। इस शिला के स्पर्श मात्र से मनुष्य अमरत्व को प्राप्त कर ब्रह्मलोक में निवास कर अंत में मोक्ष लाभ करते है, ऐसा माना जाता है।

मान्यता है कि मंदिर की दीवारों पर चौसठ योगिनियां और अष्टादश भैरवों की मूर्ति खुदवाकर कामदेव ने इसे आनन्दाख्य मंदिर के नाम से प्रचारित किया। आज इस मंदिर के नीचे का भाग ही शेष रह गया है। कामरूप तथा कामाख्या पर्वत के चारों और अनेक तीर्थ स्थान है। इसमें उमानन्द, अश्क्रांत, मणिकणेश्वर, नवग्रह, उग्रतारा, वशिष्ठाश्रम, पाण्डुनाथ और हथग्रीव आदि प्रसिद्ध है।

कामाख्या देवी के समीप ही उत्तर की ओर सौभाग्य कुण्ड है, सर्वप्रथम तीर्थयात्री इसी सौभाग्यकुण्ड में स्नान कर मंदिर में प्रवेश करते है। कामाख्या मंदिर, विशिष्ट शिलापीठ के ऊपर है यहां पाताल से निरन्तर जल निकलता रहता है। यही कामाख्या योनिमण्डल है। जिसका परिमाण एक हाथ लम्बा तथा बारह अंगुल चौड़ा है मातृअंग होने के कारण इसका आधा भाग सोने की टोप से ढ़का रहता है और आधे भाग को भी वस्त्र, पुष्प माल्यादि से सुशोभित रखा जाता है। कामाख्या में कुमारी पूजा का अत्यधिक महत्व है। कुमारी पूजा करने से सम्पूर्ण देवी, देवताओं की पूजा का फल प्राप्त होता है। प्रतिवर्ष देवी मंदिर में विभिन्न पर्वो के उपलक्ष्य में उत्सव पूजा आदि कार्य बड़े समारोह के साथ अनुष्ठित होते है, जिसमें 'अम्बुवासी' मेला प्रसिद्ध है। आषाढ़ महीने में मृगशिरा नक्षत्र के तृतीय चरण बीत जाने पर चतुर्थ चरण में आद्रा नक्षत्र के प्रथम पाद के मध्य में देवी मां ऋतुवती हुई थी, इसी समय पांच दिनों का यह अम्बुवासी मेला लगता है।

तीन दिन तक मंदिर का द्वार बंद रहता है, चौथे दिन कपाट खुलने पर यात्रियों को दर्शन करने दिया जाता है। इस अवसर पर देश-विदेश से भारी संख्या में साधु, महात्मा, औघड़ एवं तांत्रिक एकत्रित होकर अपनी तंत्र विद्या की साधना करते है। जिनके ठहरने तथा खाने-पीने के लिए अनेक स्वयंसेवी सस्थायें निरन्तर कार्यरत रहती है। प्राचीन काल में यह ज्योतिष का प्रमुख केन्द्र माना जाता था। कामाख्या मंदिर के पास ही पूजा पाठ की सभी सामग्रियां उपलब्ध हो जाती है। होटल, फल-फूल तथा मिठाईं की दुकानें भी है। इसके अतिरिक्त पर्वत के ऊपर पर्यटकों के रहने, खाने तथा अन्य सभी सुख-सुविधाओं का भी उचित प्रबंध नगर-निगम द्वारा किया जाता है। जिससे यात्रियों को असुविधा नहीं होती है। यहां यात्रियों के आवागमन की सुविधाएं भी पर्याप्त है जिससे असुविधा का प्रश्न ही नहीं उठता। इस प्रकार जगन्माता कामाख्या देवी का मंदिर सभी दृष्टियों से मनोरम तथा उपयुक्त फलदायक है।

जो व्यक्ति भक्ति भाव से योनिमण्डल के दर्शन-स्पर्शन करके जलपान करते हैं, वे देवऋण, पितृऋण से मुक्त हो परम धाम को प्राप्त होते है। कोटि गोदान करने से जो फल मनुष्य को मिलता है वही फल कामाख्या देवी की पूजा करने से प्राप्त होता है।

– रीता मिश्रा

संपादकीय

न्यूनतम किराए का बड़ा टिकट

न्यूनतम किराया बढ़ोतरी के आयाम और पैगाम के बीच भविष्य की परिवहन अनुशंसा समझी जा सकती है। हिमाचल के यातायात साधनों की सीमित परिपाटी ने यात्री और यात्रा का विवरण बदला है। सडक़ परिवहन पर निर्भरता का आलम यह है कि हर गांव में ट्रैफिक जाम का अलार्म बज रहा है। बहरहाल सुक्खू सरकार ने अपने थैले से न्यूनतम बस किराए की पर्ची निकाल दी यानी अब बस पर बैठ कर उतरने से पहले कम से कम दस रुपए का टिकट तो लगेगा ही। इसे हम आलोचना की दृष्टि से देखें तो विपक्ष के पास खुला मैदान है, लेकिन परिवहन की मांग और इसके प्रबंधन के लिहाज से यह एक आवश्यक कदम था। इससे न केवल निजी बस आपरेटरों की मांग पूरी हो रही है, बल्कि स्थानीय ट्रांसपोर्ट के मायने भी बदल रहे हैं, लेकिन इस फैसले को न्यायोचित ठहराने के लिए बसों के रूट और समय सारिणी के अनुशासन भी निर्धारित करने होंगे। परिवहन अब एक मांग नहीं जीवनशैली की आवश्यकता और यात्रियों के व्यवहार की पुष्टि है। हिमाचल में सार्वजनिक परिवहन की जरूरतें गांव से शहर, शहर से शहर, शहरों के भीतर, अंतरराज्यीय डेस्टिनेशन, धार्मिक दर्शन, पर्यटन व आर्थिकी के विभिन्न पहलुओं से जुड़ती हैं। चामुंडा से वृंदावन बस सेवा की शुरुआत का आयाम अलग है, जबकि चामुंडा से धर्मशाला, पालमपुर, नगरोटा बगवां व कांगड़ा बस सेवा का अभिप्राय अलग है। इन दोनों सेवाओं को अलग-अलग परिप्रेक्ष्य में समझना होगा। शहरी विकास या नए नगर निगमों के प्रस्ताव को क्या हमने सार्वजनिक परिवहन की बदलती जरूरतों में समझा। क्या नगर निगमों से जुड़े गांवों को ऐसी परिवहन सुविधाओं से जोड़ा ताकि सडक़ों पर वाहनों का दबाव घटे। यात्रा सुविधाजनक, समय के अनुरूप और गतिशीलता के साथ चलाने के लिए परिवहन विभाग को अलग-अलग भौगोलिक, सामाजिक, व्यावसायिक, धार्मिक व पर्यटन मानचित्र बनाने पड़ेंगे। यह महज न्यूनतम बस किराए को पांच से दस रुपए करने की अनुशंसा नहीं, बल्कि यह भी देखना होगा कि ऐसी किराया वृद्धि से एचआरटीसी कैसे आत्मनिर्भर हो पाती है। न्यूनतम किराया वृद्धि के फलक पर अगर कई कारण मौजूद हैं, तो कई निवारण भी पैदा करने पड़ेंगे। कम से कम इससे स्थानीय बस सेवा का नेटवर्क ही स्थापित हो जाए, ताकि जनता के अलावा पर्यटकों को हमेशा टैक्सियों के मुंह मांगे दाम न चुकाने पड़ें। न्यूनतम किराया वृद्धि से पूरा परिवहन क्षेत्र संबोधित नहीं होता, खासतौर पर जहां तक इससे जुड़ी सेवाओं का ताल्लुक है। टैक्सियों की दरें तय न होने के कारण यह परिवहन में माफिया की तरह आपरेट हो रहा है। पर्यटक सीजन का नकारात्मक पहलू टैक्सियों की मनमानी दरें हैं, जबकि महानगरों में भी ओला, उबर तथा ऐसी ही ऑनलाइन परिवहन सेवाओं की उपयोगिता ने निजी वाहनों के उपयोग को घटा दिया है। चंडीगढ़ में अगर किसी को पीजीआई जाना हो या नोएडा-गुडग़ांव से दिल्ली एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन जाना हो, तो टैक्सियों के पैमाने किराया वहन करने में समर्थ हैं, जबकि शिमला, मकलोडगंज या मनाली से हवाई अड्डों तक पहुंचना अधिकतम दरों के भी रिकार्ड तोड़ देता है। ऐसे में हर तरह के किराए में एक न्यूनतम सीमा तय हो। रज्जु मार्गों पर भी किराए की सीमा तय होनी चाहिए। मसलन धर्मशाला से मकलोडगंज अगर स्काई-वे सफर से तय करना हो तो एकतरफा 450 रुपए लगते हैं, यह हिमाचल की परिवहन जरूरतों का विकल्प कैसे हो सकता। निजी बसों के लिए न्यूनतम बस किराए की बढ़ोतरी से व्यवसाय को संबल मिलेगा, तो देखना यह होगा कि एचआरटीसी इससे कितना संभल पाती है। जाहिर तौर पर परिवहन निगम की आय के बड़े स्रोत अंतरराज्यीय बस सेवाएं रही हैं, लेकिन प्राइवेट बस आपरेटरों ने वोल्वो जैसी बसें उतार कर अपनी पैठ बना ली है। ऐसे में निगम प्रबंधन को अपनी विश्वसनीयता को लाभकारी बनाने के लिए अंतरराज्यीय बस सेवाओं की उपयोगिता को यात्री संतुष्टि से जोड़ते हुए, इन्हें मांग के अनुरूप बनाना होगा।

सडक़ परिवहन पर निर्भरता का आलम यह है कि हर गांव में ट्रैफिक जाम का अलार्म बज रहा है। बहरहाल सुक्खू सरकार ने अपने थैले से न्यूनतम बस किराए की पर्ची निकाल दी यानी अब बस पर बैठ कर उतरने से पहले कम से कम दस रुपए का टिकट तो लगेगा ही। इसे हम आलोचना की दृष्टि से देखें तो विपक्ष के पास खुला मैदान है, लेकिन परिवहन की मांग और इसके प्रबंधन के लिहाज से यह एक आवश्यक कदम था। इससे न केवल निजी बस आपरेटरों की मांग पूरी हो रही है, बल्कि स्थानीय ट्रांसपोर्ट के मायने भी बदल रहे हैं, लेकिन इस फैसले को न्यायोचित ठहराने के लिए बसों के रूट और समय सारिणी के अनुशासन भी निर्धारित करने होंगे। परिवहन अब एक मांग नहीं जीवनशैली की आवश्यकता और यात्रियों के व्यवहार की पुष्टि है। हिमाचल में सार्वजनिक परिवहन की जरूरतें गांव से शहर, शहर से शहर, शहरों के भीतर, अंतरराज्यीय डेस्टिनेशन, धार्मिक दर्शन, पर्यटन व आर्थिकी के विभिन्न पहलुओं से जुड़ती हैं। चामुंडा से वृंदावन बस सेवा की शुरुआत का आयाम अलग है, जबकि चामुंडा से धर्मशाला, पालमपुर, नगरोटा बगवां व कांगड़ा बस सेवा का अभिप्राय अलग है।

टैरिफ के प्रभाव से अन्य देशों की तुलना में भारत कम प्रभावित होगा

नई टैरिफ जंग में भारत कैसे उभरेगा?

डा. जयंती लाल भंडारी

दो अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी विनिर्माण को बढ़ावा देना और व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए मित्र और विरोधी दोनों तरह के देशों पर नए पारस्परिक टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाए हैं। भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप के नए टैरिफ ऐलान से दुनिया भर के बाजारों और शेयर बाजारों में हाहाकार मच गया है। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान दिया जाना होगा। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024 में भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 फीसदी रही, जो करीब 77.5 अरब डॉलर थी, निर्यात की ऐसी ऊंचाई अमेरिका को भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाती है। अतएव ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें टेक्सटाइल और परिधान, ऑटोमोबाइल पाट्र्स, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पाद शामिल हैं। लेकिन टैरिफ के प्रभाव से अन्य देशों की तुलना में भारत कम प्रभावित होगा। एसबीआई रिसर्च के अनुसार भारत के कुल निर्यात पर प्रभाव 3.3.5 प्रतिशत तक सीमित रह सकता है। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि ट्रंप के टैरिफ जंग में भारत के लिए घरेलू मांग, घरेलू आर्थिक घटक नए व्यापार समझौते और रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन व रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात कारगर हथियार दिखाई दे रहे हैं। निःसंदेह देश में बढ़ते मध्यम वर्ग के कारण खपत भारत में दिखाई दे रही है। देश के उपभोक्ता बाजार को देश का मध्यम वर्ग नई आर्थिक ताकत दे रहा है। देश में आर्थिक सुधारों के साथ ऊंची विकास दर और शहरीकरण की ऊंची वृद्धि दर के बलबूते भारत में मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हाल ही में प्रकाशित दि राइज ऑफ मिडल क्लास इंडिया नामक डॉक्यूमेंट के मुताबिक भारत के मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या तेजी से बढक़र वर्ष 2021 में लगभग 43 करोड़ हो गई है और वर्ष 2047 तक यह संख्या बढक़र 102 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इस वर्ग को 5 लाख से 30 लाख रुपए की वार्षिक आय वाले परिवारों के रूप में परिभाषित किया गया है। निश्चित

रूप से भारत के मध्यम वर्ग की मुट्ठियों में बढ़ती क्रय शक्ति और जेन जी एवं मिलेनियल्स की आंखों में उपभोग और खुशहाली के जो सपने दिखाई दे रहे हैं, उनके कारण जहां दुनिया के कई देश भारत से आर्थिक और कारोबारी संबंध बढ़ाने के लिए तत्पर हैं, वहीं दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने नामी ब्रांडों के साथ भारत के बहुआयामी उपभोक्ता बाजार में नई रणनीतियों के साथ दस्तक दे रही हैं। निश्चित रूप से भारत डोनॉल्ड ट्रंप की टैरिफ मार से बचने और वैश्विक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नए वैश्विक व्यापार समीकरणों के साथ आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 26 से 29 मार्च तक नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के वरिष्ठ व्यापार प्रतिनिधियों ने दोनों देशों के बीच 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाने के प्रस्तावित व्यापार समझौते की रूपरेखा और संदर्भ की शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए सार्थक वार्ता की है। जहां एक ओर सरकार तेजी से मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। अब जहां नॉर्वे, हंगरी, ग्वाटेमाला, पेरू, चिली के साथ भी शीघ्र ही व्यापार समझौते की बातचीत शुरू की जानी चाहिए, वहीं अब भारत के द्वारा ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाना होगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि जिस तरह पांच साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के हथियार बन गए थे, उसी प्रकार इस समय अमेरिका के टैरिफ की मार के साथ-साथ शुल्क व गैर शुल्क बाधाओं को कम करने से होने वाली किसी भी प्रकार की हानि को कम करने के मद्देनजर देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद एक मजबूत हथियार दिखाई दे रहे हैं। चूंकि इस वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर खाद्यान्न उत्पादन में कमी के आकलन प्रस्तुत हुए हैं, ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में होने वाली 3 से 3.5 फीसदी हानि की बहुत कुछ भरपाई खाद्यान्न और कृषि प्रसंस्करण के निर्यात से भी की जा सकेगी। निश्चित रूप से देश में बढ़ता खाद्यान्न उत्पादन और मजबूत होती ग्रामीण आर्थिकी देश की आर्थिक शक्ति बन गई है। निःसंदेह ऐसे मजबूत आर्थिक आधार के बावजूद हमें ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के साथ वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार नीति में अनिश्चितता, अंतरराष्ट्रीय बाजार में जिंसों के दाम और वित्तीय बाजार में अस्थिरता तथा विदेश में व्याप्त आर्थिक निराशावाद के प्रति भी सतर्क रहना होगा। हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि खाद्य कीमतों में तेज गिरावट और कम मुख्य मुद्रास्फीति के कारण नीतिगत दरों में कटौती की गुंजाइश बनती है, किन्तु घटती महंगाई और बढ़ते खाद्य उत्पादन को देखकर सरकार को कृषि क्षेत्र में लंबे समय से पसरी हुई चुनौतियों से नजर हटाने से बचना होगा। निश्चित रूप से ट्रंप के टैरिफ से इस समय देश की आर्थिकी को होने वाले किसी भी नुकसान की भरपाई के साथ भव निःसंदेह भारत के विनिर्माण क्षेत्र को संरक्षण के लिए टैरिफ पर निर्भर रहने के बजाय प्रतिस्पर्धा और कारोबार बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। भारत ने ऐतिहासिक रूप से घरेलू निवेशकों के संरक्षण के लिए ऊंचे शुल्क बनाए रखे हैं। 1991 में उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ाने के लिए उदारीकरण के लाभ मिले हैं। चूंकि टैरिफ प्रतिस्पर्धा से जुड़े हैं, अगर हम टैरिफ की आड़ में रहेंगे तो प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे। हम उम्मीद करें कि भारत 2 अप्रैल को अमेरिका के द्वारा भारत पर लगाए गए 26 फीसदी टैरिफ की चुनौती का मुकाबला करने में सफल होगा। भारत की बढ़ती घरेलू मांग, नए व्यापार समझौते, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, बढ़ता खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और बढ़ता कृषि व खाद्य प्रसंस्करण निर्यात और घरेलू आर्थिक घटक भारत के लिए मजबूत और असरकारक आर्थिक हथियार के रूप में उपयोगिता देते हुए दिखाई देंगे। साथ ही उद्योग-कारोबार के द्वारा वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाए जाने पर भारत टैरिफ की चुनौतियों के बीच वैश्विक कारोबार बढ़ाने के मौकों को भी मुट्ठी में लेते हुए दिखाई देगा।

ट्रंप के नए टैरिफ ऐलान से दुनिया भर के बाजारों और शेयर बाजारों में हाहाकार मच गया है। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान दिया जाना होगा। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024 में भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 फीसदी रही, जो करीब 77.5 अरब डॉलर थी, निर्यात की ऐसी ऊंचाई अमेरिका को भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनाती है। अतएव ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

दृष्टि कोण

देवभूमि की धरा पर चरमपंथ की आहट

राष्ट्र के लिए बलिदान का जज्बा रखने वाला सैन्य पृष्ठभूमि का गढ़ वीरभूमि हिमाचल किसी तारूफ का मोहताज नहीं है। राज्य के सैन्य धरातल पर आतंकवाद को मुहतोड़ जवाब देकर बलिदान हुए मेजर 'संदीप सांखला', कैप्टन 'सुधीर वालिया' 'अशोक चक्र' व लखवीर सिंह 'शौर्य चक्र' तथा सूबेदार प्रेमचंद 'कीर्ति चक्र' जैसे शूरवीरों की दास्तान-ए-सुजात का अक्स नजर आता है। लेकिन पिछले कुछ अर्से से कुछ अलगाववादी ताकतें देश-दुनिया के सबसे शांतमयी राज्यों में शुमार हिमाचल प्रदेश के शांत वातावरण को दुष्प्रभावित करने में लगी हैं। पड़ोसी राज्यों के लोग आस्था की आड़ में स्थानीय दुकानदारों से बदसलूकी कर रहे हैं। अकीदतमंदों के भेस में अलगाववादी नारे लगाकर कानून को ठेंगा दिखाया जा रहा है। इतिहास साक्षी रहा है कि मजहब की बुनियाद पर हिंदोस्तान के बंटवारे से लेकर मुल्क में आगजनी, हिंसा, कट्टरपंथ व अलगाववाद जैसी हिमाकत की तखलीक के पीछे सियासत व मजहबी जमातों ने एक मखसूस किरदार अदा किया है। सियासी हुक्मरानों की तल्ख बयानबाजी तथा मजहबी रहनुमाओं की आग उगलती तकरीरें बुझी राख को भी भडक़ाने की पूरी सलाहियत रखती हैं। मौजूदा वक्त का तनाजुर भी कुछ ऐसा ही है। हिंसा में बेगुनाह इनसानियत का कत्ल हो, आगजनी की लपटों में मजहब जले, तहजीब राख हो, लोगों के आशियाने खाक हों या मासूम यतीम हो जाएं, मगर सियासत की निगाहें सियासी जमीन तराशती हैं। मजहबी जमातें सियासत को अपनी ताकत का एहसास कराती हैं। दूसरी विडंबना यह है कि आतंक के मरकज हमसाया मुल्क पाकिस्तान से सटे सरहदी राज्यों की सीमाएं हिमाचल से लगती हैं। आईएसआई सहित विदेशी खुफिया एजेंसियां भारत में चरमपंथ को बढ़ावा देने में लगी रहती हैं। हिमाचल की सरजमीं पर चरमपंथी तत्वों द्वारा अंजाम दी जाने वाली मुनज्जम वारदातों ने सन 1980 के दशक की दहशतगर्दी की याद ताजा कर दी है। जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का संताप पड़ोसी सूबे पंजाब के साथ भारतीय सेना को भी झेलना पड़ा था। सिखों के मुकद्दस अकाल तख्त परिसर में मजबूत मोर्चाबंदी कर चुके अलगाववादियों से निपटने के लिए जून 1984 में सेना को आपरेशन 'ब्लू स्टार' के तहत सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। परिसर में की गई मजबूत किलेबंदी को ध्वस्त करने में सेना की '10 गाड्र्स' बटालियन के हिमाचली शूरवीर कैप्टन 'जसबीर सिंह रैना' ने अहम भूमिका निभाई थी। खतरनाक मिशन में बुरी तरह जख्मी होकर अपने दोनों पांव गवांने के बावजूद जसबीर सिंह मोर्चे पर डटे रहे। सैन्य मिशन में उत्कृष्ट सैन्य नेतृत्व के लिए जसबीर सिंह रैना को भारत सरकार ने शांतिकाल के सर्वोच्च पदक 'अशोक चक्र' से सरफराज किया था। आपरेशन ब्लू स्टार की कार्रवाई में सेना के 83 जवानों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था, जिनमें 'प्रथम पैरा स्पेशल फोर्स' के सत्रह कमांडो भी बलिदान हुए थे। नायक प्रकाश चंद, जगदीश चंद व दर्शन सिंह तीनों बलिदानी कमांडो का संबंध भी हिमाचल से था। प्रथम पैरा के मेजर प्रकाश चंद कटोच 'शौर्य चक्र' ने मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सन् 1971 की जंग में पूर्वी पाक के महाज पर 'मुक्तिवाहिनी' को प्रशिक्षण देकर पाक सेना को शिकस्त-ए-फाश देने में सिख जरनैल शाबेग सिंह ने अहम किरदार अदा किया था। पाकिस्तान को तकसीम करके नए मुल्क बांग्लादेश के निर्माण में बेहतरीन सैन्य नेतृत्व के लिए भारत के राष्ट्रपति ने शाबेग सिंह को 'परम विशिष्ट सेवा मेडल' से नवाजा था। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध में गढ़वाल राइफल्स व सन् 1965 की जंग में गोरखा राइफल्स का नेतृत्व करने वाले शाबेग सिंह सेवानिवृत्ति के बाद मजहबी कट्टरपंथ का शिकार होकर अलगाववादियों से जा मिले। अफसोस कश्मीर युद्ध में 'प्रथम पैरा' का हिस्सा रहे अजीम जरनैल आपरेशन ब्लू स्टार की सैन्य कार्रवाई में अपनी ही सेना का शिकार बन गए थे। भावार्थ यह है कि आतंकवाद ने कई घरों के चश्मो-चिराग बुझा दिए हैं। दहशतगर्दी जैसी खौफनाक स्थिति से निपटने में सियासी निजाम व राज्यों की सुरक्षा एजेंसियां नाकाम रही हैं। आतंकवाद जैसी सूरत-ए-हाल से निपटने का विकल्प केवल सेना बनी है। युद्धों व आतंक विरोधी अभियानों में शहीद हुए देश के सैनिकों की वीर वधुओं की बड़ी संख्या तस्दीक करती है कि सियासत के गलत फैसलों का खामियाजा सैन्य परिवार भुगत रहे हैं। जम्मू कश्मीर में पाक परस्त आतंक से 'राष्ट्रीय राइफल्स' के जवान निपट रहे हैं।

कुछ अलग

स्क्रैच अच्छे हैं...

कुछ स्क्रैच ऐसे होते हैं जिन्हें बुरी नजर से नहीं देख सकते। लोगबाग अपने वाहनों में जबरिया स्क्रैच लगा लेते हैं ताकि नजर न लगे, लेकिन जिसे लगनी है, उसे चुन कर लग जाती है। कुछ लोग तो अपने शरीर और विचारों पर आए स्क्रैच की भी परवाह नहीं करते, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो सडक़ से सदन तक इन्हें खोजते रहते हैं। हर चुनाव के प्रचार में स्क्रैच काम आते हैं, लेकिन दिल्ली चुनाव परिणाम के बाद सबसे अधिक घायल स्क्रैच ही दिखाई दिए। बावजूद इसके राजनीति में हमेशा कुछ स्क्रैच अच्छे होते हैं। जीती हुई पार्टियों के सामने विपक्ष के स्क्रैच अच्छे व वफादार होते हैं। दरअसल सफल नेता होना स्क्रैच फ्री होना है। हम नागरिक वर्षों से सियासी स्क्रैच देख रहे हैं, लेकिन वे नहीं देखते जिन्हें जनता देख रही है। यह देखने-देखने में अंतर है। किसी ने गंगा को हरिद्वार में देखा, किसी ने प्रयागराज में और किसी ने दोनों ही जगह सरकार के रुतबे में अपने विश्वास को देखा। वैसे स्क्रैच फ्री दृष्टि के लिए विश्वास परम उपाय है। एक बार विश्वास करो कि हम भारतीय पूरे विश्व की सबसे अव्वल नस्ल हैं, हम सारे संसार को गंदगी से भरा पाएंगे। हमारे विश्वास की कई आंखें हैं और इसीलिए बदल-बदल कर देखते हैं। आंखों की परख डाक्टर भी क्या करेंगे, जिस तरह शायरों ने की या आज के नेता करते हैं। वे हमारी आंखों के सामने ऐसा निरीक्षण कर देते हैं कि हमें सिर्फ सामने विश्वास ही विश्वास नजर आता है। हमें विश्वास था, इसलिए आंखों ने हमेशा दिल्ली पर विश्वास किया। खुद पर विश्वास करना दिल्ली चुनाव सिखा गया। यही विश्वास कांग्रेस को केजरीवाल की हार में दिखा तो सारे जन इकट्ठे हो गए। वहां खुशी इस बात की थी कि आम आदमी पार्टी की गाड़ी पर सबसे अधिक स्क्रैच थे। उनके स्क्रैच इन्हें अच्छे लगे, वरना विधानसभा के सदन में तो यह पार्टी न पहले देख पाई और न ही अब देखने की हैसियत रखती है। हैसियत तो सबसे कमजोर मध्यम वर्ग की है। सारे देश के स्क्रैच इसी वर्ग को दर्द देते हैं। मिडल क्लास की पढ़ाई, डिग्री और रोजगार पर चस्पां स्क्रैच दिखते नहीं, सालते हैं। इसलिए जिन्होंने आईटी पढ़ा, अब उन्हें कम्प्यूटर के स्क्रैच दर्द देते हैं। दूसरी ओर सरकारी कर्मचारी तो एनपीएस से लेकर यूपीएस तक के स्क्रैच खोज लाए। सरकारी कर्मचारी इसीलिए अपनी कुर्सी पर न ज्यादा वजन डालता और न ही बैठता ताकि कहीं सेवा में कोई स्क्रैच न उभर आए। अब तो सरकारी डाक्टर भी मरीजों को निजी अस्पतालों में भेज कर सरकार के अस्पतालों को स्क्रैच फ्री बनाने लगे हैं। हमें भारत को स्क्रैच फ्री बनाना है, इसलिए अब इतिहास से खोज रहे हैं। महात्मा गांधी के चरखे, अंबेडकर के दफ्तर और नेहरू के कद में वे स्क्रैच खोज लाए हैं। इससे इतिहास के कई नायक अब गायब होने लगे और अब इसका सामाजिक अर्थ यह कि लोग अब अपने पूर्वजों का नाम भी छुपाने लगे हैं, ताकि कहीं कोई उनमें से जाति और धर्म के स्क्रैच न खोज पाए। उस दिन राहुल घबरा गए। किसी ने कहा, 'आपकी भारत यात्रा से सडक़ों पर स्क्रैच उभर आए हैं।' जवाब था, 'नहीं भाई, वहां तो पहले से गड्ढे थे। ये गड्ढों के स्क्रैच कहां दिखाई देते। यह तो गलत इल्जाम है। मैं तो अपनी पार्टी के स्क्रैच भी नहीं देख पाया, तो मेरे कदमों के नीचे खोजने की जरूरत नहीं।' उस दिन पहली बार राहुल सोचने को मजबूर हुए, 'आखिर कितने स्क्रैच इकट्ठे करने पड़ते हैं राजनीति में सफल होने के लिए।' उस दिन से राहुल अपनी ही जमीन पर चलते हुए स्क्रैच से डरने लगे, लेकिन विरोधी गठबंधन ने मिलजुल कर अलग चुनाव चिन्ह 'स्क्रैच' ले लिया।

देश दुनिया से

जंगलों पर छाया इंसानों का आतंकः एक अनदेखा संकट

हाल ही में एक अखबार की प्रमुख हेडलाइन पढ़ी—"शहर में बंदरों और कुत्तों का आतंक"। यह वाक्य महज एक खबर नहीं, बल्कि हमारे सोचने के तरीके का प्रतिबिंब था। हमने जानवरों के शहर में आने को "आतंक" करार दिया, लेकिन कभी यह सवाल नहीं पूछा कि वो शहर में आए ही क्यों? जब कोई बंदर किसी कॉलोनी की छत पर उछलता है, या कोई कुत्ता कूड़े के ढेर में भोजन तलाशता है, तो वह कोई स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं होती। यह उस संकट का संकेत होता है जिसे हम—मनुष्य—ने स्वयं गढ़ा है। जंगल, जो कभी इन जीवों का घर थे, अब रियल एस्टेट की परियोजनाओं, खनन कार्यों, सड़कों और डैमों की बलि चढ़ चुके हैं। आज अगर कोई सच में आतंक फैला रहा है, तो वह है इंसानी लालच और विकास का अंधा मॉडल। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में है जहाँ जैव विविधता की अद्भुत संपदा है। लेकिन यही भारत आज अपने ही जंगलों को खा रहा है। 2021 की Forest Survey of India रिपोर्ट बताती है कि भारत ने पिछले चार वर्षों में 1,100 वर्ग किलोमीटर से अधिक वनक्षेत्र खो दिया है। हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा जैसे राज्यों में यह गिरावट विशेष रूप से चिंताजनक रही है। वन कटान केवल पेड़ों का नुकसान नहीं है। यह पूरी एक पारिस्थितिकी व्यवस्था का ध्वंस है। जब हम पेड़ काटते हैं, हम न सिर्फ ऑक्सीजन के स्रोत मिटाते हैं, बल्कि हजारों पशु-पक्षियों के घर उजाड़ देते हैं। यही कारण है कि आज हमें गाँवों और शहरों के आसपास बाघ, हाथी, भालू और यहाँ तक कि तेंदुए भी दिखने लगे हैं। बंदरों का शहरों में आना आज एक आम दृश्य बन गया है।

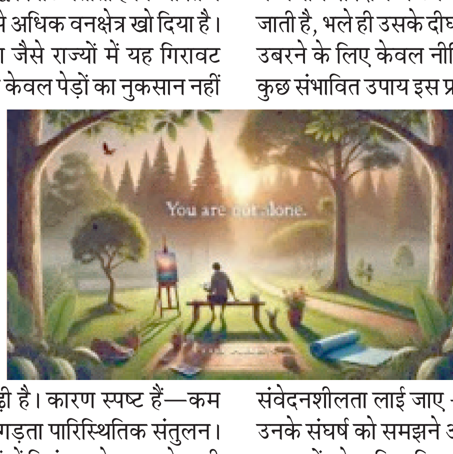

दिल्ली, वाराणसी, जयपुर, और देहरादून जैसे शहरों में बंदरों की आबादी तेज़ी से बढ़ी है। कारण स्पष्ट हैं—कम होती हरियाली, अधिक होता कूड़ा, और बिगड़ता पारिस्थितिक संतुलन। इसी तरह, आवारा कुत्तों की संख्या भी शहरों में नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। World Health Organization के अनुसार भारत में लगभग 3.5 करोड़ आवारा कुत्ते हैं, और हर साल हजारों लोग कुत्तों के काटने के शिकार होते हैं। मगर यह समस्या केवल स्वास्थ्य या सुरक्षा की नहीं है; यह समस्या हमारे कुप्रबंधन और लापरवाह विकास की है। हमने कूड़ा फेंकने के तरीकों को सुधारा नहीं, सार्वजनिक पशु-नियंत्रण कार्यक्रमों को प्राथमिकता नहीं दी, और अब जब जानवर हमारी बस्तियों में दिखते हैं, तो उन्हें "संकट" कह कर खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश करते हैं। जब कोई अखबार लिखता है कि "बंदरों का आतंक", तो वह केवल सूचना नहीं दे रहा होता, बल्कि एक धारणा गढ़ रहा होता है। यह धारणा कि जानवर आक्रमणकारी हैं, और हम पीड़ित। मीडिया की यही भाषा यह छिपा लेती है कि असल में हम ही उनके घरों में घुसे थे, उनकी ज़मीन छीनी, और अब जब वो अपनी जगह पाने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें दोषी ठहराते हैं। यह भाषा केवल संवेदनहीन नहीं, बल्कि खतरनाक भी है, क्योंकि इससे संरक्षण के प्रति समाज की समझ और सहानुभूति दोनों कमजोर पड़ती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल औसतन 100 से अधिक लोग हाथियों के हमलों में मारे जाते हैं, और दर्जनों बाघ-मानव संघर्ष की घटनाएँ सामने आती हैं। मगर इन घटनाओं के पीछे की सच्चाई यह है कि वन्यजीवों का घर सिकुड़ता जा रहा है। जंगलों में भोजन और पानी की कमी उन्हें मानव बस्तियों की ओर खींचती है। कभी-कभी वे रास्ता भटक जाते हैं, तो कभी उन्हें मजबूरी में खेतों और घरों में घुसना पड़ता है। यह संघर्ष उनके लिए भी घातक है—हर साल सैकड़ों जानवर इंसानी जवाबी हिंसा में मारे जाते हैं। भारत में Wildlife Protection Act 1972 और Forest Conservation Act 1980 जैसे सशक्त कानून हैं, लेकिन उनके लागू करने में अनेक समस्याएँ हैं। वन विभाग अक्सर संसाधनों और जनबल की कमी से जूझता है। इसके अलावा, जब विकास परियोजनाओं और वन्यजीव संरक्षण में टकराव होता है, तो अक्सर विकास को तरजीह दी जाती है, भले ही उसके दीर्घकालिक परिणाम विनाशकारी हों। इस संकट से उबरने के लिए केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि सोच का परिवर्तन ज़रूरी है। कुछ संभावित उपाय इस प्रकार हैंः शहरी नियोजन में हरित क्षेत्र सुनिश्चित किया जाए — पार्क, बाग़-बगिचे, और वृक्षारोपण को केवल सजावटी पहलू नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी के हिस्से के रूप में देखा जाए। वन्यजीव गलियारे (wildlife corridors) विकसित किए जाएँ — जिससे जानवरों को सुरक्षित आवागमन का रास्ता मिले। कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए — ताकि जानवर शहरी कूड़े पर निर्भर न हों। मीडिया और शिक्षा में संवेदनशीलता लाई जाए — जानवरों को 'आतंकवादी' बताने के बजाय उनके संघर्ष को समझने और सहानुभूति की भाषा अपनाई जाए। स्थानीय समुदायों को शामिल किया जाए — उन्हें संरक्षण के साझेदार बनाना होगा, विरोधी नहीं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि यह धरती केवल हमारी नहीं है। जंगलों, नदियों, पहाड़ों, और समंदरों के साथ-साथ हर जीव-जंतु का इस पर उतना ही अधिकार है जितना हमारा। जब हम शहरों का विस्तार करते हैं, जब हम मॉल और एक्सप्रेसवे बनाते हैं, तब हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि किसी न किसी की ज़मीन छीनी जा रही है—कभी किसी हिरन की, कभी किसी हाथी की। हम अगर प्रकृति से लड़ते रहेंगे, तो अंततः हार हमारी ही होगी—क्योंकि प्रकृति को हराया नहीं जा सकता, बस अस्थायी रूप से दबाया जा सकता है। "बंदरों का आतंक" एक समाचार की हेडलाइन हो सकती है, लेकिन असल हेडलाइन यह होनी चाहिए थी—"जंगलों पर इंसानों का आतंक"। इस सच्चाई को स्वीकार करना कठिन है, लेकिन जरूरी है। अगर हम वास्तव में एक संतुलित, सुरक्षित और संवेदनशील समाज की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति से नहीं, अपने अहंकार से संघर्ष करना होगा।

आप का नजरिया

राम पर इतना तनाव क्यों?

हम आश्चर्य में हैं और अपनी ही चेतना से सवाल कर रहे हैं। हम राम नवमी सहज और सौहार्द के साथ क्यों नहीं मना सकते? राम नवमी की शोभा-यात्रा और अन्य आयोजनों के लिए उच्च न्यायालय से अनुमति लेने की नौबत क्यों आती है? पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार राम नवमी पर रोड़े क्यों बिछाती रही हैं? ममता भी हिंदू हैं। राम उनके भी हैं। राम पूरे ब्रह्मांड में प्रत्येक प्राणी के हैं। राम अवतरित पुरुष हैं। ममता बनर्जी मां काली और दुर्गा की तो पूजा करती रही हैं। फिर 'जय श्रीराम' का उद्घोष उन्हें गाली-सा क्यों लगता है और वह अपना संयम खोने लगती हैं? साल-दर-साल राम नवमी के आयोजनों पर सरकारी प्रतिबंध क्यों लगाए जाते रहे हैं? संविधान ने 'धार्मिक स्वतंत्रता' का मौलिक अधिकार हिंदुओं, राम-भक्तों, को भी प्रदान किया है। क्या राम की शोभा-यात्रा आयोजित करना और आस्थाओं के साथ त्योहार मनाना भी गुनाह या पाप है? ममता बनर्जी बंगाल की मुख्यमंत्री हैं, लिहाजा प्रत्येक नागरिक की जन-प्रतिनिधि हैं, संवैधानिक अभिभावक हैं। सरकार के नाते यह उनका दायित्व है कि औसत नागरिक उल्लास और उमंग के साथ अपने पर्व मना सके, लेकिन बंगाल ही नहीं, बिहार, उप्र, महाराष्ट्र और झारखंड सरीखे राज्यों में भी, राम नवमी के दिन, राम के नाम पर ही, एक खौफनाक तनाव पसरा रहा। वहां सुरक्षा की पहरेदारियां बिठाई गईं। उप्र के तो 42 जिलों और पश्चिम बंगाल के 10 संवेदनशील जिलों में 'हाई अलर्ट' घोषित करना पड़ा। उप्र में संभल क्षेत्र 'सांप्रदायिकता का कुरुक्षेत्र' क्यों बन गया है? बंगाल के हावड़ा इलाके और उप्र के कई शहरों में सुरक्षा बलों, पुलिस को 'फ्लैग मार्च' निकालने पड़े, चप्पे-चप्पे पर पहरे और घेराबंदियां बिठा दी गईं। ड्रोन चलाए गए, सीसीटीवी से भी निगरानी करनी पड़ी। यह 'राम नवमी' त्योहार का दिन था अथवा किसी आतंकी हमले की आशंका थी? ये सुरक्षा-घेरे सहज नहीं लगे। आखिर इतने व्यापक तनाव के कारण क्या थे? क्या देश में धार्मिक सहिष्णुता समाप्त हो चुकी है? होली बनाम अलविदा जुमा, नवरात्रि बनाम ईद की नमाज सरीखे सांप्रदायिक टकराव के हालात क्यों बन रहे हैं? क्या सरकारें ही नाकाम हैं? या सरकारें ही दंगेनुमा स्थितियां पैदा करवा रही हैं? आखिर देश में यह कब तक चलता रहेगा? बंगाल में ममता सरकार बीते सालों में भी राम नवमी, दुर्गा पूजा, हनुमान जयंती सरीखे हिंदुओं के त्योहारों पर वर्जनाएं थोपती रही हैं। अंततः अदालत की शरण में जाना पड़ता है। ममता बनर्जी ने यह आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार दंगे भडक़ा रही है। इनसान को इनसान से लड़वा रही है। इसकी प्रतिक्रिया में बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा एवं हिंदू कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि सभी अपनी गाड़ी या बाइक पर भगवा झंडा लगा कर पूरा दिन शहर में घूमते रहें। दुकानों पर भी अपनी पहचान का झंडा लगाया जाए। ऐसे बयान उत्तेजक साबित हो सकते हैं। दावा किया गया कि हजारों शोभा-यात्राएं निकाली जाएंगी और करीब 5000 जगहों पर श्रीराम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन और अदालत के निर्देश हैं कि शोभा-यात्रा में कोई भी हथियार लेकर शामिल नहीं होगा। क्या राम नवमी हथियार लेकर मनाई जाती रही है? दरअसल ममता और भाजपा दोनों ही वोट बैंक को ध्रुवीकृत करने और अंततः चुनाव जीतने का खेल कर रहे हैं। अनुमान है कि शोभा-यात्राओं में करीब 1.5 करोड़ हिंदुओं ने शिरकत की। ये आयोजन प्रतीकात्मक भी हो सकते थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच–समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शाम को मंदिर में घी का दीपक अवश्य जलाये जिससे आपके सारे कष्ट दूर हो सके. आपके प्रियजन ख़ुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए. किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है. धार्मिक स्थलों पर जाना आपके अच्छा रहेगा. किसी पसंदीदा व्यक्ति से भी संपर्क हो सकता है. अपनी सेहत पर ध्यान दें खान–पान में सावधानी रखें. दाम्पत्य जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

प्रेमियों के लिए समय अनुकूल है. जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे उन्हें भी अब मुंह मांगी मुराद मिलने वाली है. खोई हुई वस्तु के मिलने से ख़ुशी होगी. परीक्षा–प्रतियोगिता के लिए भी समय थोड़ा कमज़ोर है, सफल होने के लिए अधिक और कठिन परिश्रम करें. रिश्तेदारों की तरफ से भी कोई दुखद समाचार का योग है. गलत लोगों की संगत के कारण कुछ गलत कर्मों की ओर रुझान बढ़ेगा ऐसे में क्या करना चाहिए यह निर्णय आप स्वयं लें.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

करियर में कुछ बदलाव हो सकते हैं. इस दिशा में आज आप प्लानिंग भी शुरू कर दें. आज स्थिति में काफी सुधार भी हो सकता है. आप अपनी कोशिशों में बहुत हद तक सफल रहेंगे. पैसा खर्चा होगा और ये आपके लिए अच्छा भी रहेगा. करीबी लोगों के लिए कुछ त्याग करनापड़े, तो संकोच न करें. पार्टनर से संबंध अच्छे रहेंगे. आपकी सकारात्मक सोच कारगर हा सकती है. कामकाज के बजाए योजना बनाने में ज्यादा समय लगेगा. संतान पर ध्यान दें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपको उत्कृष्ट परिणाम प्रदान कर सकता है. अगर आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपको अब और इंतजार नहीं करना पड़ेगा. यदि आप अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं या रचनात्मक नौकरियों से जुड़े हैं तो आपको आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे. नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति संभव है. भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं. काम से संबंधित यात्रा अचानक उत्पन्न हो सकती है जो नए दरवाजे खोलने में मदद करेगी.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जरूरी काम हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे. सफलता मिल जाएगी. थोड़ा बहुत त्याग भी करना होगा. वृश्चिक राशि वालों के कॉन्टैक्ट्स अपडेट होंगे. कुछ गुप्त सूचनाएं और जानकारियां आपको मिल सकती हैं. कामकाज निपटाने के लिए थोड़ा बहुत पैसा खर्च करेंगे और आगे बढ़ जाएंगे.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप कोई नया बिजनेस शुरू सकते हैं . आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा. आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे. आज आप बच्चों को कहीं घूमाने ले जा सकते हैं. परिवार में खुशहाली और तालमेल बना रहेगा. अगर आपकी संतान विवाह के लायक है, तो उनके लिये कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है. सेहत के लिहाज से आप फिट रहेंगे. ऑफिस में अपना काम अच्छे से पूरा करेंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समझौते और धैर्य का मन बना कर चलें. वाणी पर संयम रखें वरना विवाद हो सकता है. जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है. चीजों की नए सिरे से शुरुआत करनी पड़े, लेकिन आपके लिए ये अच्छा रहेगा. आज आप अपने निर्धारित किए गए कार्य को पूरा करेंगे. आपकी सेहत खराब हो सकती है. आप किसी भी कीमत पर अपने लक्ष्य को पाने की आशा ना छोड़ें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप व्यावसायिक रूप से बहुत सफल होंगे और आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी. आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और आपका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ जाएगा. आप अपने वरिष्ठों और सह–कर्मियों का ध्यान समान रूप से आकर्षित करेंगे. प्राधिकरण और रैंक के व्यक्ति आपके पक्ष में होंगे और आप एक उच्च जिम्मेदार पद पर आसीन हो सकते हैं. आपकी आमदनी बढ़ेगी.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बिना प्लानिंग किए भी कोई बड़ा काम जल्दी हो सकता है. आपके रिश्तों में अचानक बड़े बदलाव होने के योग हैं. मन की बात जताने और रूठे हुए लोगों को मनाने का समय है. इससे आप अच्छा महसूस करेंगे. आप में उत्साह भी बहुत रहेगा. मन में अच्छे विचार आएंगे. लोग आपसे आपके विचारों के बारे में बातें कर सकते हैं. आज आप अपने लिए नए अवसर तलाश करने की पूरी कोशिश करें. कुछ महत्व–पूर्ण लोगों से दोस्ती हो सकती है. परिवार से सहयोग मिलता रहेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 08 अप्रैल 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र, शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 09:15 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 07:55 तक
योग : शूल रात्रि 06:09 तक
करण : वणिज प्रातः 08:35 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 07:55 तक
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कामदा एकादशी व्रत , खरमास चालू है ,
भद्रा प्रातः 08:35 से रात्रि 09:15 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मैं बहुत कम उम्र से सार्वजनिक जीवन से जुड़ा हूं : अमित शाह

जयपुर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के कोटपूतली में कहा कि नाथ संप्रदाय ने सनातन धर्म को शक्ति देने का काम किया है। शाह, कोटपूतली में बाबा बालनाथ आश्रम में 108 कुंडीय रुद्र महामृत्युंजय महायज्ञ की महा पूर्णाहुति एवं सनातन सम्मेलन में शामिल हुए थे। शाह ने कहा, 'मैं बहुत कम उम्र से सार्वजनिक जीवन से जुड़ा हूं। कई सारे धार्मिक कार्यक्रमों में भी गया हूं, लेकिन इस प्रकार का समाज को जोड़ने वाला, व्यक्तियों को धर्ममय बनाने वाला और पर्यावरण की सेवा करने वाला प्रयास मैंने आज तक नहीं देखा।'

उन्होंने कहा कि इस आश्रम में बाबा बालनाथ की प्रेरणा से 16 वर्ष से लगातार यज्ञ का आयोजन बाबा बस्ती नाथ के प्रयास से हुआ है। शाह ने कहा, 'हमारे यहां अनेक संतों, महापुरुषों, ऋषियों व मुनियों का जन्म हुआ। बाबा बालनाथ जी भी ऐसे महायोगी थे, जिन्होंने इसी भूमि पर जन्म लेकर देश व विदेश में 84 धूनियों की स्थापना कर अपने पूरे जीवन को धर्ममय बनाने बनाने का काम किया।'

उन्होंने नाथ संप्रदाय की बात करते हुए कहा, 'महाप्रभु आदिनाथ से लेकर नौ गुरुओं तक और उसके बाद भी अनेक ऊर्जा के वाहकों के माध्यम से सनातन धर्म को नाथ संप्रदाय ने जरूरत के अनुसार शक्ति देने का काम किया है।' गृह मंत्री ने कहा कि वे यहां भाषण देने नहीं बल्कि बाबा बालनाथ जी की समाधि से ऊर्जा प्राप्त करने आये हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद थे।

राजस्थान हाईकोर्ट से आसाराम को बड़ी राहत

30 जून तक बढ़ाई गई जमानत

जोधपुर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। यौन उत्पीड़न के मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से अस्थायी राहत मिली है। अदालत ने सोमवार, 7 अप्रैल को सुनवाई के बाद उनकी अंतरिम जमानत की अवधि 30 जून 2025 तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने इस संबंध में दायर याचिका को स्वीकार कर लिया है। इससे पहले, बीते मंगलवार को अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने पर आसाराम ने दोपहर में जोधपुर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण किया था। जेल में करीब 10 घंटे बिताने के बाद रात 11:30 बजे उन्हें पाली रोड स्थित एक निजी अस्पताल 'आरोग्यम' में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि तबीयत बिगड़ने के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया।

इस मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई। पीड़िता के वकील ने अदालत को बताया कि आसाराम पूर्व में भी अदालती शर्तों का उल्लंघन कर चुके हैं,

ऐसे में उनकी अंतरिम जमानत को आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा। कोर्ट ने इस पर आसाराम के वकील से पूछा कि क्या उन्होंने प्रवचन देकर सुप्रीम कोर्ट की शर्तों का उल्लंघन किया है? अदालत ने इस पर दोनों पक्षों से शपथ पत्र (एफिडेविट) दाखिल करने को कहा। इस याचिका पर सुनवाई जस्टिस दिनेश मेहता और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने की। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 14 जनवरी 2025 को आसाराम को अंतरिम जमानत दी थी, जिसे जोधपुर हाई कोर्ट ने 31 मार्च तक बढ़ाया था। इसके बाद जमानत अवधि समाप्त होने पर आसाराम की ओर से इसे बढ़ाने के लिए एक नई याचिका दायर की गई थी।

आमजन से जो वादा किया है, वह समय पर पूरा होगा, यही हमारी कार्यशैली : भजनलाल

जयपुर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम 'विकसित भारत और विकसित राजस्थान' के विजन के साथ 'आपणो अग्रणी राजस्थान–आपणो स्वस्थ राजस्थान' के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेशवासियों से जो वादा किया है, वह हर हाल में समय पर पूरा होगा। इसमें कोई लापरवाही नहीं होगी, यही हमारी कार्यशैली है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने पिछले एक साल में स्वास्थ्य सेवाओं में सकारात्मक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज निरामय राजस्थान जैसे व्यापक जन अभियान और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का शुभारम्भ किया गया है। इनमें टाइप–1 डायबिटीज देखभाल के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत के पहले समर्पित कार्यक्रम मिशन मधुहारी की शुरूआत, मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना की शुरूआत, 24 मोबाइल मेडिकल यूनिट 'राम रथ' तथा 10 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस को हरी झण्डी, 29 यूनिट में स्तनपान प्रबन्धन इकाइयों का शुभारम्भ, ईट राइट राजस्थान अभियान तथा मिशन लीवर स्माइल का शुभारम्भ शामिल हैं। साथ ही, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च, आयुष पद्धति से उपचार के लिए पैकेज का शुभारम्भ, एआई आधारित एकीकृत मॉनिटरिंग सिस्टम, 50 चिकित्सा संस्थानों में हीमो डायलिसिस वार्ड का शुभारंभ भी आज किया गया। विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नवीन विभाग एवं अन्य सुविधाओं का भी आज लोकार्पण किया गया।

शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में निरामय राजस्थान अभियान एवं स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मरीज चिकित्सकों को भगवान के रूप में देखते हैं तथा चिकित्सक भी स्वस्थ समाज के निर्माण में महती भूमिका निभा रहे हैं। शर्मा ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की कि वे निरामय राजस्थान अभियान का हिस्सा बनकर इसको जन अभियान बनाएं और आयुष्मान राजस्थान के संकल्प को साकार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति की पद्धतियां स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देती हैं। साथ ही, संत–महात्माओं का भी अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में योगदान है। नवरात्र के नौ दिन संयम, उपवास और साधना के माध्यम से हमें यह सिखाते हैं कि हमारी संस्कृति में भी स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। गांव, गरीब और महिलाओं की पीड़ा को समझा है और स्वास्थ्य सेवाओं की कायापलट करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री जन–आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र जैसी योजनाओं से देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांति आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने टाइप–1 डायबिटीज़ देखभाल के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भारत के पहले समर्पित कार्यक्रम मिशन मधुहारी को शुरू किया है। उन्होंने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसकी शुरुआत जयपुर, नागौर, उदयपुर और जोधपुर के 12 जिला और उप जिला अस्पतालों से की गई। अब प्रदेश के सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से ये प्रारंभ की जा रही है। साथ ही, आज शुरू हुई मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना स्वास्थ्य सूचकांकों को बेहतर बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल है। इसके तहत प्रमुख स्वास्थ्य सूचकांक में शत–प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने वाली ग्राम पंचायत को 11 लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

स्वावलंबन पोर्टल से मिल रही दिव्यांगजनों को पहचान

श्रीगंगानगर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। 'दिव्यांगता बाधा नहीं, बल्कि नई शुरुआत का अवसर है।' माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की यही सोच प्रदेश के दिव्यांगजनों के लिए विश्वास की लौ बन रही है। इसी सोच को मजबूत बना रहा है भारत सरकार द्वारा संचालित स्वावलंबन पोर्टल, जो प्रदेश के पात्र दिव्यांगजनों की पहचान का आधार बन रहा है। प्रदेश का कोई भी पात्र दिव्यांगजन 'स्वावलंबन पोर्टल' के जरिए विशेष दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यूडीआईडी) के लिए आवेदन कर सकता है। पात्रता के अनुसार विशेष योग्यजनों को प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

वक्फ कानून ऐतिहासिक, कांग्रेस की राजनीति होगी खत्म : गौरव गौतम

चंडीगढ़,07 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के मंत्री गौरव गौतम ने वक्फ कानून को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि इसके जरिए लंबे समय से जमीनों पर कब्जा करने, शोषण और गुंडागर्दी करने वालों पर लगाम लगेगी। गौतम ने दावा किया कि यह कानून खास तौर पर गरीब मुस्लिम समुदाय को फायदा पहुंचाएगा और वक्फ बोर्ड के नाम पर होने वाली गुंडागर्दी को खत्म करेगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। गौतम ने कहा कि कांग्रेस हमेशा देशहित में लाए गए फैसलों का विरोध करती है, चाहे वह धारा 370 को हटाना हो, तीन तलाक पर कानून हो या कोई और सुधार।

उनके मुताबिक, कांग्रेस अब सिर्फ विरोध की राजनीति तक सिमट गई है और देश की जनता का उस पर से भरोसा उठ चुका है। गौतम ने यह भी कहा कि कांग्रेस की राजनीति अब खत्म होने की कगार पर है, क्योंकि वह समाज के लिए कुछ करना ही नहीं चाहती।गौतम ने हरियाणा में प्रस्तावित आईआईटी के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पलवल के लोग चाहते हैं कि यह संस्थान उनके जिले में बने।

पीएम मोदी की रैली के लिए हरियाणा के किसान ने किया सब कुछ न्यौछावर

यमुनानगर,07 अप्रैल (एजेंसियां)। किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं होता, वो ज़रूरत पड़ने पर देश का बेटा भी बन जाता है। इसका जीवंत उदाहरण हैं यमुनानगर के कैल गांव के किसान सुखदेव सिंह, जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 14 अप्रैल को होने वाली रैली के लिए अपनी 30 एकड़ उपजाऊ जमीन प्रशासन को सौंप दी। वो जमीन जहां गेहूं की बालियो हवा में झूम रही थीं, जहां गन्ने की कतारें खड़ी थीं और हरा चारा पशुओं के लिए तैयार था। फसल पूरी तरह पकने में अभी कुछ दिन बाकी थे, लेकिन देशहित को प्राथमिकता देते हुए सुखदेव सिंह ने आधी कच्ची फसलों पर भी कंबाइन चलवा दी। अब खेतों में रोड रोलर

दिन–रात चल रहे हैं, ताकि ज़मीन को रैली के लायक समतल किया जा सके।

किसान सुखदेव से जब इस बारे बात की गई तो उनकी आंखों में गर्व और बलिदान की चमक साफ दिखाई दे रही थी। उन्होंने कहा कि यह उनकी मेहनत थी, उनकी रोज़ी–रोटी थी। मगर जब सुना कि पीएम मोदी उनकी जमीन पर आएंगे तो लगा जैसे खुद देश उनकी चौखट पर आया है। ऐसे मौके ज़िंदगी में बार–बार नहीं आया करते।

किसान सुखदेव सिंह ने यह भी बताया कि सिंचाई के लिए डाली गई पाइपलाइनें मशीनों से टूट गई हैं। उन्हें अब न सिर्फ अपने घर के लिए गेहूं मंडी से खरीदना पड़ेगा, बल्कि पशुओं का चारा भी बाहर से लाना पड़ेगा। लेकिन इन सबके बीच न उन्हें कोई शिकायत है, और न पछतावा। सुखदेव ने कहा किसी ने मजाक उड़ाया, किसी ने कहा– 'फसल बर्बाद कर दी', मगर वह मुस्कुरा कर जवाब देते हैं कि प्रधानमंत्री मेरे खेत में कदम रखेंगे, इससे बड़ी इज़्ज़त और क्या हो सकती है? किसान सुखदेव सिंह ने अपने भाइयों हुकुम चंद, बलिंद्र और परिवार का भी आभार जताया, जिन्होंने इस फैसले में उनका साथ दिया। उनका मानना है कि ये सिर्फ एक रैली की ज़मीन नहीं है ये उस सोच की जमीन है जहां 'मैं' की जगह 'हम' है, और 'फायदे' की जगह 'फर्ज़' झलकता है।

भगवान राम हमारी संस्कृति और भारतीयता के प्रतीक हैं : सैनी

चंडीगढ़,07 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भगवान श्रीराम हमारी संस्कृति, परंपरा और 'भारतीयता' के प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सत्य, धर्म, कर्तव्य और मर्यादा का मार्ग दिखाता है। वे हमारे प्रेरणा के स्रोत हैं।मुख्यमंत्री ने राम नवमी के अवसर पर फ्रांस के पेरिस में प्रवासी हरियाणवी समुदाय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया। यह कार्यक्रम हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग द्वारा आयोजित किया गया।मुख्यमंत्री ने इस पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देते हुए कहा कि पूरा देश भगवान राम के नाम से गुंजायमान है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक श्रीराम जन्मोत्सव की धूम है। चारों ओर भक्ति का अद्भुत वातावरण है। श्रीराम नाम की धुन और भजनों की गूंज हर दिशा में सुनाई दे रही है। केवल भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी करोड़ों श्रद्धालु इस पर्व को उत्साह और उमंग से मना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राम नवमी हमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों और जीवन मूल्यों को याद करने का अवसर देती है। भगवान राम से हम यह भी सीखते हैं कि अपने जन्मस्थान से जुड़े रहना चाहिए। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी कैसे धैर्य रखते हुए सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चला जाए। उनका व्यक्तित्व हमें

पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करना सिखाता है। उनके आदर्श हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी जन्मभूमि अयोध्या हर भारतीय के लिए ऊर्जा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में निर्मित भव्य, दिव्य और नव्य श्रीराम मंदिर भारत का गौरव है और देशवासियों की आस्था का केंद्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें अभी भी 22 जनवरी 2024 के वे दृश्य याद हैं, जब अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के समय पूरा देश दिवाली मना रहा था। यह हमारे पुण्य कर्मों का ही फल है कि हम उस क्षण के साक्षी बने। राम नवमी का यह पर्व केवल भगवान राम के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य के मार्ग पर चलने वालों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अंततः जीत सत्य की ही होती है। श्रीराम के आदर्श न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन में, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी मार्गदर्शक हैं। आज जब हम विकसित हरियाणा–विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं, तो हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' का मंत्र भी रामराज्य के आदर्शों को साकार करने का प्रयास है। यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री 14 अप्रैल को हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के लिए हवाई सेवा का भी उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राम नवमी पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने समाज और राज्य में शांति, समृद्धि और सद्भाव के वातावरण को बरकरार रखेंगे।

यूपी में होगा सबसे बड़ा वैश्विक निवेशक सम्मेलन

33 लाख करोड़ निवेश की उम्मीद

लखनऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में इस वर्ष सर्दियों में एक और निवेश उत्सव मनाया जाएगा। यूपी में नवंबर से फरवरी के बीच वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएस) और भूमि पूजन समारोह (जीबीसी) होगा। यह अब तक का सबसे बड़ा निवेशक सम्मेलन होगा। निवेशक सम्मेलन में कम से कम 33 लाख करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव शामिल किए जाएंगे। वहीं, 3 लाख करोड़ रुपए का भूमि पूजन समारोह होगा। प्रदेश में एक इन्वेस्टर समिट, एक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और चार जीबीसी हो चुकी हैं।

प्रदेश को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए 110 लाख करोड़ रुपए के निवेश की जरूरत है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वर्ष 2025-26 में 88 लाख करोड़ रुपए के नए एमओयू या निवेश लीड चाहिए। इस लक्ष्य के लिए इन्वेस्ट यूपी और औद्योगिक विकास विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

पीसीएस स्तर के दो जॉइंट सीईओ के साथ निजी क्षेत्र के शीर्ष दिग्गजों को महाप्रबंधक स्तर के पदों के रूप में जोड़ा गया है। यूपी में अब तक 37.82 लाख करोड़ रुपए के 28743 एमओयू हो चुके हैं। इनमें पिछले वर्ष फरवरी में 10 लाख करोड़ के एमओयू जीबीसी में शामिल किए गए थे। इसमें से 2.76 लाख करोड़ के 6996 एमओयू के तहत इकाइयों में उत्पादन भी शुरू हो चुका है।

110 लाख करोड़ के नए निवेश के लिए इन्वेस्ट यूपी की टीम नई रणनीति पर काम कर रही है। सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) जिन देशों से आता है और सबसे ज्यादा निर्यात जिन देशों में किया जा रहा है, उन देशों पर ज्यादा फोकस है। इस वित्त वर्ष में देश में सबसे ज्यादा निवेशक सम्मेलन हुए। ये असम, राजस्थान, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल में हुए। यूपी की टीम इन पांचों प्रदेशों के सम्मेलन का अध्ययन कर नई पहल की रिपोर्ट तैयार कर रही है। जैसे कर्नाटक अपने निवेशक सम्मेलन में लैंड बैंक लेकर निवेशकों के बीच गया। इस फॉर्मूले को यहां लागू किया जा सकता है। पहली बार वेरीफाइड एमओयू और निवेशकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश में बेहतर कन्वर्जन हुआ है। गुजरात में कुल एमओयू में से 7 फीसदी का भूमि पूजन समारोह हुआ। असम में कुल एमओयू में से 12 फीसदी का भूमि पूजन समारोह हुआ। यूपी में कुल एमओयू में से 38 फीसदी का भूमि पूजन समारोह हुआ।

औद्योगिक विकास विभाग द्वारा निवेशकों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि आठ वर्ष में चार गुना बढ़ी है। वर्ष 2017-18 में जहां 575 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि निवेशकों को दी गई थी। वर्ष 2024-25 में ये बढ़कर 2229 करोड़ रुपए हो गई। इन्वेस्ट यूपी में वर्तमान में 14 आवेदन लंबित हैं। दो वर्ष में 55 कंपनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया जा चुका है। इनमें से 11 निवेश प्रत्यक्ष विदेश नीति के तहत आए हैं। इन 55 कंपनियों के जरिये प्रदेश में 42000 करोड़ रुपए निवेश किए जा चुके हैं।

इन्वेस्ट यूपी के सीईओ प्रथमेश कुमार ने कहा, प्रदेश की अर्थव्यवस्था दस खरब डॉलर बनाने के लिए 110 लाख करोड़ रुपए के एमओयू की जरूरत है। इसीलिए नवंबर से फरवरी के बीच वैश्विक निवेशक सम्मेलन कराया जाएगा, जो अबतक का सबसे बड़ा सम्मेलन होगा। इसी अवधि में न्यूनतम 3 लाख करोड़ का भूमि पूजन समारोह भी कराने की तैयारी है। निवेशकों की सुविधा और निवेश को जमीन पर उतारने के लिए सुनियोजित रणनीति के साथ काम हो रहा है। इसमें दिग्गज प्रोफेशनल्स की सेवाएं ली जा रही हैं।

सिद्धार्थनगर में सराफा व्यवसायी का कत्ल

सिद्धार्थनगर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। सिद्धार्थनगर के सदर थाना इलाके के बरगदवा गांव के पास शनिवार देर रात एक सराफा व्यवसायी की हत्या करके शव बोरी में बांधकर आग के हवाले कर दिया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने अधजला शव बरामद किया। व्यवसायी पड़ोस के बर्तन व्यापारी के घर हार देने गया था। व्यवसायी के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पड़ोसी व्यापारी और एक अन्य पर हत्या का केस दर्ज किया है।

सदर थाना क्षेत्र के बरगदवा गांव के पास शनिवार देर रात चकरोड से गुजर रहे लोगों ने खेत में कुछ जलता देखा। करीब पहुंचे तो बोरी में लाश जलती देख पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पुलिस पहुंची तब तक शव का कुछ हिस्सा जल चुका था। पुलिस की जांच में पता चला कि मोहाना थाने में एक युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई है। रविवार की सुबह मोहाना थाना क्षेत्र के भगवानुर गांव के टोला चैनपुर निवासी बलिराम वर्मा मोर्चरी पहुंचे तो उन्होंने शव की पहचान अपने भाई सुनील वर्मा (22) के रूप में की। बलिराम ने बताया कि उसके भाई ने रमवापुर चौराहे पर ज्वेलरी की दुकान खोली थी।

शनिवार को भी वह दुकान पर गया था और शाम को करीब छह बजे बात हुई तो उसने बताया कि वह पड़ोस के बर्तन व्यापारी गौहनिया निवासी हबीबुल्लाह के घर हार देने जा रहा है। शाम साढ़े छह बजे के बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ मिलने लगा। काफी प्रयास के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर रात में मोहाना थाने पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

सुबह लाश मिलने की जानकारी हुई। बलिराम ने आरोप लगाया कि गौहनिया निवासी हबीबुल्लाह और कृष्णा वर्मा ने उसके भाई की हत्या की है। आभूषण का बैग और नकदी गायब है। एसओ मोहाना अनूप कुमार मिश्र ने बताया कि हत्या का केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सराफा व्यवसायी सुनील वर्मा की हत्या के बाद पेट्रोल डालकर शव जलाकर उसका नामोनिशान मिटाने की कोशिश की गई। रविवार को मोर्चरी पहुंचे लोगों का कहना था कि हत्या का यह तरीका वारदात के पीछे किसी बड़ी वजह की तरफ इशारा कर रहा है। लोगों ने सवाल उठाया कि मामला अगर सिर्फ जेवर लूटने का होता तो मारपीट कर जेवर लूट लिया जाता। हत्या के बाद शव जलाने की कोशिश बड़े सवाल खड़े कर रही है। सुनील छह भाई-बहनों में सबसे छोटा था। बड़े भाई बलिराम ने बताया कि सुनील की 25 अप्रैल को शादी होनी थी। परिवार के लोग शादी की तैयारियों में जुटे थे। अचानक सारी खुशियां मातम में तब्दील हो गईं।

पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी के 10 ठिकानों पर ईडी का छापा

लखनऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में चिल्लूपार विधानसभा सीट से पूर्व विधायक और सपा नेता विनय शंकर तिवारी के लखनऊ, मुंबई सहित 10 ठिकानों पर ईडी ने सोमवार की सुबह छापेमारी की। तिवारी के गोरखपुर, लखनऊ, नोएडा और मुंबई के ठिकानों सहित देश में करीब 10 जगहों पर ईडी ने एक साथ छापामारी की। सोमवार की सुबह हुई इस कार्रवाई को एक साथ अंजाम दिया गया। ईडी ने उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार कर ली थी। जल्द ही उसे कोर्ट में पेश किया जाना है।

ईडी की जांच में सामने आया कि मेसर्स गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने प्रमोटरों, निदेशकों, गारंटरों के साथ मिलकर बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले सात बैंकों के कंसोर्टियम से 1129.44 करोड़ रुपए की क्रेडिट सुविधाओं का लाभ लिया था। बाद में इस रकम को उन्होंने अन्य कंपनियों में डायवर्ट कर दिया और बैंकों की रकम को वापस नहीं किया। इससे बैंकों के कंसोर्टियम को करीब 754.24 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।

पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी की 72.08 करोड़ रुपए की सम्पत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवंबर 2023 में जब्त कर दिया था।

ईडी ने यह कार्रवाई विनय तिवारी की कंपनी गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा बैंकों के कंसोर्टियम का करीब 1129.44 करोड़ रुपए हड़पने के मामले में की थी। बैंकों की शिकायत पर सीबीआई मुख्यालय ने केस दर्ज किया था, जिसके बाद ईडी ने भी विनय तिवारी समेत कंपनी के समस्त निदेशक, प्रमोटर और गारंटर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

2023 में ही राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय ने विनय तिवारी की गोरखपुर, महराजगंज और लखनऊ स्थित कुल 27 सम्पत्तियों को जब्त किया था, जिनमें कृषि योग्य भूमि, व्यवसायिक कांप्लेक्स, आवासीय परिसर, आवासीय भूखंड आदि शामिल हैं।

यूपी में इस बार 245 लाख मीट्रिक टन आलू का उत्पादन हुआ

लखनऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में इस वर्ष आलू का भरपूर उत्पादन हुआ है। इससे आलू के भाव इस साल सामान्य रहने की उम्मीद है। उद्यान विभाग ने आलू निर्यात को बढ़ावा देने का प्रयास शुरू कर दिया है। देशभर में पैदा होने वाले कुल आलू का करीब 35 प्रतिशत आलू का उत्पादन यूपी में होने का अनुमान है। प्रदेश में साल दर साल आलू का उत्पादन बढ़ रहा है। वर्ष 2020-21 में 160 लाख मीट्रिक टन आलू का उत्पादन हुआ था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर करीब 245 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आलू उत्पादक राज्यों में भी पैदावार अच्छी होने से भाव में उछाल की गुंजाइश कम है।

उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 2207 शीतगृह हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 192.43 लाख मीट्रिक टन है। अब तक करीब 144.10 लाख मीट्रिक टन आलू का कोल्ड स्टोर में भंडारण हो चुका है। ऐसे में अब कोल्ड स्टोर में करीब 48.33 लाख मीट्रिक टन भंडारण की जगह बची है। उन्होंने कहा कि सरकार शीतगृहों की संख्या और भंडारण क्षमता लगातार बढ़ा रही है।

प्रदेश में कहीं भी भंडारण की समस्या नहीं है। किसानों को समय से उचित मूल्य दिलाने की व्यवस्था गई है। उन्होंने कहा कि कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के भी प्रयास हैं। कहा, आगे से किसानों से उन किस्मों की ज्यादा बोआई कराई जाएगी, जिनका आसानी से निर्यात किया जा सके। इसके प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 669 लाख मीट्रिक टन हो गया है। वर्ष 2016-17 में जहां यह दर 5.1 फीसदी थी, वहीं 2023-24 में बढ़कर 13.7 प्रतिशत हो गई है। शासन के मुताबिक वर्ष 2016-17 में 557 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन था, जो 2023-24 में बढ़कर 669 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। यही नहीं खाद्यान्न उत्पादकता भी 27 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 31 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गई है।

तिलहन उत्पादन में भी 128 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 400 लाख टन फल और सब्जियों के उत्पादन के साथ प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। सरकार ने पीएम कुसुम योजना के तहत 76,189 से अधिक सोलर पंप आवंटित किए हैं। वहीं, मंडी व्यवस्था में तकनीक को बढ़ावा देने से कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों के जरिए सीडलिंग उत्पादन से 60 हजार महिलाओं को रोजगार मिला।

चलती कार में एथलीट के साथ गैंगरेप

दोस्त समेत छह मुस्लिम युवक गिरफ्तार

वाराणसी, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। वाराणसी के लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र स्थित हुकुलगंज की रहने वाली एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती के पिता के तहरीर के आधार पर 12 नामजद और 13 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने छह युवकों को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कई स्थानों से सीसीटीवी फुटेज भी जब्त किया है। दिल दहला देनी वाली घटना को अंजाम देने में मुख्य रूप से सोहेल, साजिद, दानिश, इमरान, जैब, राज खान और जाहिर को अभियुक्त बनाया गया है।

पीड़िता के पिता के अनुसार उनकी बेटी स्पोर्ट्स कोटे में दाखिले की तैयारी कर रही है। इसके लिए वो यूपी कॉलेज परिसर में रनिंग के लिए जाती है। 29 मार्च को वो घर से लापता हो गई थी। परिवार के लोग बेटी के तलाश में कई जगहों पर गए। जब कही पता नहीं लगा तो चार अप्रैल को लालपुर पांडेयपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

उसी दिन शाम को पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया। लेकिन घर पहुंचने के बाद युवती काफी डरी हुई थी। युवती ने अपने साथ हुई दरिंदगी की दास्तान जब परिजनों को सुनाया तो उनके होश उड़ गए। परिजनों द्वारा पुलिस को घटना की पूरी जानकारी दी गई। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर छह युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि 29 मार्च से चार अप्रैल के बीच बेटी के साथ अलग-अलग जगहों पर 23 लोगों ने गलत कार्य किया। तहरीर के आधार पर 29 अप्रैल को युवती अपने दोस्त के घर गई थी। रास्ते में उससे राज नाम का एक युवक मिला था , जो उसे लेकर लंका कैफे में गया था। आरोप है कि उसने नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया। उसके बाद समीर और उसके दोस्तों ने गलत काम किया। 31 मार्च को युवती के साथ सोहेल, अनमोल, साजिद, दानिश जाहिर ने भी नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया। साजिद अगले दिन युवती को लेकर होटल पहुंचा था। जहां एक अज्ञात व्यक्ति पहले से मौजूद था। इसी तरह कई लोगों ने बारी-बारी से युवती के साथ दुष्कर्म किया।

वरुणा जोन डीसीपी चंद्रकांत मीना ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। छह लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। पकड़े गए युवकों से पूछताछ जारी है। सभी के एक दूसरे के कनेक्शन को भी खंगाला जा रहा है। सभी आरोपियों की पहचान के लिए शहर के कई इलाकों से लिए गए सीसीटीवी फुटेज की जांच भी की जा रही है। साथ में सभी के कॉल डिटेल भी चेक किए जा रहे है।

रामनवमी पर खेत की खुदाई में प्रकट हुए हनुमान

बरेली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली के इज्जतनगर स्थित रूपापुर बढ़ेपुरा गांव में किसान मोतीराम गंगवार को खेत की खोदाई के दौरान हनुमान जी की प्रतिमा मिली। किसान ने फौरन दावा भी ठोक दिया कि वर्षों से उसके सपने में बालाजी आ रहे हैं। हनुमान जी की प्रतिमा मिलने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ दर्शन करने जुटने लगी। प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर चढ़ावा भी शुरू कर दिया। लगातार बढ़ती भीड़ की खबर मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने भीड़ को हटाया।

किसान मोतीराम ने बताया कि वह लंबे समय से बालाजी महाराज की सेवा करते आ रहे हैं। वर्षों से बालाजी महाराज उनके सपने में आते थे। कहते हैं कि मैं तेरे साथ रहूंगा। मैं गांव में ही हूं, तेरे खेत में हूं। तू मेरा विशाल मंदिर बनवा दे।

जमीन ने उगले नोट : घर और खेत में गड्ढों में दबे मिले पांच करोड़

बागपत, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। बागपत और शामली में गड्ढों में दबाए गबन के पांच करोड़ रुपए पुलिस ने बरामद किए हैं। एटीएम में डालने के लिए बैंक से 5.26 करोड़ रुपए निकाले गए थे। ये रुपए घर और खेत में गड्ढे खोदकर दबा रखे थे।

बागपत में एटीएम में डालने के लिए 5.26 करोड़ रुपए बैंक से लेकर गबन करने के मुख्य आरोपियों रॉकी और गौरव ने रिमांड के चौथे दिन पांच करोड़ रुपए बरामद करा दिए।

गौरव ने आरिफपुर खड़खड़ी गांव में अपने घर में गड्ढा खोदकर तो रॉकी ने अपने गांव हसनपुर जिला शामली में खेत में रुपए दबाए हुए थे।

रिमांड की अवधि पूरी होने पर सोमवार (आज) को इन दोनों के साथ ही चंडीगढ़ पुलिस के इंस्पेक्टर समेत सभी छह आरोपियों को जेल भेजा जाएगा। दोनों मुख्य आरोपी गौरव निवासी आरिफपुर खड़खड़ी और रॉकी निवासी हसनपुर जिला शामली 25 मार्च को तमंचे व कारतूस के साथ गिरफ्तार हो गए थे। जांच में मुख्य आरोपियों और चंडीगढ़ पुलिस की सेटिंग का खुलासा होने पर चंडीगढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया। चंडीगढ़ पुलिस इंस्पेक्टर, दो सिपाहियों और मनीष निवासी जौहड़ी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

चंडीगढ़ जेल में बंद गौरव, रॉकी, इंस्पेक्टर समेत छह आरोपियों को बागपत में बी वारंट पर लाया गया और उनको बागपत जेल में शिफ्ट किया गया। इसके बाद न्यायालय से पांच दिन का रिमांड लेकर पुलिस ने छह आरोपियों को जेल से लाकर पूछताछ शुरू की। इनमें सबसे पहले आरोपी मनीष निवासी जौहड़ी ने चंडीगढ़ में छिपाकर रखे 50 हजार रुपए बरामद कराए। रविवार को शामली के हसनपुर गांव में रॉकी ने अपने खेत में गड्ढा खोदकर दबाए गए रुपयों का बैग बरामद कराया। आरिफपुर खड़खड़ी में गौरव ने घर में भूसे के नीचे गड्ढे में दबाए गए रुपयों का बैग बरामद कराया।

एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि गबन के आरोपियों की निशानदेही पर पांच करोड़ रुपए बरामद किए गए हैं, जिनकी गिनती चल रही है।

बाकी रुपए उन्होंने मौज मस्ती पर खर्च कर दिए तो कुछ चंडीगढ़ पुलिस, दोस्त व वकील को दिए। सोमवार को आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

इस मुकदमे में गौरव व रॉकी के कई अन्य परिजनों को भी आरोपी बनाया जाएगा।

इंटर मियामी को टोरंटो एफसी ने 1-1 की बराबरी पर रोका

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

फोर्ट लॉडरडेल, फ्लोरिडा में रविवार रात लियोनेल मेसी की इंटर मियामी और फेडेरिको बेनर्डिस्की की टीम टोरंटो एफसी के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ समाप्त हुआ।

गए मुकाबले में मेसी और फेडेरिको बेनर्डिस्की ने अपनी अपनी टीमों के लिए एक-एक गोल किए। इस ड्रॉ के साथ इंटर मियामी (4-0-2, 14 अंक) ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में पहले स्थान से फिसल गई, जबकि टोरंटो एफसी (0-4-3, 3 अंक) ने एक मुश्किल मुकाबले से अंक हासिल किया।

पूरी ताकत के साथ उतरी इंटर मियामी, फिर भी जीत नहीं मिली

इंटर मियामी की इस नाकामी को और निराशाजनक इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि टीम में लियोनेल मेसी के साथ लुइस सुआरेज, जॉर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी शुरुआत से ही मैदान पर मौजूद थे। बावजूद इसके टीम दो बार गोल करने के बाद भी स्कोरबोर्ड पर बढ़त नहीं बना सकी, क्योंकि एक गोल को ऑफसाइड और दूसरे को फाउल करार देकर खारिज कर दिया गया। हालांकि, मेसी ने हाफ टाइम से ठीक पहले पांचवें मिनट की इंजरी टाइम में जवाबी हमला करते हुए टेलास्को सेगोविया की पास पर बॉक्स के बाहर से बाएं पैर से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। यह मेसी का इस सीजन एमएलएस में तीसरा और सभी प्रतियोगिताओं में कुल छठा गोल रहा।

पहले टोरंटो ने मारा गोल, फिर मेसी ने दिलाई बराबरी

दूसरे हाफ की शुरुआत में, 47वें मिनट में लोरेंजो इन्सिन्ये के क्रॉस पर बेनर्डिस्की ने शानदार कंट्रोल दिखाते हुए दो डिफेंडरों से घिरे होने के बावजूद गोल कर टोरंटो को 1-0 की बढ़त दिलाई।

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन कोच रेप के आरोप में गिरफ्तार

बेंगलुरु। यहां एक 16 साल की नाबालिग छात्रा के साथ बलात्कार के आरोप में एक बैडमिंटन कोच को गिरफ्तार किया गया है। इस कोच पर आरोप है कि उसने प्रशिक्षण सत्र के दौरान ही इस छात्रा को अपना शिकार बनाया।

पुलिस ने इस मामले के पॉक्सो के तहत दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी कोच का मोबाइल भी जब्त किया है। पुलिस को उसके फोन में कथित तौर पर 13 से 16 साल की उम्र की आठ लड़कियों के अश्लील वीडियो भी मिले हैं। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। यह सामने आया है कि आरोपी लड़की से उसके प्रशिक्षण सत्र के दौरान संपर्क करता था, उसे अपने घर पर बुलाता था और उसके साथ बलात्कार करता था। उसने कथित तौर पर इन घटनाओं को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड किया। आरोप है कि उसने पीड़ित छात्रा को धमकाया था कि इस बारे में किसी को न बताए। इससे छात्रा डर गई थी पर लगातार उत्पीड़न के बाद उसने मां को बताया। इसके बाद इस कोच की हरकत का खुलासा हुआ। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार एक महिला ने एक शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि महिला की बेटी के साथ बैडमिंटन के कोच ने बलात्कार किया है। इस मामले में आरोपी को पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज करके कार्रवाई की गई है। आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और बाद में अतिरिक्त मुख्य महानगर दंडाधिकारी (एसीएमएम) अदालत के समक्ष पेश किया गया।

चैंपियंस ट्रॉफी खेलने का अवसर नहीं मिलने से अब भी दुखी हैं सिराज

अहमदाबाद। आईपीएल में गुजरात टाइटन्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शामिल नहीं किये जाने से अब भी दुखी हैं। तब ये कहकर सिराज को शामिल नहीं किया गया था कि वह नई गेंद से प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाते हैं। वहीं आईपीएल में सिराज ने अपने प्रदर्शन से इसे गलत साबित कर दिया है। सिराज को अब तक दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला है। अवार्ड समारोह में सिराज अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये और उन्होंने कहा, जब आप अपने घरेलू मैदान पर आते हैं, तो यह एक अलग ही बात होती है। परिवार भी देख रहा होता है और इससे आपको आत्मविश्वास भी मिलता है। वहीं पिछले सात सत्र में आरसीबी की ओर से खेलने के दौरान ये बात नहीं थीं। टीम बदलने के बाद मैंने अपनी गेंदबाजी, क्षेत्ररक्षण और मानसिकता में जो काम किया है, उससे मुझे सहायता मिल रही है। इसके बाद सिराज ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए चयन नहीं होने को लेकर कहा, शुरुआत में मुझे बेहद निराशा हुई पर इसके बाद मैंने अपने को समझाया और अपनी मानसिकता, अपनी फिटनेस बेहतर करने पर ध्यान दिया। अब मैं अपनी गेंदबाजी का आनंद ले रहा हूं। सिराज ने साथ ही कहा, जब आपका चयन राष्ट्रीय टीम के लिए) नहीं होता है, तो दुख तो होता ही है पर इसके बाद मैंने आईपीएल पर ध्यान दिया और अब इसका लाभ मुझे मिल रहा है।

क्लार्क ने यशस्वी और सैमसन की जोड़ी को शानदार बताया

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने आइपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की जोड़ी की जमकर प्रशंसा की है। क्लार्क ने कहा है कि ये दोनो किसी भी मैच को पलट सकते हैं। क्लार्क ने कहा, 'जायसवाल शुरुआती मैच में असफल होने के कारण पंजाब के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान ज़्यादा सतर्क थे। कुछ अच्छे शॉट्स लगाने से उनका मनोबल बढ़ा जिससे टीम तेजी से आगे बढ़ी। वह मैदान के चारों ओर शॉट मारता है। उसे लेग साइड पसंद है, लेकिन कीपर के ऊपर से ऊपर की ओर शॉट मारना और उसका कवर ड्राइव उसके पास सभी शॉट हैं। अगर वह शुरुआत में संयम से खेले और कुछ गेंदें और पहले ओवर में जमीनी शॉट लगाये तो विरोधी टीम के लिए काफी मुश्किलें पैदा कर सकता है। उन्होने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स पहले से अलग टीम नजर आयी है। उसकी सलामी जोड़ी विस्फोटक है। उसके बल्लेबाज काफी अच्छे हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने युवा रियान पराग की जमकर प्रशंसा की ओर कहा, 'मुझे वाकई लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के लिए पंजाब के खिलाफ मैच में रियान पराग की पारी काफी अहम थी। ये सही है कि उन्हें यशस्वी ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी पर बाद में पराग ने स्कोर आगे बढ़ाया।

मुंबई फिर जीत के करीब आकर हारी, 10 साल बाद आरसीबी को वानखेड़े में मिली जीत

मुंबई, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस को एक बार फिर रोमांचक मुकाबले में हार मिली है। आरसीबी के खिलाफ मुंबई को आखिरी 8 ओवर में 123 रन चाहिए थे। यहां से टीम की हार पक्की दिख रही थी लेकिन फिर हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा ने मैच में रोमांच ला दिया। दोनों के बीच 34 गेंदों पर 89 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि चार गेंदों के भीतर दोनों ही आउट हो गए और मुंबई को हार मिली। पहले खेलते हुए आरसीबी ने 221 रन बनाए थे। मुंबई की टीम 9 विकेट पर 209 रन ही बना सकी और 12 रनों से हार गई। 2015 के बाद आरसीबी ने वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई को हराया है।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए विराट कोहली ने 67 जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने 64 रनों की तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली। जनवरी के बाद पहली बार जसप्रीत बुमराह कोई प्रोफेशनल मैच खेलने मैदान पर उथरे। कोहली ने 42 गेंदों पर 67 रनों की पारी के साथ इस सत्र का अपना दूसरा अर्धशतक लगाया। पाटीदार की 32 गेंदों में 64 रन (पांच चौके, और चार छक्के) और जितेश शर्मा की 18 गेंदों में 40 रन (दो चौके और चार छक्के) की आक्रामक पारियों ने खराब फॉर्म में चल रही मुंबई इंडियंस को 222 रनों का लक्ष्य मिला।फिल साल्ट (चार) ने ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ पारी की पहली गेंद पर चौका जड़ा लेकिन दूसरी गेंद पर बोल्ड हो गये। इस विकेट का कोहली की पारी पर कोई असर नहीं हुआ। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल (22 गेंद में 37 रन) के साथ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पावर प्ले में एक विकेट पर 72 रन बना लिये। आरसीबी ने शुरुआती तीन ओवरों में दबदबा बना लिया था जसके बाद चौथे ओवर में मुंबई इंडियंस ने बुमराह को गेंद थमाई और कोहली ने भारतीय टीम के अपने साथी का स्वागत छक्का लगाकर किया।

आरसीबी ने लगभग 10 रन प्रति ओवर के रन रेट से आगे बढ़ते हुए पावरप्ले के आखिरी ओवर में दीपक चाहर के खिलाफ 20 रन बटोरे। इस ओवर में पडिक्कल ने दो छक्के और एक चौका जड़ा। पडिक्कल ने आक्रामक रुख अपनाते हुए तीन छक्के और दो चौके लगाये। वह नौवें ओवर में विग्नेश पुथुर की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हुए। उन्होंने कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 52 गेंद में 91 रन की साझेदारी की।

विराट कोहली ने 15वें ओवर मे हार्दिक पंड्या की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को डीप मिडविकेट के क्षेत्र में नमन धीर को कैच थमाया। पाटीदार ने विकेट से सामने आक्रामक शॉट खेलने के साथ विकेट के पीछे भी सहजता से रन बनाये। उन्होंने मात्र 25 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 17वें ओवर में मुंबई के हार्दिक के खिलाफ 23 रन बटोरे।पाटीदार को 19वें ओवर में बोल्ट की गेंद पर विकेट के पीछे रियान रिकेलटन ने शानदार कैच लपककर पवेलियन की राह दिखाई।

धोनी बोले, आईपीएल से संन्यास का फैसला फिटनेस के आधार पर करुंगा

चेन्नई, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा है कि अभी वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास नहीं ले रहे और इस मामले में कोई भी फैसला अपनी फिटनेस के आधार पर करेंगे। धोनी ने कहा कि वर्तमान सत्र के बाद अपनी फिटनेस का आंकलन करने के बाद ही वह अगले सत्र में खेलने पर कोई फैसला करेंगे। वहीं आईपीएल से संन्यास के बारे में पूछे गए सवाल पर धोनी ने कहा कि मैं अभी भी आईपीएल में खेल रहा हूं और इसी पर ध्यान दे रहा हूं। मैं अभी 43 साल का हूं और एक बार में एक साल तक की ही बात कर सकता हूं। जब यह सत्र खत्म होगा, तब तक मैं 44 साल का हो जाऊंगा। इसलिए, मेरे पास यह तय करने के लिए अभी करीब 10 महीने हैं कि मैं अगले साल खेल सकता हूं या नहीं।

उन्होंने कहा कि ये मेरे चाहने या न चाहते की जगह फैसला इस पर आधारित होगा कि मेरा शरीर क्या चाहता है। यह शरीर है जो आपके लिए फैसले लेता है। मैं खेल जारी रख सकता हूं या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि मैं शारीरिक रूप से कैसा महसूस करता हूं। अभ मैं इस बात पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रहा हूं कि इस सत्र में क्या करना होगा। वहीं इस सत्र में धोनी का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और वह बल्लेबाजी में भी निचले क्रम पर उतरे।

धोनी ने कहा कि खेल में मिली सफलता कड़ी मेहनत और अनगिनत व्यक्तियों के समर्थन का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल के दिनों से ही मेरे माता-पिता, मेरे खेल शिक्षक और वे लोग जिनके साथ मैंने अपने शुरुआती मैच खेले, सभी ने इसमें भूमिका निभाई। यहां तक कि टेनिस-बॉल क्रिकेट ने भी मुझे कई चीजें सिखाई, हालांकि इसमें भी कुछ अजीब चीजें भी हैं। उन्होंने कहा कि असफलताएं खेल का हिस्सा हैं पर जो मायने रखता है वह वापसी करने की क्षमता है। धोनी ने कहा कि जीवन में कोई बड़ा या छोटा अवसर नहीं होता। सभी मायने रखते हैं। मैं कई लोगों का आभारी हूं। कुछ को तो यह भी नहीं पता होगा कि मैं उनका आभारी हूं।

सूजूका में जापानी ग्रांट प्री रेस में जीत का जश्न मनाते हुए

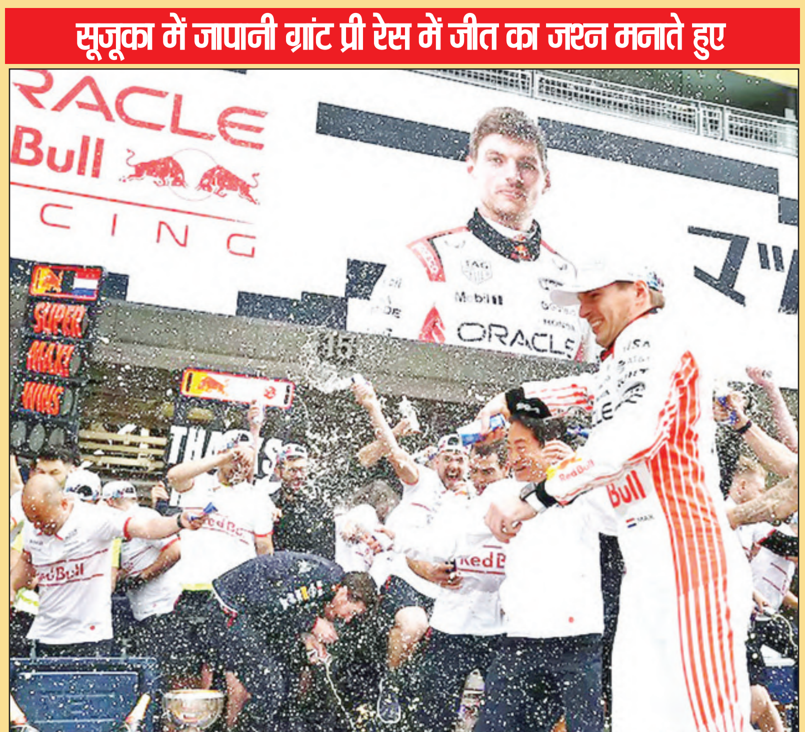

सूजूका में जापानी ग्रांट प्री रेस में जीत के बाद साथियों के साथ जश्न मनाने हुए रेड बुल के मैक्स वर्सटेपन।

रुद्रांक्ष ने शूटिंग वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता गोल्ड, बाबूता सातवें स्थान पर

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष बलासाहेब पाटिल ने रविवार को अर्जेंटीना में चल रहे आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही अर्जुन बाबूता फाइनल में सातवें स्थान पर रहे।

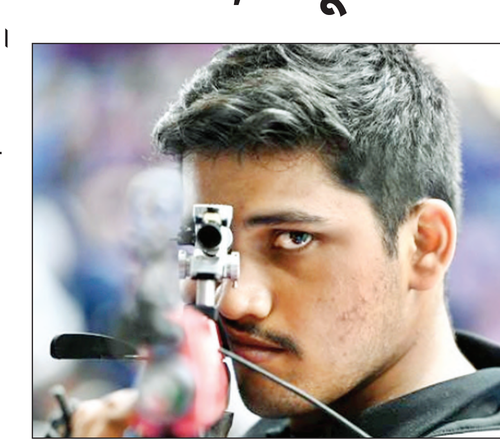

शानदार शुरुआत से अंत तक छाए रहे रुद्रांक्ष

रुद्रांक्ष ने फाइनल की शुरुआत से ही बढ़त बना ली थी। पहले सीरीज में 53.2 अंक जुटाकर वह टॉप पर रहे और पूरे फाइनल के दौरान अपनी पकड़ बनाए रखी। हंगरी के इस्तवान पेनी एक बार उन्हें चुनौती देने की स्थिति में आए, लेकिन रुद्रांक्ष ने जल्द ही वापसी करते हुए गोल्ड मेडल पक्का कर लिया। पेनी को सिल्वर से संतोष करना पड़ा।

बाबूता नहीं दिखा सके दम, जल्दी हुए बाहर

दूसरी ओर अर्जुन बाबूता का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने शुरुआती पांच शॉट्स में सिर्फ 50.4 अंक हासिल किए। हालांकि एक 10.5 स्कोर ने उन्हें पहले एलिमिनेशन से बचा लिया, लेकिन अगली सीरीज में वह बाहर हो गए और सातवें स्थान पर रहे।

चीन और अर्जेंटीना के निशानेबाजों ने दी टक्कर

चीन के वांग होंघाओ ने कई बार एलिमिनेशन से खुद को बचाया, लेकिन ब्रॉन्ज मेडल की दौड़ में वह अर्जेंटीना के एम.जे. गुटिरेज़ से पिछड़ गए। गुटिरेज़ ने घरेलू दर्शकों के सामने कांस्य पदक अपने नाम किया।

क्वालिफिकेशन में भारतीयों का दबदबा

इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में बाबूता और रुद्रांक्ष ने क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। बाबूता ने 634.5 और रुद्रांक्ष ने 633.7 स्कोर किया।

किरण अंकुश जाधव ने भी टॉप आठ में जगह बनाई लेकिन वह आरपीओ (रैंकिंग पॉइंट्स ओनली) के तहत खेल रहे थे, जिससे वह फाइनल में जगह नहीं बना सके।

एफसी गोवा से हार कर भी बेंगलुरु एफसी बनी बाजीगर, पहुंची फाइनल में

गोवा, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

एफसी गोवा ने रविवार रात अपने घरेलू मैदान फतोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सेमीफाइनल के दूसरे चरण में बेंगलुरू एफसी को 2-1 से हरा दिया लेकिन ब्लूज ने बेहतर गोल अंतर के आधार पर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। बेंगलुरू एफसी के पक्ष में गोल अंतर 3-2 रहा, क्योंकि उसने अपने घर में खेले गए डबल-लेग सेमीफाइनल के पहले मैच में गौर्स को 2-0 से हराया था।

अनुभवी स्ट्राइकर सुनील को निर्णायक गोल करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। जीत के बावजूद गौर्स के बाहर होने से स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज जरूर निराश होंगे, क्योंकि गोल अंतर के आधार पर उनकी टीम का सफर इस सीजन में समाप्त हो गया है।

वहीं, ब्लूज भले ही मैच हारे लेकिन वे अपने घरेलू प्रदर्शन के आधार पर फाइनल में पहुंच गए हैं और इससे स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे।

मैच का पहला गोल 49वें मिनट में आया, जब स्थानापन्न स्पेनिश मिडफील्डर बोर्जा हेरारा ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 (कुल गोल अंतर 1-2) कर दिया। पेनल्टी बॉक्स के ठीक

बाहर मिली फ्री-किक पर बोर्जा हेरारा ने करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को बॉटम लेफ्ट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि बेंगलुरू एफसी के अनुभवी गोलकीपर गुरप्रीत संधू बचाव करने में नाकाम रहे। यह इस सीजन में हेरारा का छठा गोल है।

88वें मिनट में अल्बेनियाई स्ट्राइकर अर्मांडो सादिकु ने इस सीजन में अपना दसवां गोल करके एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 (कुल गोल अंतर 2-2) कर दिया।

लेफ्ट-बैक आकाश सांगवान ने बायीं तरफ से क्रॉस डालकर गेंद को सेंटर किया, जिस पर सादिकु ने हैडर से गेंद को बॉटम राइट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि बेंगलुरू एफसी के अनुभवी गोलकीपर गुरप्रीत संधू बचाव नहीं कर पाए।

स्टॉपेज टाइम के दौरान 90+2वें मिनट में स्थानापन्न स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने इस सीजन का अपना 14वां गोल करके बेंगलुरू एफसी को कुछ राहत पहुंचाते हुए स्कोर स्कोर 1-2 (कुल गोल अंतर 3-2) कर दिया।

कॉर्नर किक के दौरान नामग्याल भूटिया ने बॉक्स के अंदर बायीं तरफ से दाहिनी तरफ से क्रॉस डाला, जिस पर सुनील ने बॉक्स के अंदर से हैडर लगाकर गेंद को गोल जाल में उलझा दिया।

गेंद पर ज्यादा नियंत्रण एफसी गोवा का 62 फीसदी रहा। गौर्स ने सात प्रयास भी किए, जिनमें से तीन शॉट टारगेट पर रखे लेकिन पूरे हाफ के दौरान दबदबा बनाए रखने के बावजूद गोल नहीं कर पाए। वहीं, गेंद पर 38 फीसदी कब्जा रखने वाली बेंगलुरू एफसी की ओर से किए गए दोनों प्रयास टारगेट पर नहीं थे, लिहाजा गोल नहीं आया। हालांकि ब्लूज ने बेहतर रणनीति के साथ खेलते हुए मेजबान टीम को ज्यादा अवसर न देकर अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

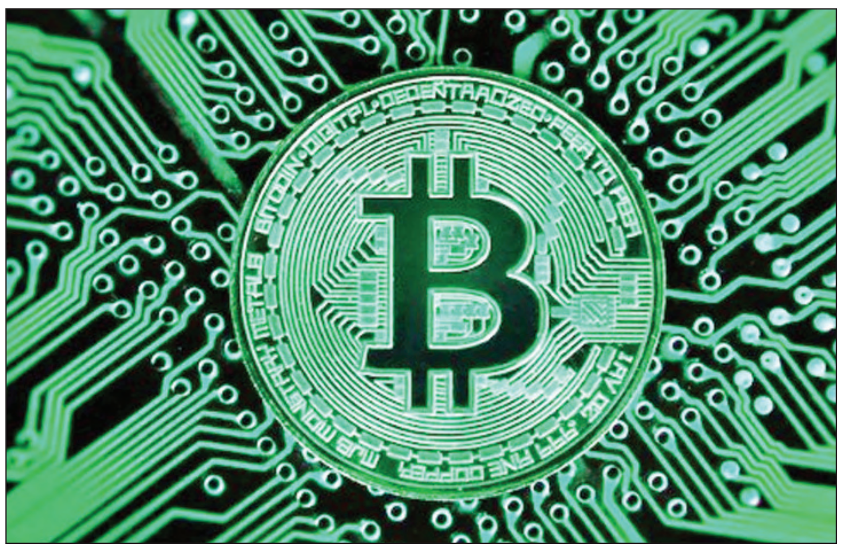

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी से क्रिप्टो मार्केट भी गिरा 77 हजार डॉलर से भी नीचे आया बिटकॉइन

नई दिल्ली,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण दुनिया भर के स्टॉक मार्केट में हलचल मचने के साथ ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में भी जबरदस्त गिरावट आ गई है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत लगातार गिरती जा रही है। जनवरी में 1,09,000 डॉलर के स्तर को पार करने वाला बिटकॉइन के कारोबार में 76,753 डॉलर के स्तर तक गिर चुका है।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में स्ट्रैटेजिक क्रिप्टो रिजर्व बनाने और क्रिप्टो से जुड़े नियमों में ढील देने की बात कही थी। इसी वजह से चुनाव परिणाम आने के बाद बिटकॉइन की कीमत में जोरदार तेजी दर्ज की गई थी। चुनाव परिणाम आते ही 6 नवंबर, 2024 को इस क्रिप्टो करेंसी ने पहली बार 75 हजार डॉलर के आंकड़े को पार किया था। इसके बाद लगातार तेजी दिखाते हुए ये क्रिप्टो करेंसी 20 जनवरी, 2025 को अपने सर्वोच्च स्तर 1,09,114.88 डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गई। बिटकॉइन में आई इस तेजी के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ का राग छेड़ना शुरू कर दिया, जिससे ग्लोबल ट्रेड वॉर शुरू होने की आशंका बन गई। इस वजह से स्टॉक मार्केट की तरह ही क्रिप्टो करेंसी मार्केट में भी दबाव बन गया, जिससे बिटकॉइन की चाल में भी गिरावट आने लगी। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी लागू होने के बाद इस क्रिप्टो करेंसी की चाल में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है। बिटकॉइन फिलहाल अपने ऑल टाइम हाई लेवल से 29 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो चुका है। के कारोबार में ये क्रिप्टो करेंसी लुढ़क कर 76,753.35 डॉलर के स्तर तक गिर चुकी है। बिटकॉइन की तरह ही दूसरी प्रमुख क्रिप्टो करेंसीज भी अमेरिका की नई ट्रेड पॉलिसी की वजह से बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं।

न्यूज ब्रीफ

माइक्रोडेटा: एमओएसपीआई का नया अभियान

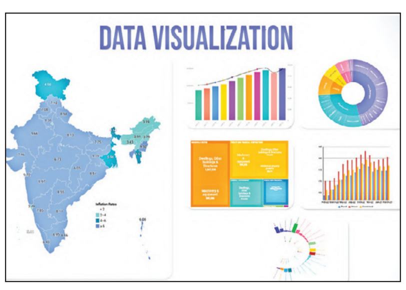

नई दिल्ली। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने विप्लवात्मक प्रौद्योगिकी के साथ नई माइक्रोडेटा मंच की शुरुआत की है। इस मंच का उद्देश्य सार्वजनिक आंकड़ों को सुविधाजनक और दृढ़ ढंग से पहुंचाना है। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि नया मंच राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और आर्थिक जानकारी से एकत्रित व्यापक सांख्यिकीय आंकड़ों के लिए एक केंद्रीकृत भंडार के रूप में काम करेगा। यह मंच पिछले सिस्टम के तकनीकी कड़ीयों को सुधारकर उपयोगकर्ताओं का अनुभव बेहतर बनाएगा। विश्व बैंक के प्रौद्योगिकी दल के सहयोग से, यह प्रणाली नए सुरक्षा मानकों का पालन करने के साथ ही उत्तरदायित्वपूर्ण तंत्र को भी समर्थित करेगी। मंत्रालय ने कृत्रिम मेधा/मशीन लर्निंग का प्रमाण (पीओसी) भी पेश किया है, जो राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण के उपयोग को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही, राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली प्रशिक्षण अकादमी की वेबसाइट भी लॉन्च की गई है। इस नए पहल के माध्यम से, एमओएसपीआई एक सुगम और स्केलेबल ढंचे का इस्तेमाल करके देश में विकास को गति देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

देश के कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल डीजल, बिहार में बढ़े भाव, ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर टूटकर 63.33 डॉलर प्रति बैरल हुआ

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर से कच्चे तेल की कीमत में वैश्विक बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई है। इसका असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा और सोमवार को सरकारी तेल कंपनियों ने कई शहरों में तेल के दाम घटा दिए हैं। यूपी, हरियाणा सहित कई राज्यों में सोमवार को तेल सस्ता हुआ है, जबकि बिहार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 94.58 रुपये लीटर बिक रहा है. डीजल भी 13 पैसे गिरा और 87.68 रुपये लीटर पहुंच गया है. हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 21 पैसे गिरकर 94.96 रुपये और डीजल 20 पैसे टूटकर 87.82 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 51 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 49 पैसे महंगा होकर 92.92 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बड़ी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब ढाई डॉलर टूटकर 63.33 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बड़ी गिरावट के साथ 59.81 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

अमेरिका को भारत के निर्यात में उच्च शुल्क से 5.76 अरब डॉलर गिरावट के आसार: जीटीआरआई

नई दिल्ली। अमेरिकी शुल्क में वृद्धि के कारण इस वर्ष समुद्री सामान, सोना, इलेक्ट्रिकल, और इलेक्ट्रॉनिक जैसे क्षेत्रों से अमेरिका को भारत के माल निर्यात में 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आने के आसार हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने ऐसा आकलन किया है। यह गिरावट भारत की प्रतिस्पर्धी स्थिति को नुकसान पहुंचाने के लिए भी जिम्मेदार हो सकती है। अमेरिका ने दवा सेमीकंडक्टर, और कुछ ऊर्जा वस्तुओं को छोड़कर भारतीय वस्तुओं पर नौ अप्रैल से 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की है। इससे 2025 में भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 5.76 अरब अमेरिकी डॉलर या 6.41 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इससे प्रमुख उत्पाद समूहों में कमी की संभावना जताई गई है।

आरबीआई की पहली एमपीसी बैठक शुरू रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

मुंबई,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की वित्त वर्ष 2025-26 में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की पहली समीक्षा बैठक सोमवार को यहां शुरू हो गई। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में आयोजित तीन दिवसीय द्वमासिक यह बैठक 7 से 9 अप्रैल तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे इस बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देंगे। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस बार भी रिजर्व बैंक रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करेगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में तीन दिवसीय द्वमासिक मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक की शुरुआत हो गई है, जो 9 अप्रैल तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे इस बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देंगे। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि रिजर्व बैंक इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है।

मौद्रिक नीति समिति क्या है

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 सदस्य रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी 3 सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। छह सदस्यीय इस समिति को मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मौद्रिक पॉलिसी बनाने के अलावा प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें निर्धारित करने का काम सौंपा गया है। ये बैठक आमतौर पर प्रत्येक दो महीने में होती है।

क्या होता है रेपो रेट

रेपो रेट वह नीतिगत ब्याज दर होता है जिस पर भारत के बैंक, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से पैसे उधार लेते हैं। आरबीआई जब इस दर को कम करता है, तो बैंक भी कम ब्याज दरों पर ग्राहकों को लोन दे सकते हैं। इसका मतलब है कि लोन लेने वाले लोगों को कम ब्याज देना होगा। अगर रेपो रेट कम होती है तो होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें कम हो जाएंगी। इसके साथ ही कारोबारियों के लिए लोन लेना भी आसान हो जाएगा।

वर्तमान में एमपीसी के सदस्य

रिजर्व बैंक के वर्तमान में छह सदस्य हैं। इनमें आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, केंद्रीय बैंक के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजीव रंजन, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव, डॉ. नागेश कुमार, डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सौगता भट्टाचार्य, अर्थशास्त्री प्रोफेसर राम सिंह, डायरेक्टर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय हैं।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी एमपीसी की समीक्षा बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की थी, जिसे 6.50 फीसदी से घटकर 6.25 फीसदी किया गया था। आरबीआई ने यह कटौती करीब 5 साल के बाद की थी। आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक आमतौर पर हर दो महीने में होती है। इस वित्तीय वर्ष में कुल 6 बैठकें होंगी। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

आईडीबीआई बैंक की याचिका खारिज, एनसीएलटी की शानदार जीत, एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने मुंबई पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को आईडीबीआई बैंक की याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया था। एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने मुंबई पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा और आईडीबीआई बैंक को देनदार की याचिका को खारिज करने की स्वतंत्रता प्रदान की। हालांकि, प्राधिकरण ने आईडीबीआई बैंक को दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10ए में उल्लिखित अवधि से परे चूक के लिए नई याचिका दायर करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के बाद आर्थिक गतिविधियां फिर से शुरू होने के बाद सरकार ने कंपनियों की मदद के लिए आईबीसी में विशेष प्रावधान शामिल किया था। इस विवाद में जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) और आईडीबीआई बैंक के बीच हो रही उत्पन्नता और भुगतान की चूकों के बारे में बहस है। सीआईआरपी की धारा 10ए के अनुसार, चूक के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के लिए उससे एक वर्ष की अवधि तक कोई आवेदन दायर नहीं किया जा सकता है। सिटी नेटवर्क्स ने 150 करोड़ रुपये के ऋण के लिए अपनी गारंटी को जील के लिए उधारने में मदद के रूप में प्रदान किया था, लेकिन उन्होंने चूक की है।

भारत में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में छह प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

> **बाजार में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा**

भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में मोटर वाहन की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 2,61,43,943 इकाई हो गई है। यह जानकारी वाहन डीलरों के एक संगठन ने सोमवार को जारी एक बयान में दी। बाजार में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों की तुलना में बेहतर रहा।

वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि देखी गई है। ग्रामीण बाजारों में दोपहिया वाहनों की बिक्री में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शहरी क्षेत्रों से अधिक है। इसके साथ ही तिपहिया वाहनों की ग्रामीण बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

वाइन डीलर संगठन के अध्यक्ष ने बयान में बताया कि मोटर वाहनों के खुदरा क्षेत्र में मजबूती देखने के लिए वित्त वर्ष 2024-25 सरकार के लिए एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। वाहनों की बिक्री में ग्रामीण क्षेत्रों में और बढ़ोतरी होने की खबर भविष्य में स्थिरता की ओर इशारा कर सकती है।

उन्होंने अपने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 ने वास्तव में दिखाया कि भारत का मोटर वाहन खुदरा क्षेत्र कितना लचीला हो सकता है, इस वर्ष मुख्य आकर्षण ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन रहा। दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में ग्रामीण बाजारों में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शहरी क्षेत्रों की वृद्धि से काफी अधिक है। यात्री वाहन क्षेत्र में ग्रामीण बिक्री वृद्धि आठ प्रतिशत जबकि शहरी क्षेत्रों में यह तीन प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में पिछले वित्त वर्ष में तिपहिया वाहनों की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 12,20,981 इकाई हो गई।

वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में तिपहिया वाहनों की ग्रामीण बिक्री में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि शहरों में बिक्री में कोई वृद्धि नहीं हुई। पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री मामूली घटकर 10,08,623 इकाई रह गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 10,10,324 इकाई थी।

वहीं ट्रैक्टर की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 8,92,410 इकाई रह गई जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 8,83,095 इकाई रही थी।

हालांकि मार्च में यात्री वाहनों का पंजीकरण वार्षिक आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 3,50,603 इकाई हो गया। मार्च 2024 में 15,35,398 इकाइयों की तुलना में दोपहिया वाहनों की बिक्री मार्च 2025 में दो प्रतिशत घटकर 15,08,232 इकाई रह गई।

दुनिया भर के बाजारों में भारी गिरावट

टोक्यो में गिरते हुए शेयर बाजार के पास से गुजरती हुई एक महिला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने की घोषणा के साथ ही दुनिया भर के बाजारों में भारी गिरावट आई है।

भारत में निजी इक्विटी निवेश में गिरावट, रियल एस्टेट में प्रवाह कमजोर

> **कार्यालय और गोदाम परिसंपत्तियों में निवेश की भारी गिरावट भी दर्ज की गई**

नई दिल्ली,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जिसका एक रियल स्टेट सलाहकार ने अपनी ताजा जानकारी में दावा किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस गिरावट के साथ पीई निवेश कुल 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो पहले के वित्त वर्ष की तुलना में थोड़ी कमी का अंक साबित होता है। रियल स्टेट के सलाहकार ने इस गिरावट की वजह के रूप में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक अस्थिरता का जिक्र किया है, जो विदेशी निवेशकों की गतिविधियों में कमी के साथ विनम्रता बनाता है। पिछले वित्त वर्ष में पीई निवेश की ज्यादातर हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों के पास थी, जो 84 प्रतिशत तक थी, जबकि घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत रही। इस समय कार्यालय और गोदाम परिसंपत्तियों में निवेश की भारी गिरावट भी दर्ज की गई है, जो निजी इक्विटी निवेश के साथ संबंधित है। गोदाम परिसंपत्तियों में पीई निवेश में तेजी से वृद्धि हुई है, जिसने आवास और कार्यालय संपत्तियों में स्थानांतरण में गिरावट का कारण बना है। वित्त वर्ष 2024-25 में हाइब्रिड सौदों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत रही है, जिसमें इक्विटी और ऋण निवेश में क्रमश: 37 प्रतिशत और 21 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस तरह कुल संदर्भ में रियल एस्टेट सेक्टर में निजी इक्विटी निवेश में गिरावट के साथ वृद्धि और संविदानिक गतिविधियों में संकेत है कि वित्तीय स्थिरता की दिशा में तेजी हो सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमित शाह...

अब्दुल रहीम राथर पर स्थगन प्रस्ताव को अनुमति देने के लिए दबाव डाला। विधानसभा अध्यक्ष ने ऐसा करने से इन्कार कर दिया, क्योंकि ऐसा करना गैर संवैधानिक कार्यवाही में शामिल हो जाता। सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों नजीर गुरेजी और तनवीर सादिक की अगुवाई में विधानसभा में जो असंवैधानिक माहौल बनाया गया, उसके खिलाफ आगे क्या कार्रवाई होगी, इसके बारे में अभी आधिकारिक तौर पर चुप्पी है। लेकिन अंदर ही अंदर इसे लेकर चर्चा गर्म है।

राष्ट्रभक्त...

इस दौरान एक सवाल आया कि क्या आरएसएस की शाखा में कोई भी आ सकता है। इस पर संघ प्रमुख ने कहा कि आरएसएस की शाखा में मत, संप्रदाय, जाति, पंथ और भाषा के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। उन्होंने एक बात और स्पष्ट करते हुए कहा कि जो भी भारत माता की जय बोल सकता है, उसके शाखा आने पर कोई मनाही नहीं है। उन्होंने कहा कि संघ की शाखा में सभी का स्वागत है, बस उन लोगों को छोड़कर जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं।संघ के स्वयंसेवक का सवाल था कि क्या हम अपने मुस्लिम पड़ोसियों को भी शाखा में ला सकते हैं। इसी के जवाब में संघ प्रमुख ने कहा, संघ की शाखा के दरवाजे उन सभी के लिए खुले हैं, जो भारत माता की जय बोलते हैं और भगवा ध्वज का सम्मान करते हैं। आरएसएस की विचारधारा में पूजा पद्धति के आधार पर भेदभाव का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा, उन लोगों को छोड़कर सभी यहां आ सकते हैं, जो खुद को औरंगजेब का वंशज मानते हैं। संघ की शाखा में पूजा पद्धति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। हमारी जाति, पंथ, संप्रदाय अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन संस्कृति तो एक ही है।उन्होंने कहा, किसी भी पंथ, समुदाय के लोग संघ की शाखा में आ सकते हैं। मोहन भागवत ने इस दौरान अखंड भारत की अवधारणा पर भी बात की। कुछ लोगों को लगता है कि अखंड भारत का विचार व्यवहारिक नहीं है, लेकिन सच यह है कि ऐसा संभव है। आज सिंध प्रांत की हालत देखिए। भारत से जिन हिस्सों को अलग किया गया था, उनके साथ आज भेदभाव की स्थिति है। आरए-सएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ में कभी भी किसी से भेदभाव नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी शाखाओं में हमेशा से सबकी एंट्री रही है।

सिक्किम के ...

राजभवन ने कहा कि यह कार्य राज्यपाल के कुशल मार्गदर्शन और भारतीय सेना के प्रयासों से संभव हो सका। राज्यपाल माथुर ने इस कार्य के लिए भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर के प्रति आभार व्यक्त किया है।

केंद्र सरकार...

बढ़कर 853 रुपए हो जाएगी। यह एक ऐसा कदम है जिसकी हम आगे समीक्षा करेंगे। हम हर 2-3 सप्ताह में इसकी समीक्षा करते हैं। इसलिए, आपने जो उत्पाद शुल्क में वृद्धि देखी है, उसका बोझ पेट्रोल और डीजल पर उपभोक्ताओं पर नहीं पड़ेगा। उस उत्पाद शुल्क वृद्धि का उद्देश्य तेल विपणन कंपनियों को 43,000 करोड़ रुपए की भरपाई करना है। जो उन्हें गैस के कारण नुकसान के रूप में हुआ है।पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में दो रुपए की बढ़ोतरी की जा रही है। लेकिन इसका बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया है। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत घटकर लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। देश की तेल विपणन कंपनियां 45 दिनों की अवधि के लिए स्टॉक रखती हैं। जनवरी में कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर थी, जो बाद में घटकर 75 डॉलर हो गई। उम्मीद है कि तेल विपणन कंपनियां वैश्विक कीमत के हिसाब से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी करेंगी।

वक्फ कानून ...

इस पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ, लेकिन योगी राज की पुलिस ने प्रमाण सामने होते हुए भी कोई कार्रवाई नहीं की।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 08 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

समाज सेवा में हिंदी सर्वोपरि : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी जर्नलिस्ट असोसिएशन की सिकंदराबाद, ताड़बन क्षेत्र में बैठक संपन्न हुई । बैठक की अध्यक्षता जी. नरहरी ने की इस अवसर पर संस्था द्वारा श्रीमती आरती आत्माराम के यू ट्यूब पर एक लाख सब्सक्राइबर होने पर सिल्वर बटन प्राप्त होने के संदर्भ में एवं विशाल कांबले को नाग देवता के रक्षण के लिए किए गए सार्थक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया । संस्था के प्रधान परामर्शदाता महेश अग्रवाल ने आरती आत्माराम एवं विशाल कांबले को शॉल एवं माला द्वारा सम्मानित किया ।

महामंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता ने संस्था की रिपोर्ट पेश की । बैठक को संबोधित करते हुए परामर्शदाता महेश अग्रवाल ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य दक्षिण भारत में हिंदी का प्रचार प्रसार करना एवं हिंदी भाषियों को एक मंच पर लाना है । उन्होंने आगे बताया कि संस्था द्वारा प्रतिमाह हिंदी भाषी समाजसेवी बंधुओं का सम्मान किया जाएगा । बैठक को परामर्शदाता भक्त राम एवं प्रेमचन्द मुनोत ने भी संबोधित किया ।बैठक में अध्यक्ष जी नरहरी, उपाध्यक्ष आकाश तलवार, भरत भट्ट, मंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता, सह मंत्री अनिल कौशिक आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिंदी भाषी लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ।

हनुमान जन्मोत्सव 12 को पोस्टर विमोचित

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल, भाग्यनगर द्वारा कोतवालगुड़ा स्थित श्री संकट मोचन दक्षिण मुखी वीर हनुमान मंदिर में आगामी 11 व 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव पर श्री रामचरित मानस का अखंड पाठ आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में मंदिर में कार्यक्रम का पोस्टर जारी किया गया।

आज यहाँ पंडित लालजी शुक्ला महाराज, पंडित विनीत शुक्ला महाराज द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शुक्रवार 11 अप्रैल को दोपहर 12.30 बजे से श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ आरंभ होगा, जिसकी शनिवार, 12 अप्रैल को पूर्णाहुति होगी। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान जन्मोत्सव पर अभिषेक, श्रृंगार आरती की जाएगी। भजन का आयोजन दोपहर 1 बजे से होगा। श्रृंगार आरती एवं प्रसाद कार्यक्रम दोपहर 1.30 बजे से रहेगा। हिमायत सागर संकट मोचन हनुमान मंदिर में प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को सिद्ध संपूर्ण सहित हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाता है उन्होंने भक्तों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया। अवसर पर पुरुषोत्तम अग्रवाल, पकंज वर्मा, किटू सिंह, शैलेष जैन, उमेश सोनी व अन्य उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत सोमवार को स्व. कन्हैयालाल अग्रवाल की मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर श्री कन्हैयालाल सुरेशकुमार टिबडेवाला परिवार (श्री जगदम्बा सेल्स, मलकपेट) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर –सतीश गुप्ता रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, गोपाल गोयल, भगतराम गोयल, ई. जगन, ऋषभ जोशी, मृणाली जोशी, नीव जोशी, अनिका जोशी, संजय गोयल, प्रीतिका अग्रवाल,महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, सुनील अग्रवाल, उम्मीद अग्रवाल, हितार्ध अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज कुकटपल्ली पूर्वांचल शाखा की कार्यकारिणी सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज कुकटपल्ली पूर्वांचल शाखा की कार्यकारिणी सभा रविवार दि. 6 अप्रैल को शाखा के कार्यालय सोनी कॉम्प्लेक्स, कुकटपल्ली में सम्पन्न हुई। शाखा की अध्यक्ष सीमा जैन ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और अग्रसेन महाराज की पूजा अर्चना की। इस सभा में पूर्व अध्यक्ष श्रीमती अनिता, उपाध्यक्ष बासुदेव, कोषाध्यक्ष राधेश्याम, मंत्री विपुल, सह मंत्री राजकुमार, केएस सदस्य सुशील, दर्शन, मनीष, मुकेश और भरत उपस्थित हुए और अपने-अपने विचार रखे। इस सभा में सभी लोगो की सहमति से 2025-27 के चुनाव अधिकारी के रूप में मेघराज अग्रवाल को नियुक्त किया गया है। चुनाव 27 अप्रैल को सोनी कॉम्प्लेक्स स्थित शाखा के कार्यालय में सुबह 10 बजे रखा जाएगा। इच्छुक सदस्य किसी भी पद के लिए श्रीमती सीमा से नामकरण फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। फॉर्म भरने के बाद 20 अप्रैल को सायं 5.00 बजे तक मेघराज जी के ऑफिस में जमा कर सकते हैं तथा फॉर्म वापस लेने की तिथि 23 शाम 5 बजे तक तय हो गई है।

रामकोट स्थित श्री सीतारामांजनेया मंदिर में श्रीराम नवमी के उपलक्ष्य में आयोजित कल्याण-ोत्सव कार्यक्रम में दर्शनलाभ प्राप्त करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार, सत्यनारायण यादव, अशोक पंवार, रत्नेश अग्रवाल, पी. प्रदीप, पंडित राघव शर्मा एवं उपस्थित भक्तगण ।

कोरेमुला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) के तत्वावधान में आयोजित चैत्र नवरात्रि महोत्सव के तहत रविवार को हवन का आयोजन किया गया। शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ हवन में पूर्णाहुति दी। अवसर पर उपस्थित अध्यक्ष कालूराम काग , पोकरराम काग,राजुराम लचेटा,नगाराम काग, महिला मंडल कंचन देवी काग , विमला देवी लचेटा,भीकी देवी काग सुनीता काग व पंडित बाबूलाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

श्री रामनवमी पर्व पर भव्य शोभायात्रा में पधारने वाले भक्तों के लिए श्री परशुराम मंदिर द्वारा मंदिर के समीप ठंडा शरबत की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर सनातन समाज एवं श्री सिखवाल युवा समिति के सदस्यों ने उक्त कार्यक्रम में अपनी सेवा प्रदान की। अवसर पर जयप्रकाश व्यास-महराज, गिरिराज उपाधिया, नरेश नगला, नितेश व्यास (महराज) नंदू कायत, विष्णु कायत, राजगोपाल उपाध्या, अंकित उपाध्या, दीपक उपाध्याय, आशीष तड़बा तिवारी आशीष व्यास व अन्य उपस्थित थे।

श्रीराम नवमी उत्सव में आयोजित अन्नप्रसाद में भाग लेते हुए संजय महाराज, लड्डू भाई, प्रदीप शर्मा, रवि राजु भाई एवं राजेश।

कार्टून कॉर्नर

श्रीराम नवमी पर शारदा नगर कॉलोनी वनस्थलीपुरम में पंचमुखी हनुमान मंदिर के प्रांगण में मनाया गया। इस अवसर पर रामजी, सीताजी, लक्ष्मणजी एवं हनुमान जी का अभिषेक किया गया। तत्पश्चात मंदिर समिति की ओर से महा भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें 3000 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया और प्रसाद का लाभ उठाया। इस अवसर पर विष्णु मूर्ति, सुधाकर रेड्डी, सत्या रेड्डी, एन.के. सिंह, संथा कुमार, राजशेखर शर्मा, श्री लता, रंगा, रामकृष्ण, वेंकट रत्नम, मंदिर पुजारी शिव महाराज एवं अन्य भक्तगण उपस्तित हुए।

गाजुलाराम स्थित भोलेनाथ ग्रुप द्वारा श्रीराम नवमी गाजुलारामराम सर्कल के समीप छांछ का वितरण किया गया, जिसमें भोलाराम गेहलोत, सेसाराम पंवार, मंगलराम पंवार, बंशीलाल प्रजापति, हरिसिंह राठौड़, दुर्गाराम मुलेवा , अशोक हाम्बड़, भुराराम सैणचा , ओमप्रकाश सैणचा , धर्माराम माली, जोरराम सोलंकी, मोहनलाल बर्फा,सेसाराम परिहारिया, दिनेश सेपटा का विशेष सहयोग रहा। अवसर पर भोलेनाथ ग्रुप व अन्य उपस्थित थे।

रामनवमी के पर उत्तिष्ट भारतीय द्वारा टैंकबंड, नमो टीम द्वारा रोड नंबर 3 बंजारा हिल्स तथा हनुमान जन्मोत्सव समिति द्वारा रोड नंबर 12 बंजारा हिल्स में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। उक्त कार्यक्रमों में भाग लेते हुए सतीश कुमार जाजू, डीपी तिवारी, नंद गोपाल भट्टड, डॉ मोहन गुप्ता, आनंद शर्मा, विकी, शीतल, चरण, राजू, श्रीकांत, सतीश, छोटू एवं अन्य। सभी सीताराम कल्याण उत्सव में भाग लेकर राम जी की पूजा अर्चना की एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 24^0

डॉ.कुमुद बाला नाशिक में सम्मानित

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले दिनों 11वें दादा साहेब फाल्के गोल्डेन कैमरा जन्मभूमि पुरस्कार एवं महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित संयुक्त कार्यक्रम में वर्ष 2025 के लिए नाशिक में हिंदी साहित्य की श्रेणी में बेस्ट राइटर एंड पोएट का पुरस्कार हैदराबाद की डॉ.कुमुद बाला को प्रदान किया गया। पुरस्कार में शॉल, मोमेंटो एवं सम्मान राशि के साथ सम्मानित किया गया।

नाशिक के आशीर्वाद ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में कई जाने माने गणमान्य अतिथि - सांस्कृतिक विकास मंत्री , मुकेश प्रभावती जी कैनरी जी , सत्यनारायण जादव जी , डॉ रघुनाथ मानेट (कैंस अवॉर्डी), सुजॉय मुखर्जी, ऐक्ट्रेस सुजाता मेहता आदि उपस्थित थे।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)

सोना : 90,710/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,260/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,137.90
-2226.79 -2.95% ↓
एनएसई :22,161.60
-742.85 (-3.24%) ↓

इंदिरा पार्क वॉकर्स ग्रुप - स्माइल एण्ड डू के द्वारा श्रीराम नवमी के उपलक्ष्य में आयोजित अन्नदानम् कार्यक्रम में भाग लेते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, महेन्दर हरकूट, अशोक कटारिया, निर्मल सिंघवी, प्रवीण अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, रत्नेश अग्रवाल, सुरेन्द्र जैन, रंगलाल असावा, विशाल काबरा, जुगल सोनी, ओमप्रकाश अग्रवाल एवं अन्य सदस्यगण ।

TIBCON
CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा की विशेष बैठक आयोजित

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज की घांसी बाजार झूला शाखा की विशेष बैठक शाखा अध्यक्ष गोविंद राम पचैरिया की अध्यक्षता में श्री रानी सती दादीजी मंदिर में संपन्न हुई। बैठक में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा आयोजित की जा रही श्री अग्रसेनजी महाराज व कुलदेवी आध्यलक्ष्मी महालक्ष्मी की दिव्य ज्योत व जनआशीर्वाद रथ यात्रा व कलश यात्रा का 13 अप्रैल को पुष्पवृष्टि द्वारा भव्य स्वागत गुलजार हाउस स्थित आगरा होटल कमान के पास किये जाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर शाखा द्वारा रथ यात्रा में सम्मिलित सभी अग्र बधूओं के लिए शीतल पेय व पेयजल की व्यवस्था के अलावा रथ यात्रा का स्वागत शाखा के प्यारेलाल महेश कुमार कनोडिया के सौजन्य से किया जा रहा है।

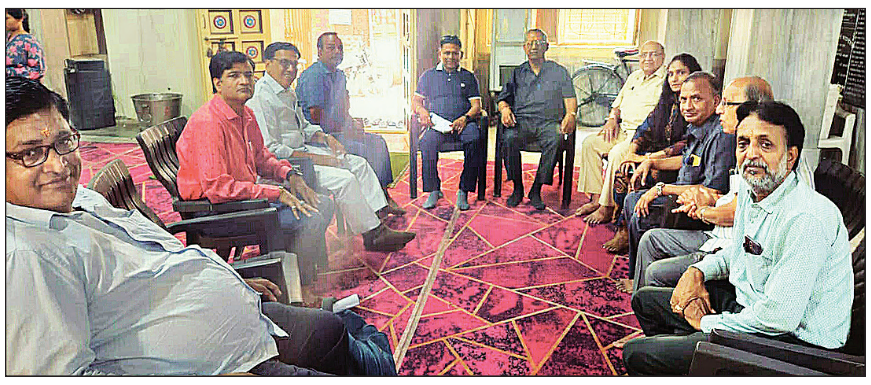

तदुपरांत पी सत्यनारायण भवन में शाखा के ही हरिराम शिवकुमार अग्रवाल द्वारा रथ यात्रा व कलश यात्रा में सम्मिलित सभी अग्रबंधुओं के लिए दोपहर भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है।

उपरोक्त दोनों कार्यक्रमों के लिए प्रधान संयोजक सज्जन अग्रवाल बॉयवाला, सह संयोजक योगेंद्र कटारूका, बबीता मित्तल मनोज मित्तल, अशोक अग्रवाल सोलानावाला व हरिनारायण अग्रवाल को बनाया गया है।

शाखा के प्रचार प्रसार प्रभारी योगेंद्र कटारूका द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति मैं बताया गया कि शाखा द्वारा हमेशा की तरह इस वर्ष भी सावन की सैर के अंतर्गत जुलाई माह में कटरा वैष्णो देवी व कश्मीर (श्रीनगर, पहलगाम, गूलमरग, सौनमरग आदि) की आठ दिवसीय यात्रा का अनुमोदन हर्ष ध्वनि के साथ किया गया। जिसके लिए प्रधान संयोजक अनिल धरशुवाला को बनाया गया। सह संयोजक योगेंद्र कटारूका कौ बनाया गया। सैर की अतिरिक्त जानकारी सोशल मीडिया से दी जाती रहेगी।

अवसर पर शाखा के परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल, मंत्री सज्जन अग्रवाल बॉयवाला, केंद्रीय समिति सदस्य राकेश पचैरिया, भूतपूर्व शाखाअध्यक्ष श्रीकीशन अग्रवाल, सहमतरी बबीता मित्तल,कोषाध्यक्ष दिनेश सराफ, महेश कुमार कनोडिया मनोज पचैरिया, अशोक अग्रवाल,हरि नारायण अग्रवाल,मनोज मित्तल आदि उपस्थित रहे ! मनोज मित्तलके धन्यवाद ज्ञापन के साथ मीटिंग का समापन हुआ!

गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा राम नवमी के शुभ अवसर पर श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में गौ माता के लिए सब्जी सेवा एवं राम दरबार में रामजी की पूजा की गई। जिसमें मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल, सुनील जयलिया एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा विधायक राजा सिंह को नवसंवत्सर और रामनवमी की बधाई देकर उनको सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अरुणा गुप्ता, , रचना राम गुप्ता , दिव्या विकास गुप्ता, रश्मी पवन गुप्ता, श्वेता कतरौलिया, रेखा, बीना, अमिता, दमयन्ती अन्य उपस्थित थीं।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/08/2025 दि. 04.04.2025 PUB/0354

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत अधोहस्ताक्षरित द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए 15-00 बजे तक तथा प्रत्येक के सामने उल्लिखित तिथि तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम.सं. :- 1., निविदा सं. :- ई-15-ईस्ट-बीजेडए-2025, **कार्य का विवरण: कार्य का नाम:** विजयवाड़ा डिवीजन: सीनियर डीईएन/ईस्ट/बीजेडए क्षेत्राधिकार के एडीईएन/लाइन्स/बीजेडए उपखंड के अंतर्गत एसएसई/पी-वे/जीडीवी सेक्शन में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य तथा अन्य ट्रैक विविध कार्य। **पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह महीने), **निविदा मूल्य:** रु.91,87,977.00, **पूधरा :** रु. 1,83,800.00, **समापन तिथि:** 17.04.2025.

क्रम.सं. :- 2., निविदा सं.:- ई-16- ईस्ट-बीजेडए-2025, **कार्य का विवरण: कार्य का नाम:** विजयवाड़ा डिवीजन: सीनियर डीईएन/ईस्ट/बीजेडए क्षेत्राधिकार के एडीईएन/बीवीआरएम उप-विभाग के तहत एसएसई/पी-वे/बीवीआरएम, एसएसई/पी-वे/केकेएलआर, एसएसई/पी-वे/टीएनकेयू और एसएसई/पी-वे/एमटीएम खंडों में प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी ट्रैक रखरखाव कार्य और अन्य ट्रैक विविध कार्य। **पूरा करने की अवधि :** 12 (बारह महीने), **निविदा मूल्य :** रु.4,01,61,097.00, **पूर्व धरोहर राशि :** रु.3,50,800.00, **समापन तिथि:** 17.04.2025.

क्रम.सं. :- 3., निविदा सं. :- ई-17- ईस्ट-बीजेडए-2025, **कार्य का विवरण:- कार्य का नाम:** जीडीवी-एमटीएम सेक्शन में एलसी संख्या: 1, 3, 5, 7, 8, 11, 12, 16, 17, 20, 23, 24, 26, 31, 33, 34, 35, 37, 39, 40, 42, 43, 44 (23 संख्या) पर बी.टी सड़क सतहों की मरम्मत, आरएमवी-जीडीवी सेक्शन में एलसी संख्या: 22, 24, 27, 28, 29, 31, 32, 49, 50, 51, 52, 74 (12 संख्या), एलसी संख्या: 103, 95, 93, 91, 90, 89, 88, 83 (8 संख्या) यूएनडीआई-केकेएलआर अनुभाग में, एलसी संख्या 2, 3, 4, 6, 8, 10, 11, 13, 14, 14ए, 15, 18, 20, 21, 23, 109, 111, 113, 118, 120 (20 संख्या) यूएनडीआई-बीवीआरएम - एनएस अनुभाग में और एलसी संख्या 124, 126, 128, 134, 138, 143, 146, 150, 155, 156, 159, 160, 140, 148, 157 (15 संख्या) सीनियर डीईएन/पूर्व/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत बीवीआरएम- केएलडीआई अनुभागों में, **पूरा करने की अवधि :** 12 (बारह महीने), **निविदा मूल्य :** रु. 2,10,13,852.00, **पूधरा.:** रु. 2,55,100.00, **समापन तिथि:** 19.04.2025.

क्र.सं. :- 4., निविदा सं.:- ई-09- सेंट्रल-बीजेडए-2025, **कार्य का विवरण:- कार्य का नाम:** एसडब्ल्यू-1) विजयवाड़ा डिवीजन: डीईएन/सेंट्रल/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीईएन/बीपीपी में केवीडीयू-केसीसी और एडीईएन/ईई उप-मंडल में बीजेडए-पीयूए के बीच स्टेशनों के पहुंच मार्गों में (02) दो वर्षों की अवधि के लिए रैंप की खुदाई, **पूरा करने की अवधि :** 24 (चौबीस महीने), **निविदा मूल्य :** रु. 42,52,060.00, **पूधरा:** रु.85,100.00, **समापन तिथि:** 22/04/2025.

क्र.सं.:- 5., निविदा सं.:- ई-06- पुल-बीजेडए-2025, **कार्य का विवरण:- कार्य का नाम:** बीजेडए डिवीजन एडीईएन/बीआर/एसएसई/बीजेडए के अधिकार क्षेत्र के तहत एसएसई/बीआर/1/बीजेडए और एसएसई/बीआर/2/बीजेडए खंडों के तहत बीजेडए-ओजीएल, बीजेडए-बीवीआरएम और जीडीवी-एमटीएम खंडों के बीच विभिन्न छोटे पुलों और आरओबी के खंभों के आसपास निरीक्षण प्लेटफार्मों के प्रावधान द्वारा पुलों को मजबूत करना, **पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह महीने), **निविदा मूल्य:** रु. 3,99,37,940.00, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 3,49,700.00, **समापन तिथि:** 23/04/2025.

क्र.सं.:- 6., निविदा सं.:- ई-10- सेंट्रल-बीजेडए-2025, **कार्य का विवरण:- कार्य का नाम:** एसडब्ल्यू-2) विजयवाड़ा डिवीजन: डीईएन/सेंट्रल/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एडीईएन/बीपीपी में केवीडीयू-केसीसी और एडीईएन/ईई उप-डिवीजन में बीजेडए-पीयूए के बीच स्टेशनों के एप्रोच में रैंप की स्थापना (02) दो वर्ष की अवधि के लिए, **पूरा करने की अवधि:** 06 (छह महीने), **निविदा मूल्य:** रु. 50,78,518.00, **पूर्व धरोहर राशि:** रु.1,01,600.00, **समापन की तिथि:** 25/04/2025.

संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी निविदा के लिए किसी भी परिवर्तन/सुधार को नोट करने के लिए निविदा समापन की तिथि से पहले वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

मंडलीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाड़ा

ई-निविदा सूचना संख्या जीएनटी/जीएस/डब्ल्यू.496/ निविदाएं/जीएस/जीएनटी/दि. 04.04.2025 PUB/0355

नीचे दिए गए कार्य के लिए 28.04.2025 **को 15:30 बजे तक** ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम.सं.: 1, निविदा आईडी: 80, **अनुभाग:** उप मुख्य अभियंता/ जीएस/जीएनटी, **कार्य का विवरण:** गुंटूर मंडल: वेमुरु (वीएमयू) माल शेड में सुविधाओं का विकास। **अनुमानित मूल्य** (रुपये में): 9,23,12,347.10, **पूधरा** (रुपये में): 6,11,600.00

ई-बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि 28.04.2025 **को 15:30 बजे तक** है। विस्तृत जानकारी के लिए **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर लॉगऑन करें।

किसी भी अन्य संचार/शुद्धिपत्र की सूचना ई-पोर्टल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से दी जाएगी।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, गुंटूर

A0446

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर वेबिनार का आयोजन

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सीसीआरएएस- राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच) हैदराबाद, जो पारंपरिक चिकित्सा में साहित्यिक और मौलिक अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र है, ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की कार्य योजना के अनुरूप अपने चल रहे संवेदीकरण कार्यशालाओं के भाग के रूप में,सीसीआरएएस -क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई) नागपुर के साथ मिलकर मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य विषय पर एक ज्ञानवर्धक वेबिनार का आयोजन किया, जिसका विषय था स्वस्थ शुरुआत, आशाजनक भविष्य। डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, सीसीअ- ारएएस - एनआईआईएमएच ने गणमान्य व्यक्तियों और वक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. वैद्य रबी नारायण आचार्य, महानिदेशक सीसीआरएएस के उद्घाटन भाषण और प्रो. डॉ. पवन गोडतवार, तकनीकी अधिकारी,नई दिल्ली के प्रारंभिक वक्तव्य के साथ हुई।

प्रमुख व्याख्यानों में महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया: डॉ. उर्मिला ढाके (प्रोफेसर, बाल रोग विभाग, नागपुर) ने भारत में मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य पर एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया; डॉ. ममता के.वी, प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग, डऊच् आयुर्वेद महाविद्यालय, उडुपी ने भारत में संबंधित चुनौतियों और आयुर्वेदिक समाधानों पर चर्चा की; और डॉ. सूर्यवंशी, प्रभारी सहायक निदेशक, सीसीआरएएस -रारी, नागपुर ने इस क्षेत्र में सीसीआरएएस की पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की।सत्र के समापन में, डॉ. श्रीकांत नारायणम, उप महानिदेशक, सीसीआरएएस ने समापन भाषण दिया, जिसमें राष्ट्रीय रणनीति में संभावित एकीकरण के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं (डेझी) के विकास और प्रकृति और आनुवंशिकता के बीच संबंध जैसी भविष्यवादी परियोजनाओं की खोज पर केंद्रित सहयोगी परियोजनाओं के लिए एक रोडमैप पर प्रकाश डाला।

श्री रामदरबार सत्संग समिति बेगम बाजार के तत्वावधान में श्री आजना कलबी (चौधरी) समाज ताडूर के सौजन्य से श्री राजेश्वर भगवान के 143वें जन्मदिवस के अवसर पर एक शाम राजेश्वर भगवान के नाम जागरण में भजन सुनाते हुए कन्हैया वैष्णव, आनंद शर्मा, चेतन पाराशर, जगजीत सिंह। अलौकिक झांकियां एवं भजनों का आनंद लेते हुए भक्तजन एवं सभी चौधरी समाज के सदस्य।

अग्रवाल समाज सनराइज वैली शाखा अत्तापुर की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज सनराइज वैली शाखा अत्तापुर की कार्यकारिणी सभा की बैठक शाखा के कोषाध्यक्ष आनंद अग्रवाल के निवास स्थान पर भगवान अग्रसेन जी के उद्घोष के साथ आरंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल ने आगंतुकों का स्वागत किया तत्पश्चात मंत्री ललित अग्रवाल ने पिछली कार्यकारिणी के कार्यवाही अंश पढकर सुनाये।

जिसे सभी ने अनुमोदित किया ।शाखा में आगामी 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कॉलोनी के समीप स्थित मंदिर में सनातन संस्कृति द्वारा अन्नप्रसाद एवं हनुमान चालीसा पाठ में सहयोग करने का निर्णय लिया गया । 15 अप्रैल को दिल्ली से आने वाली आदिलक्ष्मी रथ यात्रा का ढोल नगाड़े से स्वागत एवं महाआरती एवं प्रसादी की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया । सभा में दि. 18 अप्रैल को वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव कराने का भी निर्णय लिया गया । चुनाव हेतु शाखा के रितेश अग्रवाल (लालू भाई) को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया ।शाखा द्वारा मासिक अन्नप्रसाद एवं गौसेवा जो पिछले दो वर्ष से चल रही है यथावत करने का निर्णय लिया गया । सभा में रक्तदान शिविर भी दि. 18/5/25 को लगाने का निर्णय लिया गया ।

अंत में कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा संपन्न हुई ।सभा में सभी सदस्यों से वार्षिक शुल्क 30 अप्रैल से पहले जमा कराने का अनुरोध किया गया ।

सभा में श्री किशन अग्रवाल, ललित अग्रवाल, आनद अग्रवाल, अरविंद केडिया , द्वारका प्रसाद अग्रवाल,सुरेंद्र अग्रवाल, सज्जन गुप्ता , अनिल अग्रवाल, नितेश बंसल, विष्णु अग्रवाल एवं आदि उपस्थित रहे ।

श्रीरामनवमी के अवसर पर श्री महादेव हनुमान मंदिर, चूड़ी बाजार, हैदराबाद मेंसीता राम कल्याण महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर पी. गोपाल राव, सुनील साहू, पवन कुमार, डी.राजेंदर, कमल महाराज, दात्रिक राजेंदर, अनिल कुमार और अन्य उपस्थित थे।

काछी संघ राम सिंह पुरा सोसायटी के तत्वावधान में

होली फ़ाग सम्मेलन-2025 अत्यंत भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 6 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेम, भाईचारे और संस्कृति की अनुपम अभिव्यक्ति होली फ़ाग सम्मेलन-2025 का आयोजन काछी संघ राम सिंह पुरा सोसायटी के तत्वावधान में काछी भवन, राम सिंह पुरा, कारवान, हैदराबाद में अत्यंत ही भव्य रूप से संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता संघ के सक्रिय और समर्पित अध्यक्ष श्री ए. सुरेंदर सिंह ने की।

ढोलक की ताल और मंजीरों की धुन ने फ़ाग सम्मेलन में उपस्थित सभी जनों का मन मोह लिया, जिसमें राम सिंह पुरा फ़ाग मंडली सहित संत रविदास भजन मंडली (अध्यक्ष : श्री इंद्रदेव रवि), चारमहल रामायण एवं फ़ाग मंडली (अध्यक्ष : श्री ठाकुर मनोज सिंह), श्री पीपल हनुमान भजन मंडली मूसा बावली (अध्यक्ष : श्री नरेश कुमार श्रीवास्तव), श्री बुद्ध सिंह बैठक पंच कमेटी (अध्यक्ष : श्री प्रेम सिंह), श्री गोशामहल फ़ाग मंडली (अध्यक्ष : श्री राम प्रकाश शुक्ला), श्री सीतला माता फ़ाग मंडली (अधयक्ष : श्री ठाकुर नरेंदर सिंह बिसेन) और श्री महाराणा प्रताप सेवा समिति अत्तापुर (अध्यक्ष : श्री ठाकुर विजय दिनेश सिंह) सम्मिलित हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री ए. सुरेंदर सिंह ने इस अवसर पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस आयोजन की अध्यक्षता करना मेरे लिए गर्व का विषय है। इस आयोजन में हैदराबाद की 8 प्रतिष्ठित फ़ाग मंडलियों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से ना केवल वातावरण को फ़ागों की मस्ती और भक्तिरस से सराबोर किया, बल्कि हमारी लोक परंपराओं को भी जीवंत रखा। उन्होंने आगे कहा कि यह सम्मेलन हमारे समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना और परंपरा के प्रति सम्मान का परिचायक है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है और समाज में आपसी मेल-मिलाप व समरसता को भी बल मिलता है। मैं आयोजन में सहभागी सभी मंडलियों, समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं और समर्पित कार्यकर्ताओं का हृदय से धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। हम सब मिलकर अपने समाज की संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाते रहें। उन्होंने कविता की पंक्तियाँ प्रस्तुत करते हुए कहा कि फ़ागों की गूँज, भक्ति का रंग,समाज में फैले प्रेम के संग।

कार्यक्रम को सफल बनाने में काछी संघ राम सिंह पुरा सोसायटी के पदाधिकारियों में सर्वश्री अध्यक्ष : ए. सुरेंदर सिंह, उपाध्यक्ष : एम. कुंदन लाल सिंह, एम. सिनोद सिंह, एस. अजय सिंह, महासचिव : बी. तिलक सिंह, संयुक्त सचिव : बी. हरिश्याम सिंह, एच. चतुर्वेदी सिंह, ए. सुभाष सिंह, संगठन सचिव : बी. नीतेश सिंह, कोषाध्यक्ष : एम. सोहन सिंह, सह-कोषाध्यक्ष : ए. राजेश सिंह, परामर्शदाता : पी. रघुवीर सिंह, ए. प्रीतम सिंह, एम. महेंदर सिंह, टी. वीरेंदर सिंह, एम. सतीश सिंह के साथ-साथ एम. रणवीर सिंह, एम. द्विजवर सिंह, एस. बलवीर सिंह, एम. पुरुषोत्तम सिंह, पी. दर्शन सिंह, एम. सुंदर सिंह, पी. राजू सिंह, पी. राजेंदर सिंह, पी. देवेंद्र सिंह, पी. राजकुमार सिंह, पी. नवीन सिंह, एम. आनंद सिंह, ए. विनायक सिंह, एम. किशन सिंह, एम. भानु सिंह, एच. जयराज सिंह, टी. गोविंद सिंह (कवि गोविंद अक्षय) सहित काछी समाज के अनेक सदस्य एवं महिला सदस्यों ने अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में सुरुचिपूर्ण प्रीतिभोज की व्यवस्था की गयी थी। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I. Service No. JC-774676K, Rank: SUB/M.TECH (NW), Name: NAGENDRA PRASAD YADAVA, S/o. BHAGAWAN DAS YADAV, Unit: MCEME B COY, SECUNDERABAD, Residing at Vill: SARFUDDINPUR, PO: CHAHORAGHAT, Teh: ALAPUR, Dist: AMBEDKAR NAGAR, State: UTTER PRADESH, Pin: 224181, I have Changed my Daughter's Name from SHARYA to SHREYA That my daughter's date of birth is 29-12-2008, Vide Affidavit date 07/04/2025

CHANGE OF NAME
I, PALAKA VENKATA LAXMI is legally dependent Mother of Service No. 14941966F, Rank: NK, Name: PALAKA JAGAN, Unit: SFTS (DRDO), FACILITY, YADAGIRIPALLY, KEESARA MANDAL, MEDCHAL-MALKAJGIRI DISTRICT, Pin:501303, residing at VILL: MOOLAPETA, PO: THUMMAPALA, Tch: ANAKAPALLE, Dist: VISAKHAPATNAM, State: ANDHRA PRADESH, Pin: 531032, I have Changed my name from PALAKA VENKATA LAXMI to PALAKA LAXMI, My Date of Birth 01-07-1962, Vide Affidavit date 07/04/2025

CHANGE OF NAME & DOB
I, LAXMAMMA Mother of Service No. 15714233L L/Nk NAVEEN KUMARA, R/o.HalebeeduHobli, Vill:Byadarahalli, PO:Yalahanka, Dist:Hassan, Karnataka-573216 have changed my name and DOB from LAXMAMMA, DOB:01-07-1966 to LAKSHMAMMA, DOB:01-01-1968 vide affidavit dt:07-04-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, LAKSHMI DEVI Spouse of Army No.2610809L Hav BANDI THIRUPATHAIAH, R/o Vill and PO:Reddypally, Dist:Anantapur, Andhra Pradesh-515701 have changed my name from BANDI LAKSHMI DEVI to LAKSHMI DEVI vide affidavit dt:07-04-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SUNITA HAPIHOLIMATH Spouse of Service No. 6948492H Nk RAJASHEKHARAYYA, R/o.22/1 W No.5, KoulpethBagalkot, Karnataka-587101 have changed my name from SUNITA HAPIHOLIMATH to SUNITA RAJASHEKHARAYYA KAMBI vide affidavit dt:7-4-2025 before G Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

तेलंगाना में धूल भरी आंधी चलने के आसार

भद्राचलम, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर धूल भरी आंधी चलने और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने के आसार हैं।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने भद्राचलम मंदिर में श्री राम साम्राज्य पट्टाभिषेक में भाग लिया

भद्राचलम, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सोमवार को भद्राचलम में सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर में श्री राम साम्राज्य पट्टाभिषेक में भाग लिया।

भगवान श्री राम के दिव्य राज्याभिषेक के हिस्से के रूप में, राज्यपाल ने मंदिर की परंपरा के अनुसार भगवान को पट्टु वस्त्रालु अर्पित किया।

अपनी आध्यात्मिक खुशी व्यक्त करते हुए, श्री वर्मा ने कहा कि वह ऐसे ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण मंदिर में पवित्र अनुष्ठान को देखने के लिए बहुत धन्य महसूस करते हैं।

उन्होंने भगवान श्री राम के आदर्शों की कालातीत प्रासंगिकता पर जोर दिया और सभी से मर्यादा पुरुषोत्तम द्वारा बताए गए धर्म, करुणा और सत्य के गुणों को बनाए रखने का आह्वान किया।

इससे पहले, राज्यपाल ने भद्राद्री मंदिर में पीठासीन देवताओं के दर्शन किए और विशेष प्रार्थना की।

मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार और भव्य समारोह के साथ पट्टाभिषेक अनुष्ठान संपन्न कराया और राज्यपाल को आशीर्वाद दिया तथा प्रसाद भेंट किया। राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि राज्यपाल के साथ कृषि मंत्री श्री तुम्माला नागेश्वर राव, धर्मस्व आयुक्त, भद्राद्री कोठागुडेम के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक तथा मंदिर के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

आंध्र प्रदेश: विशेष ड्यूटी पर तैनात डिप्टी कलेक्टर की सड़क दुर्घटना में मौत

रायचोटी (आं.प्र), 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में एक विशेष डिप्टी कलेक्टर की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।यह दुर्घटना तब हुई जब संबेपल्ले मंडल के येरागुंटला के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। 50 वर्षीय डिप्टी कलेक्टर सुगल राम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए।रमा अन्नामय्या जिले में शिकायत प्रकोष्ठ की समन्वयक के रूप में कार्यरत थीं। यह दुर्घटना उस समय हुई जब वह जनशिकायतों प्राप्त करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पिलेरू से रायचोटी जा रही थीं।घायलों को रायचोटी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला कलेक्टर श्रीधर चमकुरी ने घायलों से मुलाकात की। उन्होंने डॉक्टरों से बात की और अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम संभव उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया।पुलिस ने दुर्घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। डिप्टी कलेक्टर अनंतपुर जिले के कल्याणदुर्ग के रहने वाले थे ।मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुर्घटना में डिप्टी कलेक्टर की मौत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।मुख्यमंत्री ने कहा कि रमा की मौत रायचोटी में ड्यूटी पर जाते समय हो गई। उन्होंने रमा के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि घायलों को अस्पताल में सर्वोत्तम उपचार मिले।शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने भी दुर्घटना में विशेष डिप्टी कलेक्टर की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए इसे दुखद बताया।लोकेश ने कहा, यह खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। मैं उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं संबंधित अधिकारियों से अनुरोध करता हूं कि वे इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों को सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा उपचार प्रदान करें। मुझे उम्मीद है कि वे सभी ठीक होकर सुरक्षित वापस लौटेंगे।

जेएसी ने वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ 26 अप्रैल को तेलंगाना मार्च की घोषणा की

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य और आंध्र प्रदेश (जेएसी (टीएस एंड एपी)) की सर्वदलीय संयुक्त कार्रवाई समिति की कोर कमेटी द्वारा सोमवार 7 अप्रैल को आजमपुरा में तहरीक मुस्लिम शब्बन के मुख्यालय में आयोजित एक बैठक में हाल ही में पेश किए गए वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा की गई।'वक्फ संशोधन अधिनियम-2025 को वापस लेने के लिए तेलंगाना मार्च' शीर्षक से यह विरोध प्रदर्शन 26 अप्रैल को दोपहर 2 बजे हैदराबाद के धरना चौक पर आयोजित किया जाएगा।मीडिया को संबोधित करते हुए मजलिस बचाओ तहरीक (एमबीटी) के प्रवक्ता अमजद उल्लाह खान ने बताया कि विरोध प्रदर्शन

शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा, 2019 के एनआरसी विरोधी प्रदर्शन के दौरान तेलंगाना ने देश के सबसे बड़े और सबसे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में से एक का आयोजन किया था। हमें इस बार भी इसी तरह की प्रतिक्रिया की उम्मीद है, जिसमें मुसलमानों और गैर-मुसलमानों दोनों की मजबूत भागीदारी होगी।

अमजद उल्लाह खान ने आगे बताया कि इसी तरह का विरोध प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राज्य मुख्यालयों के बाहर भी किया जाएगा। हालांकि, तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं।सभी राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों से मार्च में शामिल होने का आह्वान करते हुए जेएसी (टीएस और एपी) के संयोजक मुस्ताक मलिक ने मीडिया को बताया कि 26 अप्रैल से पहले हर शुक्रवार को राज्य भर में मस्जिदों के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने कहा, प्रतिभागी वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में काली रिबन पहनेंगे और काले झंडे थामेंगे।

उन्होंने इस कानून को मुस्लिम समुदाय के अधिकारों के लिए हानिकारक बताते हुए कहा कि इसे निरस्त किये जाने तक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि समिति मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश गौड़, साथ ही सीपीआई और सीपीएम के नेताओं से मिलकर उनका समर्थन मांगने की योजना बना रही है।

तेलंगाना विधान परिषद में नवनिर्वाचित सात सदस्यों ने ली शपथ

भद्राचलम, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधान परिषद में शिक्षक एवं विधायक कोटे से नवनिर्वाचित सात विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) ने सोमवार को शपथ ग्रहण किया।

विधान परिषद के अध्यक्ष गुट्टा सुखेन्द्र रेड्डी ने नए सदस्यों को शपथ दिलाई। विधायक कोटे के अंतर्गत सर्वसम्मति से चुने गए सदस्यों में कांग्रेस नेता विजयशांति, अद्दांकी दयाकर और शंकर नायक के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से नेल्लिकंती सत्यम और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से दासोजू श्रवण शामिल हैं।

हाल ही में हुए करीमनगर स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनावों में भाजपा उम्मीदवार अंजी रेड्डी और मलका कोमरैया विजयी हुए। इसके अलावा, पीआरटीयू का प्रतिनिधित्व करने वाले श्रीपाल रेड्डी ने खम्मम शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। हालांकि, सोमवार को केवल सात एमएलसी ने शपथ ली।

बीआरएस पार्टी के सूत्रों ने कहा कि दासोजू श्रवण, हालांकि निर्वाचित हुए हैं, लेकिन किसी अन्य दिन शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री डी श्रीधर बाबू, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, राज्यसभा सदस्य डॉ के लक्ष्मण, सांसद रघुनंदन राव, एमएलसी अविनाश रेड्डी और अन्य लोग शामिल हुए।

बढ़ते तापमान के बीच कुकटपल्ली में बाइक में लगी आग

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अप्रैल की दोपहर कुकटपल्ली में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कुकटपल्ली वाई जंक्शन के पास एक दोपहिया वाहन में आग लग गई। आग लगने का कारण शहर में पड़ रही भीषण गर्मी को बताया जा रहा है।

आग बिना किसी चेतावनी के लगी, संभवतः पिछले कुछ दिनों से हैदराबाद में पड़ रहे अत्यधिक तापमान के कारण ऐसा हुआ।

स्थानीय लोगों ने तुरंत कार्रवाई की, पानी की बाल्टियों और दुकानों से सीमेंट की बोरियाँ लेकर मौके पर पहुँचे, आग को फैलने से पहले ही बुझा दिया और किसी के हताहत होने से बचा लिया। हालांकि, वाहन लगभग पूरी तरह से नष्ट हो गया।

स्थानीय पुलिस अधिकारी भी बचाव कार्य में शामिल हुए और कुछ ही मिनटों में स्थिति पर काबू पा लिया। किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है।

आग लगने का वास्तविक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।यह गर्मी की स्थिति में सीधे धूप में छोड़े गए वाहनों की सुरक्षा के संबंध में चिंता का कारण रहा है।हैदराबाद में पिछले सप्ताह रिकॉर्ड उच्च तापमान देखा गया, कुछ क्षेत्रों में पारा 44 डिग्री सेल्सियस से अधिक तक पहुंच गया।

मेडचल फार्महाउस में जुआ खेलते 18 लोग गिरफ्तार 4 लाख रुपए जब्त

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडचल के एक फार्महाउस में ताश और जुआ खेल रहे अठारह लोगों को रविवार 6 अप्रैल को साइबराबाद विशेष अभियान दल (एसओटी) द्वारा छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया। विशेष सूचना के आधार पर एसओटी टीम ने मेडचल के पुडुर स्थित श्रीनिवास राव के फार्महाउस पर छापा मारा।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान 4 लाख रुपये नकद, 16 मोबाइल फोन और शराब की बोतलें जब्त कीं। छापे के दौरान पुलिस द्वारा पकड़े गए लोग रियल एस्टेट व्यवसायी थे, जो सप्ताहांत में ताश खेलने के लिए फार्महाउस पर एकत्र हुए थे।उनके खिलाफ मेडचल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

तेलंगाना में 2024 की दूसरी छमाही में अपराध में 4.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई : डीजी सीआईडी

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की महानिदेशक (डीजी) शिखा गोयल के अनुसार, 2024 की दूसरी छमाही में तेलंगाना में अपराध में पहली छमाही की तुलना में 4.9 प्रतिशत की कमी आई है, जिन्होंने सोमवार, 7 अप्रैल को अर्ध-वार्षिक अपराध समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख आंकड़े पेश किए। उन्होंने कहा कि अधिकांश बड़े अपराधों में गिरावट देखी गई, लेकिन चोरी की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं।रिपोर्टों के अनुसार, अपराध का पता लगाने की दर 2023 में 57 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 76 प्रतिशत हो गई। इसके अतिरिक्त, अज्ञात

(यूआई) मामलों के निपटान में 20.49 प्रतिशत की वृद्धि हुई।उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जितेन्द्र ने पुलिस बल को समर्पित सेवा और स्पष्ट पुलिसिंग के माध्यम से जनता का विश्वास जीतने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया और महिला पुलिस अधिकारियों से महिलाओं के आत्म-विकास और सशक्तिकरण पर जागरूकता अभियान चलाने का आग्रह किया।जितेन्द्र ने अधिकारियों को सलाह दी कि वे सिविल और वित्तीय विवादों से निपटने में संवेदनशील बने रहें तथा पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दें।

मेडिपल्ली में 19 वर्षीय लड़की ने आत्महत्या कर ली

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा ने मेडिपल्ली स्थित अपने घर में दुखद ढंग से अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग के कारण मां द्वारा डांटे जाने के बाद उसने यह आत्मघाती कदम उठाया।पीड़िता के. स्पंदना एक निजी कॉलेज में इंजीनियरिंग की प्रथम वर्ष की छात्रा थी और अपने माता-पिता के साथ मेडिपल्ली के साई हिल्स में रहती थी।

रविवार को उसकी मां ने देखा कि स्पंदना अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के बजाय लगातार फोन पर बात कर रही थी। इसके बाद उसकी माँ ने उसे पढ़ाई में लापरवाही बरतने के लिए डांटा।डांट से व्यथित होकर स्पंदना कथित तौर पर अवसाद में चली गई और बाद में उसने दुपट्टे का उपयोग करके छत के पंखे से लटकने का चरम कदम उठा लिया।

स्थानीय अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की और मामला दर्ज कर लिया।

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि माता-पिता की डांट-फटकार से उत्पन्न भावनात्मक संकट ने इस त्रासदी में योगदान दिया हो सकता है।

बोवेनपल्ली में महिला को जिंदा जलाने के जुर्म में व्यक्ति को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद की एक स्थानीय अदालत ने सोमवार, 7 अप्रैल को बोवेनपल्ली में एक महिला को आग लगाने के आरोप में 33 वर्षीय मजदूर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने शिवा को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराया। आजीवन कारावास के साथ ही अदालत ने 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना अदा न करने पर उसे तीन महीने और साधारण कारावास की सजा काटनी होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, स्वप्ना और शिवा कुछ सालों से रिलेशनशिप में थे।

हालांकि, स्वप्ना के माता-पिता ने उसकी शादी राजेश नाम के दूसरे व्यक्ति से तय कर दी। अपनी शादी के बावजूद, उसने शिवा के साथ अपना रिश्ता जारी रखा। बाद में, जब स्वप्ना अपने माता-पिता के घर लौटी, तो शिवा ने उसे फिर से अपने साथ रहने के लिए मना लिया। दोनों ने बोवेनपल्ली के हसमथपेट में एक साथ रहना शुरू कर दिया।

समय के साथ उनके बीच विवाद बढ़ने लगे। 23 दिसंबर 2013 की रात को शराब पीने के बाद शिवा ने स्वप्ना पर मिट्टी का तेल डालकर उसे आग लगा दी। उसकी चीखें सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

साक्ष्यों और सुनवाई के आधार पर अदालत ने शिवा को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के तहत दोषी करार दिया। आजीवन कारावास के साथ ही अदालत ने 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना अदा न करने पर उसे तीन महीने और जेल में रहना होगा।

मारवाड़ी युवा मंच मंचेरियाल शाखा की नई कार्यकारिणी गठित

मंचेरियाल, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवनिर्वाचित अध्यक्ष भरत लड्डा ने कार्यकारिणी की घोषणा की उन्होंने आनंद झंवर को मंत्री पद पर और अमित केडिया को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया कार्यकारिणी के सदस्यों को श्री ओमप्रकाश जी मुंदड़ा मंच के वरिष्ठ सदस्य के द्वारा शपथ दिलाई गई इस कार्यक्रम मे अब तक के सभी पूर्व अध्यक्षो को आमंत्रित किया और उनके कार्यकाल मे हुए कार्यों की जानकारी ली और सभी पूर्व अध्यक्षो ने सभी युवा साथियों को प्रोत्साहित किया और सभी को बधाई दी पूर्व अध्यक्ष गोपाल व्यास को प्रांत उपाध्यक्ष बनने पर बधाई दी गई इस कार्यक्रम में

बेल्लमपल्ली शाखा के सभी पधादीकारी उपस्थित थे।जोन 3 के उपाध्यक्ष श्री अजय जी लोया ने और बेल्लमपल्ली शाखा के अध्यक्ष कृष्णकांत जी सोनी ने सभी को बधाई दी।

सिकंदराबाद में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाकाली मंदिर के पास ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा रैकेट में कथित तौर पर शामिल होने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 92,120 रुपये नकद और चार मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

आरोपियों की पहचान सिकंदराबाद निवासी उप-सट्टेबाज गोदेला संदीप कुमार, गोशामहल निवासी उप-सट्टेबाज एस. अभिषेक कुमार, मंगलहाट निवासी कलेक्शन बॉय विनय सिंह और मंगलहाट निवासी पंटर पी. यशवंत गुप्ता के रूप में हुई है।रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी आईपीएलखेलो.कॉम, महाकल999.कॉम, महाकल365.कॉम और महाकलपंट.कॉम जैसी वेबसाइट का उपयोग करके अवैध ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चला रहे थे। उन्होंने सट्टेबाजों को लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्रदान किए, जिससे वे चल रहे मैचों पर दांव लगा सकें, जो कानून के तहत दंडनीय अपराध है क्योंकि इसमें मौका का खेल शामिल है।आरोपी मुख्य रूप से हैदराबाद के सिकंदराबाद, गोशामहल और मंगलहाट इलाकों में सक्रिय थे।सूचना के आधार पर पुलिस ने महाकाली मंदिर के पास से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा सट्टेबाजी में प्रयुक्त धन और फोन जब्त कर लिए।मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

कांचा गच्चीबावली विरोध: भट्टी ने पुलिस को मामले वापस लेने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। विभिन्न वर्गों के दबाव को देखते हुए उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को पुलिस को कांचा गच्चीबौली भूमि विवाद के संबंध में हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का निर्देश दिया। तीन मंत्रियों की समिति ने सोमवार को सचिवालय में हैदराबाद विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (यूएचटीए) और विभिन्न सार्वजनिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की, जिसके बाद यह निर्देश जारी किए गए। न्यायिक हिरासत में बंद दो छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों के संबंध में उपमुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को मामले वापस लेने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया।विक्रमार्क ने विधि विभाग को निर्देश दिया, मामलों को वापस लेने में कोई कानूनी समस्या न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए।

आईटी मंत्री डी श्रीधर बाबू और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित तीन सदस्यीय समिति ने यूएचटीए और सार्वजनिक संगठनों के सदस्यों से मुलाकात की। हालांकि, छात्रों की संयुक्त कार्रवाई समिति ने बैठक में भाग नहीं लिया और जोर देकर कहा कि वे सरकार द्वारा उनकी मांगों पर विचार किए जाने के बाद ही मंत्रियों की समिति से मिलेंगे। यूएचटीए और सार्वजनिक समाज संगठनों ने सरकार से विश्वविद्यालय परिसर से पुलिस बल को तुरंत हटाने और निषेधाज्ञा भी वापस लेने की मांग की।उन्होंने जोर देकर कहा कि आंदोलन में शामिल छात्रों के खिलाफ हाल ही में दर्ज किए गए सभी मामले वापस लिए जाने चाहिए। वे यह भी चाहते थे कि पुलिस हिरासत में अभी भी मौजूद दो छात्रों को तुरंत रिहा किया जाए। यूएचटीए और सार्वजनिक संगठनों के सदस्यों ने विशेष रूप से जोर देकर कहा कि प्राथमिक हितधारकों के रूप में, विशेषज्ञ शिक्षकों और शोधकर्ताओं को केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति के परिसर में आने से पहले कांचा गचीबोवली की 400 एकड़ भूमि में नुकसान का आकलन और जैव विविधता सर्वेक्षण

करने की तुरंत अनुमति दी जानी चाहिए।

जवाब में, मंत्रियों की समिति ने कहा कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार 400 एकड़ की सुरक्षा के लिए पुलिस की मौजूदगी जरूरी है। समिति ने यह भी कहा कि सरकार विश्वविद्यालय प्रशासन को परिसर के बाकी हिस्सों से पुलिस हटाने के लिए लिखेगी। हालांकि, यह छात्रों और परिसर में संपत्ति की सुरक्षा के बारे में प्रशासन के आश्वासन के अधीन था, पुलिस को 400 एकड़ भूमि को छोड़कर परिसर से हटा दिया जाएगा, ऐसा कहा।

मंत्रियों ने कहा, उक्त क्षेत्र में किसी भी गतिविधि को रोकने और यथास्थिति बनाए रखने के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के मद्देनजर, सरकार न्यायालय के अगले आदेश तक शिक्षकों और छात्रों को सर्वेक्षण की अनुमति नहीं दे पाएगी।समिति ने छात्रों के अनुरोध पर परिसर का दौरा करने की इच्छा भी जताई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले को देखते हुए उसने कहा कि दौरे की तत्काल योजना नहीं बनाई जा सकती।

हालांकि, समिति ने छात्रों को उनकी चिंताओं और सुझावों को सुनने के लिए एक बैठक के लिए आमंत्रित किया।इस बीच, कांग्रेस नेताओं के सरकारी बैठकों में भाग लेने के बारे में विभिन्न वर्गों द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बावजूद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने सोमवार को सचिवालय में हैदराबाद विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (यूएचटीए) और विभिन्न सार्वजनिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मंत्रियों की समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक में उनके साथ कांग्रेस कार्यसमिति के विशेष आमंत्रित सदस्य वामशी चंद रेड्डी भी थे।

कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद में पुलिस ने बीआरएस नेता कृष्णक को पूछताछ के लिए बुलाया

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस सोशल मीडिया संयोजक कृषांक मन्ने को विवादास्पद कांचा गाचीबोवली भूमि से संबंधित उनके पोस्ट पर दर्ज चार नई एफआईआर के संबंध में गाचीबोवली पुलिस ने नोटिस भेजा है। उन्हें 9 और 10 अप्रैल को जांच के लिए पेश होने को कहा गया है।इन अतिरिक्त मामलों के साथ, तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से सिर्फ़ 16 महीनों में कृषांक के खिलाफ़ दर्ज मामलों की कुल संख्या 21 तक पहुँच गई है। ज़्यादातर एफ़आईआर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर उनके पोस्ट से संबंधित हैं, जिसके बारे में कृषांक का दावा है कि ये आपराधिक कृत्य नहीं बल्कि असहमति की अभिव्यक्तियाँ हैं।इसे राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट मामला बताते हुए कृषांक ने कहा कि वह जांच में सहयोग करेंगे और जहां भी जरूरत होगी, अपनी आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने उन आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) से सटे कांचा गचीबोवली क्षेत्र में वन्यजीवों और वनों की कटाई को दिखाने वाले वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके बनाए गए थे।उन्होंने कहा, जारी किए गए सभी दृश्य वास्तविक हैं। राष्ट्रीय स्तर की एजेंसियों ने पुष्टि की है कि वीडियो में हिरण और मोर दिखाई दे रहे हैं। पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर कार्रवाई करने के बजाय, सरकार सच्चाई को उजागर करने वालों को निशाना बना रही है। उन्होंने मांग की कि पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने वालों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाने चाहिए, न कि वास्तविकता दिखाने वालों के खिलाफ।

तेलंगाना सरकार ने फर्जी एआई सामग्री को लेकर हाईकोर्ट का रुख किया

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस ने रामनवमी आयोजकों पर डीजे और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का मामला दर्ज किया!

हैदराबाद: शहर की पुलिस ने रविवार, 6 अप्रैल को शहर में निकाली गई श्री राम नवमी शोभा यात्रा के दौरान डीजे सिस्टम के इस्तेमाल और भड़काऊ भाषण देने के लिए कई मामले दर्ज किए।

अपने शब्दों पर अड़े रहे और डीजे सिस्टम के इस्तेमाल पर पुलिस के आदेशों की अव-हेलना करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के गोशामहल विधायक राजा सिंह

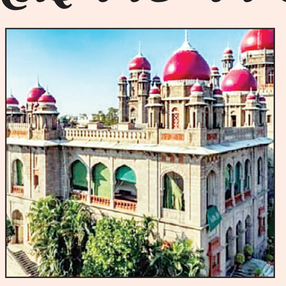

ने रविवार, 6 अप्रैल को हैदराबाद में वार्षिक श्री राम नवमी शोभा यात्रा के दौरान हाई-वॉल्यूम साउंड सिस्टम का इस्तेमाल किया। रैली के दौरान उनके शब्दों ने भी, हमेशा की तरह, नफरत फैलाने वाले भाषण को बढ़ावा दिया।

पुलिस ने मंगलहाट, तप्पाचबूतरा, शाहिन्यनाथगंज और अफजलगंज पुलिस थानों में मामले दर्ज किए हैं। हालांकि, हैदराबाद पुलिस अधिकारियों ने अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया।

हैदराबाद पुलिस ने पहले रामनवमी आयोजकों को जुलूस के दौरान डीजे, ध्वनि मिक्सर, मोबाइल माइक्रोफोन और लाउडस्पीकर सहित उच्च-डेसीबल ध्वनि उपकरणों का उपयोग करने से बचने का सख्त निर्देश दिया था।कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के लिए भाजयुमो उपाध्यक्ष लड्डू यादव के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

कांचा गच्चीबावली मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं में मतभेद

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांचा गचीबोवली विवाद ने राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना के अलावा राज्य में मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं के बीच मतभेद को भी जन्म दिया है। कांचा गचीबोवली भूमि विवाद के सुर्खियों में आने के बाद से, कुछ मंत्रियों को छोड़कर, अन्य इस मुद्दे पर रणनीतिक और स्पष्ट चुप्पी बनाए हुए हैं।

स्थिति इतनी गंभीर है कि कांग्रेस आलाकमान को हस्तक्षेप करना पड़ा और नुकसान की भरपाई के लिए कदम उठाने पड़े। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन पहले ही सचिवालय में राज्य सरकार द्वारा गठित तीन मंत्रियों की समिति से बातचीत कर चुकी हैं। उन्होंने छात्र संघों, शिक्षक संघों और विभिन्न सार्वजनिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठकें की हैं। राज्य सरकार मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा अगले आदेश तक विवादित भूमि पर गतिविधियों को रोकने के आदेश के मद्देनजर उसे बड़ा झटका लगा है।इन सभी घटनाक्रमों के बीच, हालांकि उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, आईटी मंत्री डी श्रीशर बाबू और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित कुछ मंत्री जवाबी कार्रवाई में लगे हुए हैं, लेकिन अन्य इस मुद्दे से दूर रहना पसंद कर रहे हैं।गांधी भवन के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, कांचा गच्चीबौली विवाद कई लोगों के लिए कड़वी गोली साबित हुआ। इस मुद्दे पर मंत्रियों और नेताओं के बीच कुछ मतभेद हैं, खासकर जिस तरह से मामले को संभाला जा रहा है।वरिष्ठ नेता ने जोर देकर कहा कि बुलडोजरों की तैनाती, पेड़ों की कटाई, छात्रों के विरोध प्रदर्शन, गिरफ्तारियां और हर तरफ से आलोचना, इन सभी कारकों ने नेताओं को बैकफुट पर ला दिया है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस मुद्दे पर तीन मंत्रियों की समिति के गठन की घोषणा की थी। हालांकि, समिति में वन मंत्री कोंडा सुरेखा की अनुपस्थिति ने नेताओं के बीच चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि पूरा विवाद वन भूमि और समृद्ध जैव विविधता के विनाश को लेकर था। कुछ लोगों का मानना है कि तीन मंत्रियों की समिति के गठन का कदम गेंद को समिति के पाले में डालने का एक उपाय था। एक अन्य नेता ने कहा कि इस मुद्दे पर किसी भी अप्रिय घटनाक्रम की स्थिति में समिति आलोचना के केंद्र में होगी।

मंगलवार और बुधवार को अहमदाबाद में होने वाली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और कुछ मंत्रियों तथा नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।नेता ने जोर देकर कहा, बैठक में कांचा गच्चीबौली मुद्दे पर चर्चा होने की पूरी संभावना है। आलाकमान इस मुद्दे पर अपडेट मांग सकता है।

तेलंगाना आरटीसी यूनियन 6 मई से पूर्ण हड़ताल पर जाएंगे

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) की यूनियनों ने सोमवार को 6 मई से राज्यव्यापी हड़ताल की घोषणा की। आरटीसी कर्मचारियों ने सोमवार को बस भवन में श्रम आयुक्त और निगम के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार को हड़ताल का नोटिस सौंपा।आरटीसी कर्मचारियों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आरटीसी कर्मचारी 7 मई से कार्य बहिष्कार करेंगे।आरटीसी कर्मचारियों के प्रति राज्य सरकार की उदासीनता से परेशान टीजीए-सआरटीसी यूनियन के सदस्यों ने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक उनकी कोई भी मांग पूरी नहीं की है।पांच साल बाद यह पहला मौका है जब आरटीसी यूनियनें हड़ताल पर जा रही हैं। इससे पहले भी उन्होंने सरकार और निगम प्रबंधन को हड़ताल का नोटिस जारी किया था।यूनियन नेताओं ने राज्य सरकार द्वारा 16 महीने से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बावजूद निगम कर्मचारियों से किए गए वादों पर कोई कार्रवाई न किए जाने पर असंतोष व्यक्त किया था। वेतन संशोधन न किए जाने और बकाया राशि का भुगतान न किए जाने के कारण कर्मचारी विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर हैं।यूनियन नेताओं ने राज्य सरकार पर चुनाव प्रचार के दौरान किए गए उनके वादों की अनदेखी करने का आरोप लगाया, जिसमें टीजीएसआरटीसी का सरकार में विलय, ट्रेड यूनियनों पर प्रतिबंध हटाना और वेतन वृद्धि को तत्काल लागू करना शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि उनका वेतन भी जमा नहीं किया जा रहा है।उन्होंने दुख जताया कि आरटीसी के हिस्से के रूप में इलेक्ट्रिक बसों को तैनात करने से हजारों नौकरियां खतरे में पड़ रही हैं। उनका आरोप है कि इन बसों का रखरखाव निजी ऑपरेटर करते हैं। यूनियन नेताओं ने राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे राज्य भर में अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर देंगे।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

स्व. श्री बालकिशनजी अग्रवाल
के पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में
Dr. Sujeeth Kumar Agarwal,
Saroj Kumari Agarwal & Sahil Agarwal
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

विधानसभा में ज्योतिराव फुले की प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर कविता एक दिन की भूख हड़ताल करेंगी

हैदराबाद, 07 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के कविता मंगलवार को इंदिरा पार्क के पास धरना चौक पर एक दिन की भूख हड़ताल करेंगी। वह तेलंगाना विधानसभा में समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की प्रतिमा लगाने की मांग करेंगी। वह सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक भूख हड़ताल पर रहेंगी।

कविता ने पहले स्पीकर से आग्रह किया था और राज्य सरकार से मांग की थी कि वह 11 अप्रैल को फुले की जयंती से पहले प्रतिमा की स्थापना सुनिश्चित करें। आज तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर, वह फुले की विरासत और सामाजिक न्याय में उनके योगदान का सम्मान करने के लिए विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाली हैं।

राज्यव्यापी अभियान के तहत, तेलंगाना जागृति ने पूरे राज्य में 14 गोलमेज बैठकें कीं, जिसमें कविता ने पिछड़े वर्गों (बीसी) के अधिकारों और आरक्षण के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने पिछड़े वर्गों की चिंताओं को बढ़ाने के लिए तेलंगाना के जिलों में व्यापक विचार-विमर्श किया और विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए कामारेड्डी बीसी घोषणापत्र के कार्यान्वयन की मांग की।

इसके अलावा, बीआरएस एमएलसी राज्य में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग करने में सबसे आगे रही हैं। उनके निरंतर प्रयासों के कारण, राज्य सरकार ने अंततः राजनीति, रोजगार और शिक्षा में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए विधानसभा में दो अलग-अलग विधेयक पेश किए थे।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ & लाभ — R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive ....
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

WANTED FLAT ON RENT
Wanted to Rent a Full Furnished 2-3 BHK Flat in the area of Secunderabad & Begumpet.
Should be Ventilated, Centrally Located.
Car Parking are Preferred.
Please Contact : 94408 91471

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.